डाक पंजीयन नं. 99/2021–23
E-mail:-aadhuniksamachar2014@gmail.com website:www.aadhuniksamachar.com

PG-5

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

आधुनिक समाचार

प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

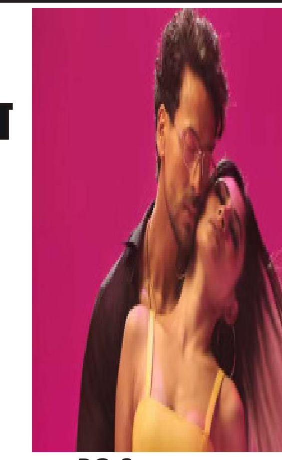
PG-8

सिनेमा:रिलीज हुआ टाइगर श्रॉफ का सिंगल पंजाबी म्यूजिक वीडियो

वर्ष -08 अंक -02 प्रयागराज, मंगलवार 01 मार्च, 2022 पृष्ठ- 8 मूल्य : 2.00 रूपये

संक्षिप्त समाचार

वर्तमान परिदृश्य में युद्ध केवल आक्रामक व्यापार रणनीति का खेल, डिफेंस एक्सपर्ट व्यू

नई दिल्ली। वर्तमान परिदृश्य में युद्ध केवल हथियार कंपनियों और तेल कंपनियों के फायदे का सौदा रह गए हैं। इस दौरान कुछ लाख लोग यदि मरते हैं तो इन कंपनियों को कोई फर्क नहीं पड़ता है। ये कंपनियां सरकारों को प्रभावित करती हैं। पहले इराक फिर सीरिया में बने हालात तेल और हथियार कंपनियों के लिए फायदेमंद रहे हैं। इस बात में संदेह नहीं कि यूक्रेन पर रूस का हमला भी ऐसी कई कंपनियों को लाभ पहुंचाएगा। जिस तरह से हमला शुरू होते ही तेल के भाव बढ़े हैं, उससे इस बात की पुष्टि भी हो जाती है। महंगे रक्षा उत्पाद बनाने में कंपनियां बड़ा पैसा लगाती हैं। निश्चित तौर पर रक्षा उत्पादों की खपत शांति काल में नहीं होती। इनके लिए युद्ध एकमात्र साधन हैं। कंपनियां प्रत्यक्ष तौर पर युद्ध को शुरू करने या भड़काने में भले कोई भूमिका न निभाएं, लेकिन यह जरूर चाहती हैं कि स्थितियां कुछ अशांत बनी रहें।

यूक्रेन संकट पर भारत का स्टैंड साफ, विदेश सचिव बोले- हम सभी पक्षों के संपर्क में, संकट टालने के लिए जो संभव होगा करेंग

नई दिल्ली। विदेश सचिव हर्षवर्धन श्रृंगला ने कहा है कि यूक्रेन संकट पर भारत का रुख स्थिर-स्थायी रहा है और हर तरह से यह विश्वास किया जाना चाहिए कि भारत सभी संबंधित पक्षों के संपर्क में है। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में भारत के रुख का उल्लेख करते हुए श्रृंगला ने कहा कि हमने यह स्पष्ट तौर पर बता दिया कि लोगों की जानें जाना स्वीकार्य नहीं है। गौरतलब है कि रूस के खिलाफ लाए गए निंदा प्रस्ताव में भारत ने वोटिंग नहीं की थी, लेकिन अपने वक्तव्य में उसने रूस को यह नसीहत अवश्य दी थी कि किसी भी देश की संप्रभुता और अखंडता को हिंसा और आक्रामकता के जरिये खंडित करने की कोशिश नहीं होनी चाहिए। श्रृंगला ने कहा कि सुरक्षा परिषद में हमने यह संदेश दिया कि भारत यूक्रेन के घटनाक्रम पर दुखी है, लेकिन इसके साथ ही यह भी साफ कर दिया गया कि कूटनीति और बातचीत ही एकमात्र विकल्प है। निश्चित रूप से अपने इस रुख के जरिये भारत ने चीजें साफ कर दी हैं। विदेश सचिव ने कहा कि भारत सभी पक्षों के संपर्क में है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रूस और यूक्रेन के राष्ट्रपति से बातचीत की है। विदेश

मंत्री भी तमाम वार्ताकारों के संपर्क में हैं। विदेश सचिव हर्षवर्धन श्रृंगला ने कहा कि वह खुद भी रूस और यूक्रेन के राजदूतों से रविवार को मिले हैं। जिस क्षेत्र में संघर्ष चल रहा है वहां न केवल भारत के हित जुड़े हुए हैं, बल्कि हमारे मित्र भी हैं। श्रृंगला से पूछा गया कि क्या भारत संकट को समाप्त करने के लिए कोई भूमिका अदा करेगा तो उन्होंने जवाब दिया-अगर हम कोई भूमिका निभा सकते हैं।तो हम इसके लिए तैयार हैं।

नाटो से यूक्रेन को मिलेंगी हवाई रक्षा मिसाइलें, टैंक विरोधी हथियार के साथ-साथ मानवीय और वित्तीय सहायता

नई दिल्ली। रूस-यूक्रेन जंग का प्रभाव पूरी दुनिया पर देखने को मिल रहा है। नाटो महासचिव जेन्स स्टोल्टेनबर्ग का कहना है कि सहयोगी यूक्रेन को हवाई रक्षा मिसाइलों, टैंक-विरोधी हथियारों के साथ-साथ मानवीय और वित्तीय सहायता के साथ समर्थन बढ़ा रहे हैं। इससे युद्ध और लंबा चलने की आशंका है। हालांकि, इस बीच बेलारूस की सीमा पर रूस के साथ वार्ता के लिए यूक्रेन का प्रतिनिधिमंडल पहुंचा है। इस पर दुनियाभर की निगाहें टिकी हुई हैं। यूक्रेन के राष्ट्रपति वलोडिमिर ज़ेलेंस्की ने अपने ताजा भाषण में रूसी सैनिकों से

अपील की- अपनी जान बचाओ और भाग जाओ। रविवार को यूक्रेन की ओर से दावा किया गया था कि उन्‍्होंने हजारों रूसी सैनिकों को मार गिराया है। इस बीच भारत यूक्रेन में फंसे अपने नागरिकों को निकालने की रणनीति पर गंभीरता से काम कर रहा है। ऑपरेशन गंगा भी चलाया जा रहा है। भारत में पोलैंड के राजदूत एडम बुराकोव्स्की ने बताया कि भारतीय छात्रों के लिए विशेष उड़ानें होंगी। पोलैंड भारतीय छात्रों को सहयोग कर रहा है। छात्रों को स्‍्वदेश ले जाने की प्रक्रिया में भारत के उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल की भी मदद की जाएगी। संकट की इस घड़ी में भारतीय नागरिक बिना किसी वीजा के पोलैंड सीमा पार कर सकते हैं।तमिलनाडु में कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने मुख्यमंत्री और डीएमके अध्यक्ष एम. के. स्टालिन पर लिखी किताब (आत्मकथा) का चेनन्ई में विमोचन किया। इस दौरान राजद नेता तेजस्वी यादव, केरल के मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन, जम्मू कश्मीर नेशनल कॉन्फ्रेंस के नेता उमर अब्दुल्ला उपस्थित रहे।

यूक्रेन में 16 बच्चों समेत कई नागरिक हुए हताहत लगातार बढ़ रही देश छोड़ने वालों की संख्या......

नई दिल्ली। रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध तेज होता जा रहा है। भारत में यूक्रेनी राजदूत डाक्टर इगोर पोलिखा ने सोमवार को कहा कि रूसी सैन्य अभियान के कारण यूक्रेन के कई नागरिक हताहत हुए हैं। नई दिल्ली में एक संवाददाता सम्मेलन में बोलते हुए पोलिखा ने कहा कि हमारे बहुत से नागरिक हताहत हो रहे हैं। हमारे मंत्रालय की आधिकारिक जानकारी के अनुसार रूस के बम विस्फोटों, गोलीबारी आदि से 16 बच्चे मारे जा चुके हैं। यूक्रेन में जारी संघर्ष पर जानकारी देते हुए पोलीखा ने कहा कि रविवार को यूरोप के हवाई क्षेत्र को रूसी विमानों के लिए बंद कर दिया गया था। उन्होंने दावा किया कि रूसी अर्थव्यवस्था हर दिन अपंग होती जा रही है। इन सब हालातों से रूस हताहत हो रहा है। लगभग 5,300 रूसी सैनिकों ने अपनी जान गंवाई है। पोलिखा ने यूक्रेन के सभी विदेशी भागीदारों से रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन पर युद्ध रोकने के लिए दबाव बनाने का भी अनुरोध किया है। उन्होंने कहा कि आज हमारा प्रतिनिधिमंडल शांति वार्ता के पहले दौर में गया था। शांति वार्ता के दौरान भी लगातार गोलाबारी, बमबारी हुई है। आज प्रेस वार्ता के दौरान पोलिखा ने कहा कि उनके देश में जारी संघर्ष के कारण यूक्रेन के शरणार्थियों की संख्या 4 लाख से अधिक हो गई है। उन्होंने कहा कि अगर युद्ध नहीं रोका गया, तो यह संख्या 70 लाख तक पहुंच सकती है। सीमा पर बहुत लंबी

कतारें हैं। लाखों यूक्रेनियन कतार में खड़े हैं और सीमा पार करने की कोशिश कर रहे हैं। बता दें कि यूक्रेन के राजदूत की यह प्रेस कांन्फ्रेंस राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की द्वारा अपने देश की स्थिति पर शनिवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से बात करने और रूस के खिलाफ संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) में अपने राजनीतिक समर्थन के लिए भारत से आग्रह करने के दो दिन बाद हुई है।

मणिपुर में मतदान की रफ्तार तेज, 1 बजे तक 48.88 फीसद हुई वोटिंग की थलमनबी में ईवीएम तोड़ने की शिकायत

इंफाल। मणिपुर विधानसभा चुनाव का पहला चरण आज शुरू हो गया है। इंफाल पूर्व, इंफाल पश्चिम, चुराचांदपुर, बिष्णुपुर और कांगपोकपी समेत पांच जिलों के 38 निर्वाचन क्षेत्रों में वोटिंग हो रही है। चुनाव की शुरुआत में ही लोग बढ़-चढ़कर मतदान कर रहे हैं और बंपर वोट दर्ज किया गया है। केंद्रों के बाहर मतदाताओं की लंबी कतारें नजर आ रहीं हैं। गौरतलब है कि पहले चरण में 15 महिलाओं समेत कुल 173 उम्मीदवार इस चुनाव मैदान में अपनी किस्मत अजमा रहे हैं। वहीं आज वोटिंग शुरू होते ही मणिपुर के सीएम बीरेन सिंह और डिप्टी सीएम एवं उरीपोक से एनपीपी उम्मीदवार युमनाम जायकुमार सिंह ने वोट डालकर जीत का दावा किया है। चुनाव आयोग के अनुसार पहले चरण में सुबह 1 बजे तक 48.88 फीसद मतदान दर्ज किया गया है। अभी तक कंगपोकपी जिले में सबसे ज्यादा वोटिंग दर्ज की गई है। कंगपोकपी में 61.30 फीसद वोट डाले गए हैं। वहीं इंफाल पूर्व में 46.11, इंफाल पश्चिम में 52.15, बिष्णुपुर में 50.48 और चुराचांदपुर में 40.37 फीसद मतदान हुआ है।

मणिपुर के मुख्य चुनाव अधिकारी राजेश अग्रवाल ने बताया कि कीथलमनबी में कुछ समर्थकों और राजनीतिक दलों के उम्मीदवारों ने मतदान को बाधित किया है और ईवीएम मशीन को तोड़ा गया है। इसके कारण चुनाव प्रक्रिया में देरी हुई है। अधिकारी के अनुसार आयोग जांच कर रहा है और इसपर विचार किया जा रहा है कि आज यहां मतदान जारी रखना है या फिर से मतदान कराया जाएगा। हिंगांग से सीएम और बीजेपी उम्मीदवार एन बीरेन सिंह इम्फाल के श्रीवन हाई स्कूल में वोट डालने पहुंचे। वोटिंग के बाद उन्होंने कहा कि मैं उम्मीद कर रहा हूं कि मेरे निर्वाचन क्षेत्र के 75झ् लोग बीजेपी और मुझे वोट देंगे। बीजेपी पहले चरण में 38 में से कम से कम 30 सीटों की उम्मीद कर रही है। इस दौरान उन्होंने सभी लोगों से वोट डालने की अपील भी की, बीरेन ने कहा- मैं अपने निर्वाचन क्षेत्र के लोगों के साथ-साथ अन्य मतदाताओं से अनुरोध करता हूं कि वे अपना बहुमूल्य वोट दें और संविधान द्वारा दी गई लोकतांत्रिक शक्ति का उपयोग करें। मणिपुर के राज्यपाल ला गणेशन ने भी इम्फाल में तम्फासना गर्ल्स हायर सेकेंडरी स्कूल में वोट किया। वोट डालने के बाद उन्होंने कहा कि, ठमैं मणिपुर के सभी लोगों से अपील करता हूं कि वे अपने मताधिकार का प्रयोग करें क्योंकि हमारे देश में लोकतंत्र है और लोकतंत्र की निशानी चुनाव है।

जेलेंस्की बोले- रूसी सैनिक जान बचाएं और वापस जाएं कैदी भी होंगे युद्ध में शामिल, यूक्रेन के लिए 24 घंटे बेहद अहम

कीवं। रूस की ओर से यूक्रेन की राजधानी कीव पर बड़े हमले का खतरा मंडरा रहा है। समाचार एजेंसी आइएएनएस की रिपोर्ट के मुताबिक यूक्रेनी राष्ट्रपति वलोडिमिर जेलेंस्की (ळ्वीर्ग्हे झेग्हू न्दत्ढ्र्स्ठ ॅतहेब्) ने ब्रिटेन के प्रधानमंत्री बोरिस जानसन से कहा है कि रूस के साथ उनकी सेना का संघर्ष जारी है। यूक्रेन के लिए अगले 24 घंटे बेहद महत्?पूर्ण होंगे। वहीं समाचार एजेंसी रायटर ने यूक्रेनी राष्ट्रपति कार्यालय के हवाले से कहा है कि यूक्रेन का रूस के साथ बातचीत का मुख्य लक्ष्य तत्काल युद्धविराम और रूसी सैनिकों की वापसी है इंग?लैंड के डाउनिंग स्ट्रीट के मुताबिक जेलेंस्की से प्रधानमंत्री बोरिस जानसन ने कहा है कि वह ब्रिटेन से रक्षात्मक सहायता सुनिश्चित करने के लिए हर संभव कदम उठाएंगे। इसके साथ ही जानसन ने यूक्रेनी राष्ट्रपति के नेतृत्व की प्रशंसा की। गौरतलब है कि दोनों नेताओं के बीच यह संवाद ऐसे वक?त में हुआ है जब पुतिन ने अपने परमाणु बल को अलर्ट पर

रखने का आदेश दिया है। ब्रिटेन की विदेश सचिव लिज ट्रस ने आगाह किया है कि रूस यूक्रेन के बीच जारी जंग रूस और नाटो के बीच टकराव में भी तब?दील हो सकती है। यूक्रेन के राष्ट्रपति का कहना है कि रूसी हमले में यूक्रेन के 16 बच्चे मारे गए हैं जबकि 45 अन्य घायल हुए हैं। उन?होंने सोमवार को कहा कि कब्जाधारियों की हर गोलाबारी हमारे भागीदारों और हमें और करीब ला रही है। इसके साथ ही उन्होंने रूस पर पश्चिमी मुल?कों की ओर से रूस पर लगाए गए प्रतिबंधों की सराहना की। जेलेंस?की ने कहा कि हमारी प्रतिरक्षा में 4,500 से अधिक रूसी सैनिक मारे गए हैं। रायटर्स के मुताबिक यूक्रेन के राष्ट्रपति वलोडिमिर जेलेंस्की का कहना है कि वह नई विशेष प्रक्रिया के तहत यूक्रेन को यूरोपीय संघ में तत्काल विलय की अपील कर रहे हैं। उन?होंने रूसी सैनिकों से कहा कि 'अपनी जान बचाएं और यूक्रेन छोड़ें'... उन?होंने यह भी कहा कि यूक्रेन रूस के खिलाफ लड़ाई में शामिल होने के इच्छुक कैदियों को सैन?य अनुभव के साथ रिहा करेगा। वहीं यूक्रेन की सेना ने बयान जारी कर कहा है कि कीव अब भी उसके नियंत्रण में है। वहीं पुतिन ने रूसी प्रतिरोध बलों को आपात स्थिति के लिए तैनात रहने को कहा है।

अमेरिका अपने प्रभाव को बढ़ाने के लिए यूक्रेन-रूस युद्ध को एक मौके की तरह देख रहा, एक्सपर्ट व्यू

वहाब। कुछ लोग कहने लगे हैं कि यूक्रेन-रूस युद्ध असल में कृत्रिम तरीके से फैलाया गया संकट है। इसके पीछे दुनिया की बड़ी हथियार निर्माता कंपनियां हैं, जो दुनिया में अपने नवीनतम हथियार बेचना चाहती हैं। इस भू-राजनीतिक संकट की तुलना गांव के किसी हाट से करना इसका सामान्यीकरण है, जहां हर नाटक और उठापटक का अंतिम उद्देश्य बस कारोबार को बढ़ाना होता है। यूक्रेन के मामले में हमें ऐतिहासिक और भौगोलिक कारणों की अनदेखी नहीं करनी चाहिए। असल में रूस-अमेरिका दोनों के हित यूक्रेन से जुड़े हैं। यह संकट दुनिया में नए तरह का ध्रुवीकरण पैदा करेगा, जिसकी झलक अगले कुछ वर्षों में दिखने लगेगी। पहले ऐतिहासिक दृष्टि से देखते हैं। आधुनिक इतिहास में यूक्रेन राजनीतिक और सांस्कृतिक रूप से रूस के खेमे में रहा है। कभी सीधे तौर पर उसका हिस्सा रहा, तो कभी स्वतंत्र राष्ट्र के रूप में। रूसी क्रांति के बाद यूक्रेन सोवियत संघ का हिस्सा बन गया था। और यूक्रेन में व्यापक गठजोड़ रहा। सोवियत संघ के विघटन के बाद कई अहम रक्षा संस्थान यूक्रेन में बने रहे, जिससे उस समय उसकी अर्थव्यवस्था को गति मिली। भारत ने भी सोवियत के समय के कई रक्षा उपकरण यूक्रेन से खरीदे थे। सोवियत के विघटन के बाद कुछ वर्ष रूस के लिए बहुत चुनौतीपूर्ण रहे थे और उस समय यूक्रेन में अमेरिका या पश्चिमी देशों के बढ़ते प्रभाव के खिलाफ वह कुछ भी करने की स्थिति में नहीं था। हालांकि व्लादिमीर पुतिन के सत्ता में आने के बाद उन्होंने ऐतिहासिक और भौगोलिक दोनों स्थितियों का हवाला देते हुए इस बात पर जोर दिया कि नाटो को यूक्रेन तक नहीं आना चाहिए।

हथियारों की आक्रामक बिक्री रणनीति ने शांतिप्रिय देशों को आर्म्स का जखीरा बढ़ाने पर किया विवश

नई दिल्ली। हथियार न केवल किसी देश की ताकत बढ़ाकर उसके आत्मविश्वास में इजाफा करते हैं बल्कि नापाक इरादों वाले देशों में खौफ की वजह भी बनते हैं। कटिंग एज तकनीक से लैस अत्याधुनिक हथियारों को बनाने में कंपनियां भारी निवेश कर रही हैं। लिहाजा उनकी मांग भी दुनिया में बढ़ी है। इसी बीच इनकी आक्रामक बिक्री रणनीति ने शांतिप्रिय देशों को भी हथियारों का जखीरा बढ़ाने पर विवश किया है। भले ही उनके यहां जनकल्याण से जुड़े मदों में ज्यादा धन न खर्च हो, लेकिन अपनी संप्रभुता और सीमाओं की सुरक्षा के लिए वे सैन्य साजोसामान जुटाने की ओर प्रेरित होते हैं। महामारी के दौर में जब पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था संकट में थी, तब भी हथियार कंपनियों की कमाई बढ़ती गई। स्टाकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट (सीपरी) की 2021 में जारी रिपोर्ट में इसकी साफ झलक दिखती है। 2015 में सीपरी ने अपनी सूची में चीन की हथियार कंपनियों को भी शामिल कर लिया था। 2015 से तुलना करें तो 2020 में दुनिया की टाप 100 कंपनियों की हथियार बिक्री

17 प्रतिशत बढ़ गई। महामारी के पहले साल में जब वैश्विक अर्थव्यवस्था में 3.1 प्रतिशत की गिरावट आई थी, तब भी विभिनन्‍ देशों का रक्षा क्षेत्र पर खर्च कम नहीं हुआ था। सबसे आगे हैं अमेरिकी कंपनियां : टाप 100 कंपनियों में अमेरिकी कंपनियों का सबसे ज्यादा दबदबा है। इनमें 41 कंपनियां अमेरिका की हैं। 2020 में इन कंपनियों ने 285 अरब डालर के हथियार बेचे। 2019 की तुलना में इसमें 1.9 प्रतिशत की वृद्धि हुई। सभी 100 कंपनियों की बिक्री में इनकी हिस्सेदारी 54 प्रतिशत रही। 2018 से लगातार शीर्ष पांच स्थानों पर अमेरिकी कंपनियां काबिज हैं। यही नहीं, बदलते माहौल में अमेरिकी कंपनियों के बीच विलय और अधिग्रहण के मामले भी खूब देखे जा रहे हैं। दूसरी सबसे बड़ी हिस्सेदारी चीन की : दुनिया की टाप 100 कंपनियों में चीन की पांच कंपनियां हैं। इन कंपनियों ने 2020 में 66.8 अरब डालर के हथियार बेचे।

माघ मेला के अंतिम स्नान पर्व पर संगम में लग रही डुबकी, संगम नगरी हुई शिवमय

प्रयागराज। भगवान शिव व माता पार्वती के मिलन पर्व महाशिवरात्रि पर चहुंओर शिवमय माहौल है। शिवालयों में दर्शन, पूजन व अभिषेक के लिए भक्तों का तांता लगा है। 'हर-हर महादेव, भोले बाबा की जय' का गगनचुंबी उद्घोष करते हुए नर, नारी व बच्चे शिवलिंग पर जलाभिषेक, महाभिषेक व रुद्राभिषेक करने में लीन हैं। प्रयागराज संगम तट पर जप, तप, त्याग व तपस्या का प्रतीक माघ मेला मकर संक्रांति से चल रहा है। महाशिवरात्रि माघ मेला का अंतिम सनन पर्व है। इसके साथ मेला पूरी तरह से खत्म हो जाएगा। मेला क्षेत्र में प्रवास कर रहे संत व श्रद्धालु मंगलवार की भोर में स्नान करके मेला क्षेत्र से लौटने लगे हैं।

महाशिवरात्रि के पावन पर्व पर संगम व गंगा के पवित्र जल में डुबकी लगाने के लिए देशभर से श्रद्धालु आए हैं। यम-नियम से सनन व दान करके लोग दैहिक, दैविक व भौतिक कष्टों से मुक्ति पाने की कामना कर रहे हैं। सनन के बाद शिवालयों में दर्शन-पूजन करते हैं। इससे मनकामेश्वर, दशाश्वेमध महादेव, नागवासुकी, हाटकेश्वर महादेव आदि शिवालयों में भक्तों की काफी भीड़ है। प्राचीन मनकामेश्वर मंदिर के प्रभारी श्रीधरानंद ब्रह्मचारी बताते हैं कि महाशिवरात्रि भगवान शिव व मां पार्वती के विवाह की रात्रि है। इस दिन महादेव का व्रत रखकर पूजन करने से सौभाग्य और समृद्धि की प्राप्ति होती है। शिवलिंग पर बेलपत्र, भांग, धतूरा, बेल अर्पित करना चाहिए। 'ओम अघोराय नमः, ओम तत्पुरूषाय नमः, ओम ईशानाय नमः अथवा ऊं ह्रीं ह्रौं नमः शिवायः' में से किसी एक मंत्र का कम से कम 108 बार जप करना चाहिए। शिवलिंग पर चढ़ाए जाने वाले बेलपत्र कटे व फटे न हों, 11 या 21 बेलपत्र पर चंदन से ऊं अंकित करके चढ़ाना चाहिए। पानी में काला तिल मिलाकर शिवलिंग का अभिषेक करके ऊं नमः शिवाय का 108 बार जाप करने से मन को शांति मिलती है। संतान प्राप्ति के लिए आटे से 11 शिवलिंग बनाकर 11 बार जलाभिषेक करना चाहिए। सुख-समृद्धि के लिए नंदी (बैल) को हरा चारा खिलाना चाहिए। तिल व जौ शिवलिंग पर चढ़ाने से पापों का नाश होने के साथ सुख-समृद्धि की प्राप्ति होती है।

फूलपुर की जनता ने भाजपा के भ्रष्टाचार के खिलाफ किया वोट - नसीरुद्दीन राईन

(आधुनिक समाचार सेवा)
सरफराज अहमद

फूलपुर। समाजवादी पार्टी कार्यकर्ताओं की एक बैठक इफ्को सपा कार्यालय में आयोजित हुई जिसकी अध्यक्षता विधानसभा

अध्यक्ष सकील इस्माईल ने किया जिसमें 256 विधानसभा फूलपुर सपा प्रत्याशी/ विधायक मुज्तबा सिद्दीकी ने कहा मेरे देवतुल पार्टी के नेताओं कार्यकर्ताओं ने मेहनत के साथ रात दिन एक कर प्रदेश की खुशहाली तरक्की के लिए मतदाताओं से मेरे पक्ष में वोट देने को प्रेरित किया पार्टी के सभी नेताओं वह मतदाताओं का हृदय से आभार एवं धन्यवाद व्यक्त करता हूं जिन्होंने महंगाई बेरोजगारी को हटाने तथा व्यापारियों किसानों बेटियों महिलाओं एवं युवाओं के सम्मान के लिए साइकिल के चुनाव चिन्ह को वोट देकर अपना आशीर्वाद प्रदान किया हृदय से धन्यवाद बहुत-बहुत आभार व्यक्त करता हूं। सपा जिला उपाध्यक्ष नसीरुद्दीन राईन ने कहा प्रदेश में छात्रों, नौजवानों, किसानों, महिलाओं, व्यापारियों, अल्पसंख्यकों, दलितों, के उपर भाजपा सरकार में हुए अत्याचार महंगाई के खिलाफ जनता ने जनादेश देने का काम किया है दस मार्च को अखिलेश यादव की सरकार बनने जा रही है फिर से प्रदेश खुशहाली तरक्की व विकास की गीत गाएंगी इस दौरान प्रसपा जिलाध्यक्ष दीना नाथ यादव,सैयद मेराज अरशद,अतीकुर्रहमान सिद्दीकी, अब्दुला सिद्दीकी,सुहेल ठाकुर, सलीम सिद्दीकी,नवाब अंसारी, कुमार मंगल,परवेज अहमद,अनीस मंसूरी,अमर बहादुर यादव, यहिया सिद्दीकी,सभाजीत पाल, रहमान कुरैशी,जियाउद्दीन,सकील कुरैशी,इम्मी भाई, आदि सैकड़ों सपाई मौजूद रहे।

अर्द्ध सुरक्षा बलों की निगरानी में रहेगों स्ट्रांग रूम,मजिस्ट्रेट भी नियक्त

(आधुनिक समाचार सेवा)
डॉ0रणजीत सिंह

प्रतापगढ़। सामान्य प्रेक्षकों ने निर्वाचन अधिकारियों के साथ बैठक कर प्रपत्रों की जाँच करते हुए मतदान प्रक्रिया पर सन्तोष व्यक्त किया।साथ ही ईवीएम मशीन की निगरानी के लिए एक मजिस्ट्रेट की नियुक्ति की गई तथा अर्धसैनिक बलों को इसकी सुरक्षा में तैनात किया गया विधानसभा सामान्य निर्वाचन- 2022 के दृष्टिगत जनपद में मतदान दिनांक 27 फरवरी को निष्पक्ष एवं पारदर्शी ढंग से सम्पनन हुआ।महुली मण्डी में विधानसभावार बने हुये काउण्टर पर देर रात्रि तक ईवीएम जमा करायी गयी तथा सामान्य प्रेक्षकों की उपस्थिति में ईवीएम स्ट्रांग रूम को सील कर अर्द्ध सुरक्षा बलों को हस्तगत कराया गया। जिलाधिकारी डा0 नितिन बंसल एवं पुलिस अधीक्षक सतपाल अंतिल लगातार उपस्थित रहकर व्यवस्थाओं का जायजा लेते रहे।

विधानसभावार नियुक्त सामान्य प्रेक्षक रामपुरखास के0 राजेश, बाबागंज के सामान्य प्रेक्षक श्रीकान्त शास्त्री, कुण्डा के सामान्य प्रेक्षक एलेक्स वी0के0 पॉल मेनन, विश्वनाथगंज के सामान्य प्रेक्षक एस0 सरवनन, प्रतापगढ़ के सामान्य प्रेक्षक रमन एस0ए0, पट्टी के सामान्य प्रेक्षक रूगवेद मिलिन्द ठाकुर एवं रानीगंज के सामान्य प्रेक्षक दीपेन्द्र सिंह कुशवाह ने आज अपनी-अपनी विधानसभाओं का भारत निर्वाचन आयोग के मानक के अनुसार स्कूटनी की। विधानसभावार प्रेक्षकों ने निर्वाचन अधिकारियों के साथ बैठक कर प्रपत्रों की जांच की और मतदान प्रक्रिया पर सन्तोष व्यक्त किया और भारत निर्वाचन आयोग को रिपोर्ट प्रेषित कर दी गयी। जिला निर्वाचन अधिकारी डा0 नितिन बंसल ने बताया कि पूरे जनपद में कहीं से भी रिपोल कराने की आवश्यकता नही है। जिलाधिकारी ने इलेक्ट्रानिक वोटिंग मशीन की सुरक्षा व 24 घंटे सीसीटीवी मानीटरिंग के लिये दिनांक 27 फरवरी से 10 मार्च तक शिफ्टवार तीन पालियों में मजिस्ट्रेटों को तैनात किया है और निर्देशित किया है कि स्ट्रांग रूम व लगाये गये सीसीटीवी कैमरें की देख-रेख तथा उसके फुटेज संरक्षण का अनुश्रवण सुनिश्चित करेगें। अर्द्ध सुरक्षा बलों की कड़ी निगरानी में स्ट्रांग रूम रहेगा। इस अवसर पर पुलिस प्रेक्षक अनूप कुरूविल्ला जॉन, पुलिस अधीक्षक सतपाल अंतिल, अपर जिलाधिकारी (वि0/रा0) मुकेश चन्द्र, अपर पुलिस अधीक्षक पश्चिमी रोहित मिश्रा, मुख्य राजस्व अधिकारी इन्द्र भूषण वर्मा, सीओ सिटी अभय पाण्डेय, निर्वाचन अधिकारी सहित जोनल एवं सेक्टर मजिस्ट्रेट सहित सम्बन्धित अधिकारी उपस्थित रहे।

चुनावी थकान भूल समर्थकों संग मतदाताओं का गुणा गणित समझा मुजतबा

(आधुनिक समाचार सेवा)
सरफराज अहमद

फूलपुर। 256 विधानसभा फूलपुर से समाजवादी पार्टी के प्रत्याशी मोहम्मद मुजतबा सिद्दीकी सोमवार को दिनभर कार्यकर्ताओं तथा समर्थकों से घिरे रहे। बता दें कि फूलपुर का मत प्रतिशत फर्स्ट डिवीजन रहा। जिससे समर्थक सपा प्रत्याशी की जीत से आश्वस्त थे। मान्यता यह है। कि अपर कास्ट मत प्रतिशत नहीं बढ़ा पाते इस हेतु मध्यम व निम्न वर्ग ही घंटों लाइन में खड़े रहकर पसीना बहाते देखें जाते हैं। इसलिए मुजतबा के समर्थक उन्हें जीत हेतु आश्वस्त करते नजर आए। बता दें कि 60 से अधिक फूलपुर तथा 56 तक मतदान बगल के प्रतापपुर विधानसभा में होने से समर्थक आत्मविश्वास से लेबरेज दिखे। लोग बाग दोनों सीटों पर सपा की जीत मान कर चल रहे हैं। मुजतबा सिद्दीकी ने बताया। कि विधानसभा के दक्षिणी भाग के अंतिम छोर तक के लोगों ने जमकर मतदान किया है। जिससे उनका मनोबल ऊंचा है। मौके पर दीनानाथ यादव,जि.पं.स. अशफाक अहमद, वरिष्ठ नेता राजेंद्र प्रसाद प्रधान, अमर बहादुर परवेज अहमद, मसूद खां पूर्व बी.डी.सी जियाउद्दीन, अहमद अतीकुर्र रहमान अरकान उर रहमान आदि मौजूद रहे।

चुनाव ड्यूटी में लगी पुलिस बस पर किया पथराव

(आधुनिक समाचार सेवा)
सरफराज अहमद

फूलपुर। वाराणसी से प्रयागराज की ओर जा रही चुनाव ड्यूटी में लगी बस पर सोमवार सुबह 8 बजे बगई हाईवे मार्ग पर कुछ लोगों द्वारा पथराव की सूचना पर पुलिस महकमा में हड़कंप मच गया। उत्तर प्रदेश में चुनाव ड्यूटी हेतु इस बार अन्य प्रांतों की पुलिस बल बुलाई गई। केरल प्रांत की पुलिस को लेकर बस प्रयागराज जा रही थी। बगई गांव के पास हाईवे पर पुलिस के अनुसार 6 लोग बस रोकने लगे। परंतु बस ड्राइवर ने बस को नहीं रोका। तो बाइक से 3 लोगों ने पीछा कर बस रोक लिया और पथराव कर दिया। जिससे सामने का ग्लास चकनाचूर हो गया। फोन फूलपुर कोतवाली आया तो हड़कंप मच गया। आनन-फानन वरिष्ठ उपनिरीक्षक माजिद खां मय हमराह मौके पर पहुंचे। तो 3 को हिरासत में लेकर आवश्यक लिखा पढ़ी कर थाने लाए। जबकि 3 भाग निकले। बाद में सीओ सर्किल के सभी थानों की फोर्स सीओ रामसागर के निर्देश पर पहुंची तब मामला सराय इनायत थाने का निकला। मुल्जिमान को वहां भेजा गया और आवश्यक विधिक कार्यवाही की गई।

महाशिवरात्रि शिवालयों में की पुजा............

(आधुनिक समाचार सेवा)
विलास गुप्ता

प्रयागराज। महाशिवरात्रि को लेकर शहर के तमाम शिव मंदिरों में तैयारियां शुरू हो गई हैं। शहर के प्रमुख शिवालयों में बैरिकेडिंग के साथ ही साज-सजावट भी कर दी गई है। इस बार भगवान शिव की आराधना का विशेष दिन महाशिवरात्रि कल पड रहा है कालसर्प योग में मनाया जाएग। घरों के साथ मंदिरों में भगवान शिव का पूजन अभिषेक होगा। सावन के बाद ये पहला मौका होगा जब महापर्व के मौके पर ईष्ट अपने भगवान के दर्शन कर पाएंगे। ज्योतिषाचार्य के अनुसार भगवान शिव चतुर्दशी तिथि के स्वामी हैं। निशीथ काल में भगवान शिव का पूजन करने से सुख-समृद्धि और शुभ फल की प्राप्ति होती है। वहीं यमुना किनारे मनकामेश्वर मंदिर, पंडिला महादेव, पंचमुखी महादेव मंदिर, कमौरी महादेव मंदिर, दरियाबाद स्थित तच्छकेश्वर नाथ मंदिर, हटकेश्वर मंदिर के साथ शहर के तमाम छोटे-बडे शिव मंदिरों में कल सुबह से ही पूजा-अर्चना के लिए भक्त जुट जाएंगे। वही माघ मेले के अंतिम सनन भी महाशिवरात्रि पर्व के बाद खत्म हो जाएगा।

वोट देकर लौट रहे युवक पर किया गया जानलेवा हमला कर लूट पाट की घटना को दिया अंजाम,8 के विरुद्ध मुकदमा दर्ज

(आधुनिक समाचार सेवा)
जे0 पी0 सिंह

सुल्तानपुर। भाजपा नेता ने इसौली सीट से बसपा प्रत्याशी के समर्थक पर जानलेवा हमला कर लूट की घटना को अंजाम दिया है। पीड़ित जब वोट देकर लौट रहा था उस समय उसे रोक कर पीटा गया। इस मामले में पुलिस ने आठ नामजद के विरुद्ध संगीन धाराओं में मुकदमा दर्ज किया है।जानकारी के मुताबिक धनपतगंज थाना क्षेत्र के पाली गांव निवासी धर्मेंद्र यादव बीते दिन जब शाम को वोट डालकर घर लौट रहा था उस समय उस पर हमला हुआ। पीड़ित धर्मेंद्र की माने तो जब वो वोट देकर लौट रहा था तो रास्ते में थाना क्षेत्र के भाजपा नेता उत्तम सिंह,शक्ति सिंह,जयप्रकाश सिंह, सौरव सिंह उर्फ विकास, राघवेंद्र प्रताप सिंह, रमेश प्रताप सिंह, रजनीश सिंह निवासी गण महमूदपुर व सुधांशु सिंह कस्तूरीपुर जनपद अमेठी ने उसे रोका। कहा कि मना करने के बाद भी वोट डालने आ गए।आरोप है कि सभी के हाथों में पिस्टल और अवैध असलहे थे। धर्मेंद्र यादव के अनुसार पिस्टल से उस पर गोली दागी गई जो मिस हो गई। उसके बाद सभी आरोपियों ने उसे जमकर पीटा और उसके पास रखा कैश व सोने की चेन आदि लूट लिया। आसपास के लोगो ने जब मौके पर पहुंचकर मदद किया तब कही उसकी जान बच सकी। इसके बाद पीड़ित ने थाने पर लिखित तहरीर दी। जिस पर पुलिस ने धारा 307 व लूट और बलवा आदि संगीन धाराओं में मुकदमा दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरु कर दिया है।

जनपद न्यायालय व समस्त तहसीलों में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन 12 मार्च को

(आधुनिक समाचार सेवा)
सतीष केशरी

प्रयागराज। राष्ट्रीय लोक अदालत में पारिवारिक वाद, मोटर दुर्घटना वाद, राजस्व संबंधी बैंक के ऋण संबंधी वाद, विद्युत संबंधी वाद, फौजदारी वाद, आपसी सुलह समझौते के आधार पर होने वाले समस्त वादों का किया जाएगा निस्तारण जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव प्रज्ञा सिंह-द्वितीय ने बताया है कि उ0प्र0 राज्य विधिक प्राधिकरण, लखनऊ के निर्देशानुसार जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, इलाहाबाद के तत्वाधान में दिनांक 12.03.2022 को प्रातः 10:00 बजे से जनपद न्यायालय, इलाहाबाद व समस्त तहसीलों में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा, जिसमें पारिवारिक वाद, मोटर दुर्घटना वाद, राजस्व संबंधी बैंक के ऋण संबंधी वाद, विद्युत संबंधी वाद, फौजदारी वाद, आपसकी सुलह समझौते के आधार पर होने वाले समस्त वादों का निस्तारण किया जाएगा। राष्ट्रीय लोक अदालत में वादों का निस्तारण कोविड-19 को ध्यान में रखते हुए हाईकोर्ट के दिशा-निर्देशों का पालन करते हुए किया जाएगा। समस्त वाद कारियों से अनुरोध है कि वे अपने मुकदमों के तस्दीक अपने अधिवक्ता के द्वारा उचित माध्यम से लोक अदालत के आयोजन से पूर्व सम्पनन करा लें, जिससे उनके मुकदमों का निस्तारण किया जा सके।

नि:शुल्क राशन 02 मार्च से 04 मार्च तक होगा वितरित

(आधुनिक समाचार सेवा)
डॉ0रणजीत सिंह

प्रतापगढ़। जिला पूर्ति अधिकारी ने बताया कि माह फरवरी के द्वितीय चरण में प्रधान मंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के अन्तर्गत अन्त्योदय/पात्र गृहस्थी कार्ड - धारकों को दिनांक 22.02.2022 से 28.02.2022 के बीच खाद्यानन का वितरण ई-पॉस मशींन के माध्यम से उचित दर विक्रेताओं द्वारा किया गया। इस अवधि में अन्त्योदय एवं पात्र गृहस्थी कार्डधारक, सम्बद्ध यूनिटों पर 05 किग्रा0 खाद्यान (03 किग्रा0 गेहूँ व 02 किग्रा0 चावल) प्रति यूनिट के आधार पर तथा 03 किग्रा0 चीनी प्रति अन्त्योदय कार्डधारक निःशुल्क दिया गया। उन्होने बताया है कि आयुक्त, खाद्य तथा रसद विभाग, उत्तर प्रदेश, जवाहर भवन, लखनऊ खाद्यान वितरित कराये जाने हेतु, तिथि विस्तारित करते हुए, निःशुल्क खाद्यानकी वितरण तिथि दिनांक 02.03.2022 से 04.03.2022 तक (03 दिवस) निर्धारित किया गया है। ई-पॉस में तकनीकी परिवर्तन किये जाने के कारण दिनांक 01.03.2022 को वितरण सम्भव नहीं होगा। मोबाइल ओ0टी0पी0 के माध्यम से वितरण की तिथि 04.03. 2022 को भी उपलब्ध रहेगी।

नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केन्द्र, प्रयागराज

भारत सरकार की कौशल विकास योजना में अगस्त 2021 से प्रारम्भ हो रहे सत्र के लिए निम्नलिखित ट्रेडों में दाखिले के लिए आवेदन पत्र आमंत्रित ट्रेड प्रवेश योग्यता तथा प्रस्तुत विभिन्न पाठ्यक्रमों की अवधि इस प्रकार है-

क0सं0	ट्रेड का नाम	ट्रेड की अवधि	योग्यता
1.	कोपा	1 वर्ष	12वीं पास
2.	फिटर	2 वर्ष	10वीं पास
3.	बेसिक कम्प्युटिंग	6 माह	साक्षर
4.	डाटा इंट्री ऑपरेटर	6 माह	10वीं पास
5.	फायर प्रिवेन्शन एण्ड इंडस्ट्रियल सेफ्टी	6 माह	8वीं पास
6.	सेक्योरिटी सर्विस	6 माह	8वीं पास
7.	कम्प्यूटर हार्डवेयर एण्ड एसेम्बली	1 वर्ष	10वीं पास
8.	सर्टिफिकेट इन कम्प्युटर एप्लीकेशन	1 वर्ष	10वीं पास
9.	इलेक्ट्रिकल टेक्निशियन्स	1 वर्ष	8वीं पास
10.	रेफरिजरेटर एण्ड एयर कन्डिसनिंग	1 वर्ष	8वीं पास
11.	योगा असिस्टेन्ट	1 वर्ष	10वीं पास
12.	वेल्डिंग टेक्नोलॉजी	1 वर्ष	8वीं पास
13.	कम्प्यूटर टीचर ट्रेनिंग कोर्स	1 वर्ष	10वीं पास

1.**प्रमाण पत्रः-** सफल प्रशिक्षणार्थियों को भारत सरकार द्वारा प्रमाणपत्र दिए जाते है, जो केंन्द्रीय सरकार एवं राज्य सरकार के अधीनस्थ पद एवं सेवा में भर्ती के लिए मान्य है। **2.चयन की प्रक्रियाः-** इस वर्ष कोविड-19 महामारी के चलते सभी सीटों पर दाखिले पहले आओ-पहले पाओ के आधार पर किये जायेंगे। **3.आयु सीमाः-** उम्मीदवारों की आयु 1 अगस्त 2021 को न्यूनतम 14 वर्ष से अधिक होनी चाहिए। **4.आवेदन कैसे करेः-** आवेदन फॉर्म संस्थान की वेबसाइट पर जाकर ऑनलाइन भरे जा सकते है तथा संस्थान के कार्यालय से निःशुल्क भी प्राप्त किया जा सकता है। **5.**आवेदन फॉर्म भरते समय पंजीकरण शुल्क रूपये 2665/- का भी देय होगा। **6.कक्षायें/उपस्थितिः-** छात्रों की उपस्थिति में दो भाग शामिल है- थ्योरी क्लास और ट्रेनिंग इस वर्ष कोविड-19 स्थिति के कारण सभी छात्र संस्थान द्वारा आयोजित ऑनलाइन कक्षाओं में भाग लेंगे तथा उसके लिए संस्थान में छात्रों की भौतिक उपस्थिती की अनिवार्यता नहीं है, जब तक कोविड-19 की वर्तमान स्थिति समाप्त नहीं हो जाती है। प्रशिक्षण के लिए छात्रो को प्रधानाचार्य की अनूमति के साथ, अपने सम्बंधित मूल स्थानों पर प्रशिक्षण पूरा करने की अनुमति है। परीक्षा के समय छात्रों की उपस्थिति अनिवार्य होगी। **7.छात्रवृत्तिः-** दाखिले के उपरांत शुल्क प्रतिपूर्ति के लिए सभी ट्रेडों में आरक्षित श्रेणी के अभ्यर्थी, जिनके पास आय प्रमाण पत्र एवं सम्बन्धित दस्तावेज मौजूद हो वे सभी भारत सरकार की छात्रवृत्ति योजनाओं में आवेदन कर सकते है। **8.** अधिक जानकारी के लिए संस्थान की वेबसाइटः- **www.nainiiti.com** देखें। **9.दाखिले की अंतिम तिथिः-** 15 मार्च 2022

सम्पर्क सूत्र :- 0532-2695959, 9415608710, 9807278552, 9415608790

यूपी के पांच चरणों की चुनाव में परिवारवादियों को जनता ने साफ नकार दिया है-पीएम मोदी

(आधुनिक समाचार सेवा)
शीतल प्रसाद गुप्त

बलिया। देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को पूर्वांचल के इस बागी बलिया की धरती पर चुनावी एक जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश में पांच चरण के चुनाव हो चुके हैं। पश्चिम से पूरब तक घोर परिवारवादियों को यूपी की जनता ने नकार दिया है। यूपी के लोगों ने बता दिया है कि अब जात-पात नहीं चलेगा। यूपी ने विकास के हाईवे पर रफ्तार भर ली है।जाति से ऊपर उठकर राष्ट्रहित का सम्मान और परिवारवाद का विरोध ही बलिया की परिभाषा है पीएम मोदी ने कहा कि घोर परिवारवादियों को एक बार फिर पटखनी देनी है। बलिया और पूर्वांचल के विकास के लिए डबल इंजन की सरकार बनी रहना जरूरी है। पीएम मोदी ने कहा कि हम यह नहीं देखते कि कौन किस जाति, वर्ग या धर्म का है। हम हर किसी को योजनाएं पहुंचा रहे हैं। दो साल में कोरोना ने पूरी दुनिया को परेशान किया है। अमीर देश भी इससे बच नहीं सके हैं। हमारी सरकार इस दौरान भी गरीबों को लगातार मुफ्त राशन दिया है। परिवारवादियों ने कोरोना टीका के खिलाफ भी लोगों को भड़काने का काम किया है पीएम मोदी ने कहा कि आज बिजली-सड़क सभी कामों पर लगातार ध्यान दिया जा रहा है। परिवारवादियों ने यूपी की कानून व्यवस्था को बर्बाद कर दिया था। योगी की सरकार इसे पटरी पर ला रही है। हमारे व्यापारी भूल नहीं सकते कि कैसे उनका पैसा गुंडे बदमाश छीनकर ले जाते थे। योगी जी की सरकार में आज बलिया का व्यापारी सुरक्षित हो रहा है। बहनों-बेटियों को घर से निकलने पर गुंडे बदमाशों का डर नहीं है। घोर परिवारवादियों ने अपने शासन में केवल अपनी तिजोरी भरी, आपके क्षेत्र के विकास पर ध्यान नहीं दिया। पीएम मोदी ने अपने भाषण की शुरुआत भूतपूर्व पीएम चंद्रशेखर और चित्तू पांडेय का नमन करने के साथ की। कहा कि यह धरती जननायक चंद्रशेखर की भूमि है। चन्द्रशेखर को गर्व था कि वह चित्तू पांडेय की धरती से जुड़े हैं। मेरा सौभाग्य है कि यहीं से महिलाओं के लिए उज्जवला जैसी योजना की शुरुआत की गई। मोदी ने कहाकि पहले बिजली सप्लाई में भी कितना पक्षपात होता था। बिजली के अभाव में बलिया वालों ने भी दर्द सहा है।आज भाजपा सरकार में बलिया में पहले के मुकाबले कहीं ज्यादा बिजली आ रही है।बलिया से भावुक रिश्ता यह भी है कि यहीं पर उज्जवला योजना का शुभारंभ किया गया था। आज नौ करोड़ महिलाओं को जो मुफ्त गैस सिलेंडर मिला है, उसकी दिशा बलिया ने ही दिखाई थी जब बच्चा मां के गर्भ में होता है तो वह कुपोषण का शिकार न हो, इसके लिए सरकार ने मातृवंदना योजना चला रही है। इस योजना के तहत गर्भवती महिलाओं के खातों में दस हजार करोड़ से ज्यादा ट्रांसफर किये गए हैं। जन्म के बाद बच्चों को सही टीके की जरूरत होती है। इसके लिए मिशन इंद्रधनुष शुरू किया। बच्चों के लालन पालन में परेशानी न हो इसके लिए घर स्कूल में शौचालय, नल से जल, बिजली और सस्ते एलईडी हमारी सरकार ने पहुंचाया है। गरीबों, दलितों पिछड़ों के बच्चे ठीक से पढ़ सकें, इसके लिए स्कॉलरशिप भी बढ़ाई गई है। पढ़ाई के बाद रोजगार के अवसर मिले, इसकी तरफ भी ध्यान दिया गया है। कौशल विकास योजना के तहत लाखों नौजवानों को ट्रेनिंग दी जा रही है, ताकि आसानी से नौकरी मिल सके। जो अपना काम शुरू करना चाहता है उनके लिए मुद्रा योजना है। इस योजना में बिना गारंटी बैंक से मदद देने का प्रावधान किया है। मुद्रा योजना का लाभ सबसे ज्यादा मेरी गांव की गरीब परिवार की बेटियां उठा रही हैं। जब आय बढ़ती है तो पहला सपना होता है कि अपना खुद का एक घर हो जाए। गरीब के पास भी पक्का घर हो। इसके लिए पीएम आवास योजना शुरू की गई है। इस योजना के तहत 24 लाख से ज्यादा पक्के घर गरीबों को बनाकर दिये गए हैं। लोगों के जीवन में अच्छे बुरे दिन भी आते हैं। बीमारी की हालत में पांच लाख रुपये तक की मदद के लिए आयुष्मान योजना लाई गई है। सस्ती दवाइयों के लिए जनऔषधी केंद्र खोले गए। पीएम मोदी ने कहा कि किसी परिवार में अनहोनी हो जाए तो दिक्कतें खड़ी हो जाती हैं। हमारी सरकार ने केवल एक रुपये में बीमा योजना शुरू की है। इससे किसी के निधन पर परिवार को मदद मिलती है।

पीएम मोदी ने कहा कि यहां योगी जी की सरकार है इसलिए मेरी योजनाएं यहां चल रही हैं। पहले दो साल मुझे बहुत झेलना पड़ा था। जो लोग विकास में रोड़े अटकाते हैं, उन पुराने वालों को गलती से भी मत लाना। आप दस मार्च को रंगों वाली होली मनाएंगे और उसके बाद फिर से योजनाओं का लाभ जरूरतमंदों को पहुंचाने का काम किया जाएगा। पीएम मोदी ने

भोजपुरी में भाषण की शुरुआत

पीएम मोदी ने भोजपुरी में भाषण की शुरुआत की। कहा कि बागी बलिया के भइया, बहिन, सभी लोगन के गोड़ लगत बानी। कहा कि यहां की धरती शौर्य की है। पीएम मोदी ने कहा कि जहां तक मैं देख रहा हूं वहां तक मेरे लिए प्यार नजर आ रहा है। आपका ये प्यार मैं ब्याज समेत लौटाउंगा। विकास के साथ लौटाउंगा। जाति से ऊपर उठकर राष्ट्र हित का सम्मान और परिवारवाद का विरोध ही तो बलिया की परिभाषा है। बलिया, पूर्वांचल और उत्तर प्रदेश का विकास मेरा कर्तव्य भी है और मेरी प्राथमिकता भी है।

चप्पे-चप्पे पर है निगरानी

आसमान से जमीन तक सभी छोटी बड़ी गतिविधियों पर अधिकारियों की नजर है। बलिया की सभी विधानसभाओं की संयुक्त रैली से भाजपा उम्मीदवारों को जिताने की अपील करेंगे। पीएम के भाषण का प्रसारण सभी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर भी किया जाएगा।

राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य शिविर में सैकड़ों रोगियों का हुआ उपचार

170 मरीजों ने कराया पंजीकरण

(आधुनिक समाचार सेवा)
सर्वेश कुमार यश

हरहुआ (वाराणसी)। विकास खण्ड के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र द्वारा राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य शिविर का आयोजन जिला नोडल अधिकारी एन0सी0डी0 डॉ0 डी0पी0सिंह एवं डॉ0आर0के0 कुशवाहा, (मानसिक चिकित्सक) के देखरेख में सोमवार को संपन्न हुआ।जिसमें 170 मरीजों ने अपना पंजीकरण कराया। शिविर में विभिन्न चिकित्सकों द्वारा डेंटल के 10, मानसिक के 6 ,छोटे बच्चे 4 ,मधुमेह 51,उच्च रक्तचाप के 17, महिला रोगी 16 तथा 21 लोगों को कोविड टीकाकरण किया गया। मानसिक स्वास्थ्य शिविर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र हरहुआ के चिकित्सक ,पैरामेडिकल स्टाफ, तथा जिले के विशेषज्ञ डॉक्टरों द्वारा जांच व दवाएं

दिया गया ।वहीं जन विकास समिति से मयंक भूषण, विंस जानस, अभिषेक ,हेमलता व जड़ावती ने भी सहयोग किया। प्रभारी चिकित्सा अधिकारी डॉ0 आर0 के0 सिंह द्वारा सभी चिकित्सकों एवं पीएचसी के स्टाफ व अन्य का सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया ।

बाबा दरबार में सुबह से आस्था की कतार हर हर महादेव के उद्घोष से गूंजी काशी

वाराणसी। काशी विश्वनाथ मंदिर में अंधेरे ही बाबा का दर्शन करने के लिए आस्था की कतार दूर दूर तक नजर आने लगी। पूरा परिसर हर हर महादेव के उद्घोष से तड़के से गूंजना शुरू हुआ तो दिन चढ़ने तक बाबा दरबार में आस्था परवान चढ़ती रही। मौका था बाबा काशी विश्वनाथ में महाशिवरात्रि पर्व के दौरान दर्शन और पूजन का। बाबा के भक्तों ने बेलपत्र और जल के साथ बाबा का अभिषेक किया तो काशी विश?वनाथ परिसर आस्था से ओत प्रोत हो उठा। चारों दिशाओं में बोल बम और हर हर महादेव के नारों ने काशी को पूरी तरह से शिवमय कर दिया। गोदौलिया और दशाश्वमेध के साथ ही गंगा द्वार से बाबा दरबार तक अनवरत कतार दिन चढ़ने तक मानो कम होने का नाम ही नहीं ले रही थी। सभी प्रमुख द्वारों से लोगों के आने और दर्शन पूजन व जलाभिषेक का क्रम जारी रहा। माना जा रहा है कि सुबह दस बजे तक लगभग एक लाख श्रद्धालु बाबा दरबार में दर्शन पूजन कर चुके हैं। वहीं दोपहर बाद तक बाबा दरबार में आस्था का यह रेला बरकरार रहना है। वहीं काशी विश्वनाथ मंदिर परिसर में सुबह से आस्था का अनवरत क्रम शुरू हुआ तो दिन चढ़ते ही भीड़ का कोई ओर छोर नहीं बचा। सुबह गर्भगृह में बाबा

विश्वनाथ का विशेष श्रृंगार कर परंपराओं का निर्वहन किया गया। विभिन्न श्रृंगार की सामग्रियों से बाबा की झांकी सजी तो आस्थावानों ने भी बाबा का दर्शन कर आशीर्वाद मांगा। दूर दरज से आए आस्थावानों ने सुबह से ही बाबा दरबार में पहुंचकर शीश झुकाया और बाबा का प्रसाद लेकर मंदिर परिसर का भ्रमण भी किया। सुबह से ही गंगा घाट पर स्नान- दान से लेकर विभिन्न मंदिरों में हाजिरी लगाने का क्रम शुरू हुआ। आस्था का सागर ऐसा उमड़ा कि गंगा घाट से लेकर बाबा दरबार तक मानो लाखों की भीड़ लगातार सड़कों पर रेंग रही हो। वहीं गंगा द्वार से बाबा दरबार तक के लिए भी आस्थावानों का आना शुरू हुआ तो पहली बार शिवरात्रि पर गंगा और बाबा दरबार एकाकार हो उठे। गंगा स्नान करने के बाद सीधे वहां से जल लेकर बाबा दरबार तक आस्थावान पहुंचे और बाबा का गंगा जल से अभिषेक कर खुद को धन्य महसूस किया। पहली बार विश्वनाथ धाम कारीडोर में आस्थावानों को पर्याप्त जगह दर्शन पूजन के लिए मिली तो बाबा दरबार के आंगन में हजारों श्रद्धालु परिसर की भव्यता को निहारते नजर आए।

अब डीजे के शोर को नियंत्रित करेगा डिवाइज, वाराणसी के बीटेक छात्रों ने बनाया ध्वनि प्रदूषण कंट्रोलर

वाराणसी। अब ध्वनि प्रदूषण आपको परेशान नहीं करेगा। अशोका इंस्टीट्यूट आफ टेकनलाजी एंड मैनेजमेंट (पहड़िया) के छात्रों ने एक ऐसा डिवाइस बनाया है जो साइलेंस जोन में वाहनों

के हार्न व डीजे को आवाज स्वतः नियंत्रित करता है। यही नहीं अस्पताल व स्कूल कालेज के पास डीजे आटोमेटिक बंद हो जाएगा। वहीं शादी-विवाह में रात दस बजे के बाद डीजे बजाने पर इसकी सूचना संबंधित थाने की पुलिस को भी दे देगा। अशोका इंस्टीट्यूट ने इस डिवाइस का नाम अशोका नाइस पल्यूशन कंट्रोलर रखा है। यह उपकरण बीटेक (कंप्यूटर साइंस) तृतीय वर्ष के आदित्य श्रीवास्तव, वैभव शुक्ला व प्रिंस कुमार ने मिलकर बीस दिनों में तैयार किया है। प्रोजेक्ट हेड श्याम चौरसिया के निर्देशन में तीनों छात्रों ने यह उपकरण महज छह हजार रुपये खर्च कर बनाया है। छात्रों ने बताया कि इसमें एक ऐसा सेंसर लगाया गया है जो साउंड को कंट्रोल करता है, जिस स्थान पर हार्न न बजाने का बोर्ड लगा होगा उसी के पीछे इस उपकरण का सेंसर लगा दिया जाएगा। कोई भी वाहन अथवा डीजे वाला हार्न अथवा तेज स्पीकर बजाते हुए गुजरेगा तो इंफ्रारेड सिगन्ल के जरिए उसकी आवाज को बंद कर देगा। वाहन अथवा डीजे जब तक सेंसर की रेंज में रहेगा तब तक उसकी आवाज बाधित रहेगी। रेंज के बाहर जाते ही वाहन अथवा डीजे की आवाज स्वतः वापस आ जाएगी। ऐसे में यदि डीजे में इस उपकरण को अनिवार्य कर दिया जाए तो उसे शोर मचाने वाले वाहनों का अलर्ट लगातार मिलता रहेगा। हेड श्याम चौरसिया के मुताबिक डीजे का शोर नियंत्रित करने के लिए पुलिस को स्पीकर में चिप लगाना अनिवार्य करना होगा। यह चिप 70 से 100 रुपये में आएगी, जिसके लिए सिर्फ एक बार ही पैसे खर्च करने होंगे। डीजे मालिक अगर इस चिप को निकालेगा तो पुलिस तक सूचना स्वतः पहुंच जाएगी। इस डिवाइस की रेंज अभी 15 मीटर के आसपास है। इसमें वाईफाई लगने के बाद इसकी रेंज सौ मीटर तक बढ़ाई जा सकेगी। अगर इसे हम इंटरनेट से जोड़ देंगे तो कुछ जगहों से आने वाली आवाज के साथ उसकी वीडियो क्लिप भी पहुंच जाएगी। संस्था के वाइस चेयरमैन अमित मौर्य ने विश्वास जताया कि यह उपकरण ध्वनि प्रदूषण रोकने के लिए मील का पत्थर साबित होगा।

एडीओ सहकारिता ने गोआश्रय केंद्र का कीया निरीक्षण

(आधुनिक समाचार सेवा)
सर्वेश कुमार यश

हरहुआ (वाराणसी)। विकास खण्ड के हरहुआ बीडीओ धर्मेन्द्र प्रसाद द्विवेदी के निर्देश पर पुआरीकलाँ गोआश्रय केंद्र का निरीक्षण एडीओ सहकारिता अवधेश सिंह ने किया। निरीक्षण के दौरान केंद्र मे बयालीस गोवंश पाए गए। एडीओ सहकारिता ने सेक्रेटरी मिथिलेश श्रीवास्तव को और केयरटेकर राधेश्याम को निर्देशित किया । गोवंश के लिए भूसा और चारा की सतत उपलब्धता सुनिश्चित पशुओ की प्रविष्टि की पंजिका और भूसा के स्टाक रजिस्टर का भी अवलोकन किया। निरीक्षण के समय प्रधान प्रतिनिधि जयप्रकाश वर्मा रिंकू,रोजगार सेवक राजकुमार,होरीलाल,दीपक सिंह इत्यादि लोग उपस्थित रहे।

सैफई खानदान ने पूरे प्रदेश व देश को लूटा : स्वतंत्रदेव

बलिया । भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्रदेव सिंह ने सपा और कांग्रेस पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि सैफई खानदान ने पूरे प्रदेश व देश को लूटा है। परिवारवादियों के शासन काल में रामभक्तों पर गोली चली। सोनिया गांधी ने कहा था कि वहां बाबरी मस्जिद है। रामलला 26 वर्ष टेंट में रहे। 10 मार्च को अखिलेश आस्ट्रेलिया चले जाएंगे। पहले ईद-बकरीद पर 24 घंटे बिजली मिलती थी। आज ईद के साथ नवरात्र में भी 24 घंटे बिजली मिल रही है। उन्होंने कहा कि दोबारा भाजपा की सरकार बनने पर गरीब बेटियों की शादी के लिए 51 हजार की जगह एक लाख रुपये की मदद मुहैया कराई जाएगी। केंद्रीय ग्रामीण साध्वी निरंजन ज्योति ने कहा कि सपा शासन काल में उत्तर प्रदेश रक्तरंजित हो गया था। योगी सरकार ने स्थिति को बदल दिया। उन्होंने कहा कि आजादी के बाद वे निषाद समाज से पहली मंत्री हैं। पीएम मोदी ने ओबीसी समाज को ओबीसी कमीशन के रूप में एक फोरम दिया है। सरकार हर वर्ग के साथ खड़ी है। लाखों लोगों की झोपड़ियों की जगह पक्के मकान बनवाए गए हैं।

काशी में महाशिवरात्रि पर पंचक्रोशी यात्रा आस्था के रंग से सराबोर हुआ परिक्रमा पथ

वाराणसी। महाशिवरात्रि के एक दिन पूर्व प्रारंभ होने वाले पंचक्रोश यात्रा में शिवभक्तों का खासा उत्साह देखने को मिला। सोमवार देर रात को शिवभक्तों का जत्था गंगा स्नान के बाद मणिकर्णिका घाट स्थित चकरपुष्कर्णी कुंड से संकल्प लेकर

अस्सी घाट की ओर बढ़े। श्रीलाट भैरव काशी यात्रा मण्डल के सदस्यों ने भी फाल्गुन कृष्ण पक्ष के प्रदोष काल मे यात्रा प्रारम्भ किया। भाल पर भष्म की त्रिपुंड लगाए, नंगे पांव, मार्ग पर्यंत डमरू नाद, हर-हर महादेव शम्भू काशी विश्वनाथ गङ्गे आदि शिव भजनों का गान करते हुए प्रत्येक श्रद्धालु आस्था के रंग में सराबोर अपने गंतव्य स्थान की ओर चले जा रहा था। सम्पूर्ण यात्रा मार्ग में महोत्सव का स्वरूप देखने को मिला। कोई हर-हर महादेव का गगनभेदी उद्घोष किया तो कोई मौन हुए सांसों में शिव को रमाए, कहीं शिवभक्तों की टोली डीजे की धुन पर थिरकते नजर आ रहे थे।जगह-जगह यात्रियों के लिए सहायता शिविर व सेवा कैम्प लगाएं गए थे। यात्री अपने आवश्यकतानुसार दवा, दूध, जल, फलाहार, भांग-ठंडई इत्यादि का सेवन करते उमंग में चलते रहे। एकदिवसीय इस यात्रा में लाखों श्रद्धालु लगभग 50 किलोमीटर का रास्ता तय करते हुए प्रथम पड़ाव कंदवा स्थित कर्दमेश्वर महादेव, द्वितीय भीमचण्डी स्थित नरकडी अवतार महादेव, तृतीय रामेश्वर महादेव, चतुर्थ स्थान पंच शिवाला (पांचों पंडव), पांचवा और अंतिम पड़ाव कपिलधारा स्थित वृषभद्जेश्वर महादेव मंदिर में दर्शन कर जौ विनायक दर्शन करतें हैं। फिर पुनः मणिकर्णिका घाट पर संकल्प पूर्ण करते हैं। यात्रा कर रहे शिवम अग्रहरि ने अनुभव साझा करते हुए कहा कि अद्भुत अनुभूति कराने वाली इस यात्रा में हर कोई शिवस्वरूप माना जाता है। इस निमित्त किसी व्यक्ति का नाम पुकारने के स्थान पर भोले-भोले नाम का ही सुमिरन कर हर कोई यात्रा संपन्न करता है। महात्म्य बताते हुए केवल कुशवाहा कहतें है कि यह यात्रा काशी के कंकड़-कंकड़ में शंकर का सुखद एहसास कराती है। यात्रा के माध्यम से शिव को अत्यंत प्रिय पौराणिक काशी की परिक्रमा करना परम् सौभाग्य की बात है। इस यात्रा में हिमांशु अग्रहरि, उत्कर्ष कुशवाहा, रितेश कुशवाहा, रविशंकर, दिनेश, गंगा, शान्तनु, मुन्न पांडेय, योगेश कुशवाहा, दिनेश प्रजापति, राजू सेठ, आशीष कुशवाहा, बबलू, कृष्ण कुशवाहा थे।

रोमानिया एयरपोर्ट पहुंचे छात्र, प्लेन का इंतजार

आजमगढ़ । यूक्रेन में फंसे जिले के छात्रों के परिवार के लिए सोमवार को फिर राहत भरी खबर आई। सभी छात्र यूक्रेन की सीमा पार कर रोमानिया में प्रवेश कर

गए। वहां एयरपोर्ट पर प्लेन का इंतजार कर रहे थे। वहां के प्रशासन ने छात्राओं को पहले भेजने की प्राथमिकता दी, जबकि छात्रों को आसपास के होटलों में ठहरने के लिए भेजा गया। सरायमीर क्षेत्र के पवई लाडपुर गांव निवासी डाक्टर नरेंद्र यादव ने बताया कि पुत्री श्रेया यादव रविवार की रात दो बजे रोमानिया पहुंच गई है। सोमवार को उसने एयरपोर्ट में प्रवेश किया, लेकिन फ्लाइट रात नौ बजे होने के कारण इंतजार करना पड़ा। वहां से दो फ्लाइट की व्यवस्था थी, जिसमें एक दिल्ली और दूसरी मुंबई के लिए थी। जिसमें जगह मिलेगी उससे वह स्वदेश आएगी। श्रेया ने टेलीफोन पर बताया कि एयरपोर्ट प्रशासन ने भोजन उपलब्ध कराया है। देवगांव यूक्रेन में फंसे चेवार निवासी बैंगेश्वर सिंह के पिता अरविद सिंह ने बताया कि बेटा यूक्रेन से रोमानिया हवाई अड्डा पर आ गया है। रात में प्लेन बता रहा था, हो सकता है मंगलवार की शाम तक दिल्ली आ जाए। वैसे सुबह के बाद नेटवर्क की समस्या के कारण बात नहीं हो पाई। रौनापार सगड़ी तहसील के खतीबपुर गांव की रहने वाली रेनू यादव के भाई सत्यशील ने बताया कि रेनू सोमवार को बस पर सवार होकर रोमानिया बार्डर के लिए निकली। नेटवर्क की समस्या के कारण रोमानिया एयरपोर्ट पहुंचने की खबर नहीं आ सकी है। बहरहाल, यूक्रेन से निकलने की जानकारी से काफी संतोष हो रहा है।

वाराणसी कैंट से हावड़ा तक बुलेट ट्रेन के सफर में सुपर मार्केट की सुविधा, लुभावने होंगे शोरुम

चंदौली । यात्रियों को कम समय में यात्रा कराने के साथ ही सुपर मार्केट की सुविधा मिलेगी। वाराणसी कैंट से हावड़ा तक दस स्थानों पर अंडरग्राउंड के साथ दो या तीन मंजिला स्टेशन बिल्डिंग बनाने की योजना है। 180 से 260 किलोमीटर पर स्टेशन बनेगा। 2030 तक काम पूरा करने का लक्ष्य है। स्टेशनों पर ब्रांडेड कलेक्शन के साथ लुभावने वाले शोरूम बनाए जाएंगे। यात्री इन अत्याधुनिक मार्केट का लाभ उठा सकेंगे। जयपुर की कंपनी को डीपीआर बनाने काम मिल चुका है। अधिकारी ट्रेनों को चलाने के लिए गंगा किनारे नमी व हवा की गति की जांच कर रहे हैं। इसमें दृश्यता का विशेष ध्यान रखा जाएगा। नेशनल हाई स्पीड रेल कार्पोरेशन लिमिटेड बनारस,बक्सर, आरा, पटना, गया, धनबाद, अखनौल, दुर्गापुर, वर्धमान, हावड़ा सहित अन्य महत्वपूर्ण स्थानों को चिह्नित कर स्टेशन बनाएगा। कैंट से हावड़ा तक 760 लंबा फ्लाई ओवर बनाया जाएगा। 260 किलोमीटर प्रति घंटे

की रफ्तार वाली बुलेट ट्रेन चलाने पर विचार किया जा रहा है। इन परियोजना के पूरा होने पर कैंट से हावड़ा तक की दूरी महज कुछ घंटों में ही तय की जा सकेगी। बुलेट ट्रेन रूट पर इलेवेटेड ट्रैक भी हो सकते हैं। इसके अलावा कुछ जगहों पर भूमिगत स्टेशन बनाए जाने की भी योजना है। बुलेट ट्रेन के लिए अलग से पटरियां बिछाई जाएंगी और इसके लिए अलग से स्पेशल स्टेशन भी बनाए जाएंगे। रेलवे स्टेशन, बस स्टेशन व बुलेट ट्रेन के स्टेशनों को कुछ तरह से जोड़ा जाएगा कि यात्रियों को परिवहन का कोई भी साधन पकड़ना हो तो उन्हें बाहर न जाना पड़े। यात्री इस मल्टी माडल ट्रांसपोर्ट हब के अंदर ही अपनी जरूरत के अनुरूप परिवहन का माध्यम चुन सकेंगे। स्टेशन को स्काई वे या फुट ओवर ब्रिज के जरिए जोड़ने की योजना पर काम किया जा रहा है ताकि यात्रियों को एक जगह से दूसरी जगह पहुंचने में आसानी हो। फ्लाई ओवर पर अप व डाउन रेल ट्रैक बिछेगी। मार्ग में कम से कम यू टर्न आए और ट्रेन कहीं घूमे नहीं इसका विशेष ध्यान रखा जाए रहा है।

अब बाबा का नहीं जनता का चलेगा बुलडोजर वाराणसी में बोले सपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष किरनमय नंदा

वाराणसी । पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी दो मार्च को तथा सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव तीन मार्च को बनारस आ रहे हैं। तीन मार्च को रिंग रोड के पास ऐढ़े में दोनों नेता जनसभा को संबोधित करेंगे। जनसभा को सफल बनाने के पार्टी के तमाम नेता बनारस में पहुंच चुके हैं। सभा में पूर्वांचल के विभिनन्न जिलों से करीब एक लाख भीड़ जुटाने का लक्ष्य रखा गया है। सपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष किरनमय नंदा ने कहा कि सूबे में अब बाबा यानी मुख्यमंत्री योगी आदित्य नाथ का नहीं, जनता का बुलडोजर चलेगा। दस मार्च को भाजपा पूरी तरह से साफ हो जाएगी। वह सोमवार को गोलघर स्थित पराड़कर स्मृति भवन में पत्रकारों से मुखातिब थे। उन्होंने अब तक हुए पांच चरणों के चुनाव में 203 सीटें मिलने का दावा किया है। कहा कि वर्ष 2021 में प्रधानमंत्री सहित भाजपा के शीर्ष नेता पश्चिम बंगाल में डटे हुए थे। इसके बाद भी भाजपा को पराजय का मुंह देखना पड़ा। इसी प्रकार पीएस सहित भाजपा के सभी बड़े नेता उत्तर प्रदेश के चुनाव में प्रचार-प्रसार कर रहे हैं। इसके बाद भी भाजपा की हार तय है। कहा कि भाजपा ने जनता को धोखा दिया है। पिछले चुनावी वादों को भी भाजपा ने पूरा नहीं किया।

अनियंत्रित पिकअप पेड़ से टकराई, बाल-बाल बचे लोग

पटेहरा (मीरजापुर)। मड़िहान थानांतर्गत लालगंज-कलवारी रोड पर अमोई के सामने अनियंत्रित पिकअप शनिवार की शाम पेड़ से टकरा गई। खतरा नगर से अमोई गांव के लिए पिकअप जा रही थी। अमोई गांव के सामने पहुंची ही थी कि तेज रफ्तार होने के कारण अनियंत्रित होकर विनोद चाय पान की दुकान के सामने स्थित पेड़ में टकरा गई। संयोग अच्छा था कि उस समय दुकान पर दर्जनों ग्राहक थे, पेड़ की वजह से सभी बच गए वरना बड़ा हादसा हो जाता। हादसे के बाद चालक रंगीले निवासी अमोई व साथी अनिल निवासी ठकन्गर वाहन छोड़कर भाग गए। चौकी पटेहरा प्रभारी रामनिवास सिंह कुशवाहा पिकअप को चौकी पटेहरा ले आए।

दर्शनार्थियों से भरी आटो पलटी, चालक संग 11 घायल

पड़री (मीरजापुर) । क्षेत्र के वाराणसी-मीरजापुर राष्ट्रीय राजमार्ग डगमगपुर गांव के समीप रविवार को दर्शनार्थियों से भरी आटो अनियंत्रित होकर पलट गई। इस हादसे में आटो चालक समेत 11 लोग घायल हो गए। स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया। यहां चिकित्सकों ने चालक संग एक महिला की हालत गंभीर देख मंडलीय अस्पताल के लिए रेफर कर दिया। देहात कोतवाली क्षेत्र के नौहा निवासी चंद्रकेशु विश्वकर्मा अपनी बहन चंदा देवी निवासी धरहरा चेतगंज भदोही संग परिवार वालों व अगल-बगल की महिलाओं को आटो में बैठाकर सक्तेशगढ़ आश्रम दर्शन कराने के लिए जा रहे थे। डगमगपुर के समीप पहुंचे ही थे कि सामने से आ रहे वाहन से बचने के चक्कर में आटो असंतुलित होकर पलट गई। इस दौरान चालक चंद्रकेशु विश्वकर्मा के अलावा व चंदा देवी (30), कंचन वर्मा (28), तारामुनि (45), कविता (30), आकाश (18), किरण (28), अनीशा (32), उजाला (18), वंदना (30) एवं ऋतु (18) घायल हो गई। पीएचसी डाक्टरों ने चंद्रकेशु विश्वकर्मा का दाहिना हाथ टूटने के कारण तथा चंदा देवी को गंभीर रूप से घायल होने के कारण मंडलीय अस्पताल रेफर कर दिया।

प्रेक्षक ने बूथों व्यवस्थाओं का जाना हाल

हलिया (मीरजापुर) । छानबे विधानसभा 395 के निर्वाचन आयोग द्वारा बनाए गए प्रशासनिक प्रेक्षक अनुसूइया दत्ता बरुआ ने शनिवार को बनाए गए बूथ व्यवस्थाओं का

हाल जानने के लिए पहुंची। उन्होंने हिदायत देते हुए कहा कि मतदान वाले दिन मतदाताओं के साथ चुनाव कर्मियों को किसी प्रकार की परेशानी न होने पाए, इसका पूरा ख्याल रखा जाए। कोविड के तहत सैनिटाइजर व थर्मल स्कैनिग की व्यवस्था जरूर हो। उन्होंने बरौंधा स्थित पूर्व माध्यमिक विद्यालय, प्राथमिक विद्यालय महुअट, नैडी कठारी प्राथमिक विद्यालय, दुर्जनीपुर प्राथमिक विद्यालय, ड्रमंडगंज, भैसोड़ वलाय पहाड़ प्राथमिक विद्यालय के बूथों का जायजा लेते हुए व्यवस्थाओं को दुरूस्त रखने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान बताया कि बूथों पर पेयजल, शौचालय, रैंप, बिजली आदि व्यवस्था दुरूस्त हो। जिन बूथों पर अभी तक व्यवस्थाएं दुरूस्त नहीं है उसे तत्काल दुरूस्त करा लें। भैसोड़ वलाय पहाड़ यूपी-एमपी बार्डर पर पहुंचकर निरीक्षण किया है। ड्यूटी पर तैनात कर्मचारियों को निर्देशित किया कि एमपी की ओर से आने वाले वाहनों को बिना चेक किए यूपी में प्रवेश न करने दे। यूपी-एमपी का बार्डर होने से मादक पदार्थो पर भी रोक लगाए। इसमें तनिक भी लापरवाही न बरती जाए और वाहनों पर पैनी नजर रखी जाए। इस दौरान नायब तहसीलदार राहुल मिश्रा, लेखपाल मुकेश पांडेय आदि उपस्थित रहे।

वाहन संचालकों का गांधी मैदान में प्रदर्शन

ओबरा (सोनभद्र) । ओबरा तापीय परियोजना में विगत कई वर्षो से विभागीय व आकस्मिक कार्य के लिए परियोजना की सेवा में संचालित वाहन स्वामियों ने प्रबंधन के फैसले के विरोध में रविवार को गांधी मैदान में प्रदर्शन कर नारेबाजी

की। वाहन स्वामियों ने परियोजना के मुख्य महाप्रबंधक को पत्र लिखकर टैक्सी वाहनों के संचालन को सुचारू रूप से जारी रखने की मांग की। वाहन स्वामियों व ड्राइवरों ने बताया कि तापीय परियोजना की ओर से बीते 31 दिसंबर 2021 को ग्यारह चार पहिया वाहनों की सेवा खत्म कर दी गई थी। टैक्सी परमिट को पहले ही निकाल दिया गया। अब पता चला है कि निगम के चेयरमैन के निर्देश पर डिवीजन स्तर पर अधिशासी अभियंता और सहायक अभियंता को पूल पर ले जाने के लिए जो वाहन विगत कई वर्षों से परियोजना की सेवा में संचालित हैं, उनको भी निकाला जा रहा है। कहा कि वाहन निकाले जाने की स्थिति में समस्त वाहन स्वामी बेरोजगार हो जाएंगे। रोजगार छिनने से भुखमरी का संकट उत्पन्न हो जाएगा। इनसे जुड़े 70 से 80 परिवार भी भुखमरी की कगार पर पहुंच जाएंगे। वर्तमान समय में चल रहे कोरोना महामारी के चलते इतने बड़े परिवार को कहीं भी रोजगार मिलना असंभव है। बताया कि ओबरा तापीय परियोजना पर निर्भर कई वाहन स्वामी किस्त पर वाहन लेकर परियोजना में संचालन कर रहे हैं। चुनाव आयोग से भी इस गंभीर मामले को संज्ञान में लेकर उचित कार्रवाई करने की मांग भी की। प्रदर्शन में सूरज सिघानिया, राज कुमार, शिवनाथ चौरसिया, सुनील यादव, दीपक कुमार, असलम खान, अंकित गोस्वामी, उमाशंकर यादव आदि शामिल रहे।

प्रचार के रंग राज्यमंत्री ने उपलिब्धयां गिनाकर मांगा समर्थन.........

सोनभद्र । अंतिम चरण का चुनाव नजदीक आने के कारण प्रत्याशियों की दौड़ भाग काफी तेज हो गई है। शनिवार को भारतीय जनता पार्टी के ओबरा से प्रत्याशी और राज्यमंत्री संजीव गोड़ विधानसभा के सबसे उत्तरी हिस्से में प्रचार में जुटे रहे। सोन नदी के उत्तर में मौजूद मारकुंडी, मीना

बजार, अगरिया बस्ती, वेलकप, रजधन एवं गुरुदह सहित लगभग दो दर्जन से ज्यादा टोलों में प्रचार किया। उन्होंने भाजपा सरकार की उपलब्धियों को गिनाते हुए अपने पक्ष में समर्थन मांगा। निशुल्क राशन वितरण सहित योगी सरकार की तमाम योजनाओं पर अपने लिए समर्थन मांगा। कई जनसभाओं में काफी उत्साह के साथ मतदाताओं से आशीर्वाद लिया। राब?ट्र्सगंज विधानसभा क्षेत्र से समाजवादी पार्टी के प्रत्याशी अविनाश कुशवाहा ने शनिवार को चतरा क्षेत्र में घर-घर जाकर वोट मांगा। इसके बाद आसपास के लोगों से जनसंपर्क किया। उन्होंने वर्तमान सरकार की नाकामयाबी से लोगों को अवगत कराया। कहा कि सपा की सरकार बनी तो महिलाओं को 1500 रुपये महीने पेंशन, किसानों को सिचाई के लिए मुफ्त बिजली के साथ ही 300 यूनिट फ्री बिजली उपलब्ध कराएंगे। बच्चों को मुफ्त शिक्षा दिलाएंगे। पांच साल तक गरीबों को मुफ्त राशन देंगे। मौका मिला तो विधानसभा क्षेत्र में विकास की गंगा बहाने का कार्य करेंगे। राबट्र्सगंज विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस प्रत्याशी कमलेश ओझा ने शनिवार को खलियारी बाजार, सिल्थम, पटना, रामगढ़ बाजार में जनसंपर्क किया। वर्तमान सरकार की कमियों को गिनाया। कहा कि भाजपा सरकार में महंगाई तेजी से बढ़ी। रसोई गैस, डीजल व पेट्रोल के दाम आसमान में छू रहे हैं। कांग्रेस की सरकार प्रदेश में बनी तो धान की कीमत 2500 रुपये, किसानों का गोबर खरीदा जाएगा। आदिवासियों को वनाधिकार कानून का लाभ दिलाया जाएगा। महिलाओं को तीन सिलेंडर साल में मुफ्त दिया जाएगा।

प्रत्याशी के साथ एक दिन तोहरे गांव घरे के बेटवा हई, वोटवा हमई के देइहा

चुनार (मीरजापुर)। चुनार विधानसभा क्षेत्र में चुनाव नजदीक आते ही प्रचार की गहमा-गहमी तेज हो गई है। बसपा प्रत्याशी विजय कुमार सिंह ने शनिवार को सुबह जिम में कसरत की और सनन करने के साथ ही भगवान भोलेनाथ व गणपति की पूजा की। नाश्ता करने के बाद सुबह करीब साढ़े आठ बजे ये नरायनपुर स्थित सब्जी मंडी पहुंच गए। जहां पर मौजूद कार्यकर्ताओं ने नारेबाजी के साथ स्वागत किया। सब्जी मंडी में आढ़ती शैलेंद्र कुमार, सतीश सिंह, गुड्डू सिंह आदि से समर्थन देने की अपील की। इनका काफिला करीब सवा नौ बजे परसबंधा स्थित केंद्रीय चुनाव कार्यालय पहुंचा और इन्होंने बसपा जिला सचिव विजय कुमार सिंह मल्लू, चुनाव प्रभारी महेंद्र नाथ भारती, सहसपुरा के राजेश सिंह, विनोद सिंह से चुनावी गतिविधियों पर चर्चा की फिर बेला गांव में जनसंपर्क के लिए निकल गए। यहां हनुमान प्रसाद, आनंद सिंह, अंजनी सिंह, भोलानाथ समेत गांव के दर्जनों घरों में जाकर जनसंपर्क कर वोट मांगा। इसके बाद गाड़ियों का काफिला पचेवरा होते हुए कैलहट गांव पहुंचा। जहां समर्थकों के साथ इन्होंने गांव की गलियों में घूमकर लोगों से जनसंपर्क किया। दिव्यांग संजय कुमार के घर जाकर इन्होंने वोट देने की अपील की। यहां करीब एक घंटा रूकने के बाद काफिला नकहरां गांव की ओर रवाना हो

गया। जहां नुक्कड़ पर ही वर्तमान प्रधान अभिषेक मिल गए इनसे समर्थन की अपील के बाद विजय कुमार समर्थकों के साथ गांव की गलियों में घूमे। पारसनाथ के घर पर देशी गुड़ खाकर पानी पिया। व्यवसाई बसपा प्रत्याशी ने बातचीत के दौरान कहा, वह समाजसेवा को मिशन मानकर राजनीति में उतरे हैं। इसी आधार पर जनता उन्हें समर्थन दे रही है। इसके बाद सझौली, बरेवा और जमुई गावों में देर शाम तक मेल-मिलाप का यह सिलसिला चलता रहा।क्यों चुने आपको - क्षेत्र के प्रतिभावान गरीब बच्चों के लिए प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए निश्शुल्क कोचिग सेंटर की स्थापना कराऊंगा। - रोजगार की व्यवस्था के लिए चुनार क्षेत्र में छोटे उद्योग धधों की स्थापना का प्रयास करूंगा ताकि गांव घर में रोजी-रोटी का जुगाड़ हो सके। - खेलकूद के लिए आवश्यक सुविधाएं मुहैया कराऊंगा ताकि स्थानीय प्रतिभाओं को आगे जाने का मौका मिले। चुनार इलाके में स्वास्थ्य की सुविधाएं और सुदृढ़ कराने के साथ महिला स्वास्थ्य के लिए अलग से प्रयास करूंगा।

एक प्रत्याशी के लिए मतदान स्थल पर बन सकेंगे दो अभिकर्ता

मीरजापुर । विधानसभा चुनाव में एक प्रत्याशी के लिए मतदान स्थल पर अधिकतम दो अभिकर्ता बन सकेंगे। हालांकि एक समय में मतदान स्थल पर एक प्रत्याशी का केवल एक ही मतदान अभिकर्ता रहेगा। मतदान के दिन 07 मार्च को मतदान सुबह 07 बजे अनिवार्य रूप से प्रारंभ होगा, जो शाम 06 बजे तक अनवरत चलेगा। चुनाव में 891042 मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे। विधानसभा चुनाव में मतदेय स्थल के लिए चिहित मतदाता सूची, निर्वाचन क्षेत्र का प्रारूप लड़ने वाले उम्मीदवार एवं चुनाव चिन्ह सूची, लड़ने वाले उम्मीदवार एवं निर्वाचन अभिकर्ता के हस्ताक्षर नमूना की भी प्रति उपलब्ध कराई जाएगी। जिला प्रशासन शांतिपूर्ण, निष्पक्ष मतदान की तैयारियों में जुटा हुआ है। सातवें चरण में आगामी सात मार्च को होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए 21 जोन और 145 सेक्टर में विभाजित किया गया है। 2268 मतदेय स्थल और 1335 मतदान केंद्र बनाए गए हैं। मीरजापुर में इस वर्ष 80 मतदान केंद्र और 179 मतदेय स्थल अर्थात बूथों में बढ़ोत्तरी हुई है। जनपद में कुल 1891042 मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे। इसमें से 992400 पुरुष मतदाता और 898512 महिला मतदाता मताधिकार का प्रयोग करेंगे। मतदान के पहले होगा माक पोल विधानसभा सामान्य निर्वाचन के दौरान मतदान आरंभ होने से पहले माक पोल होगा। आइटीआई प्रधानाचार्य व प्रशिक्षक प्रमोद शाक्यवार ने बताया कि पीठासीन के द्वारा मतदान अभिकर्ताओं को मशीन चलाकर तथा नकली मतदान कराकर एवं परिणाम दिखाकर संतुष्ट किया जाएगा। नकली मतदान के पश्चात रिजल्ट सेक्शन के सबसे तरफ वाला बटन दबाकर नकली मतदान समाप्त करना है, जिसे सीआरसी करते हैं। माक पोल की समाप्ति के बाद सीआरसी के द्वारा सीयू को क्लियर करें। इसके पश्चात कंट्रोल यूनिट के टोटल बटन को दबाएं। मतदान अभिकर्ताओं को कुल पड़े मत शून्य है, दिखाकर वास्तविक मतदान के लिए कंट्रोल यूनिट को ग्रीन पेपर सील्ड एबी स्ट्रीप सील, स्पेशल टैग एवं ऐड्रेस टैग से रिजल्ट सेक्शन को सील कर क्लोज बटन के ऊपर काले रंग फ्लैग लगाएं। प्रक्रिया के दौरान कंट्रोल यूनिट स्विच आफ अवश्य करें।

प्रेक्षक ने मतदान केंद्रों का निरीक्षण कर परखी तैयारियां

मीरजापुर । विधानसभा चुनाव सकुशल, शांतिपूर्ण व पारदर्शी ढंग से संपन्न कराने के लिए नगर विधानसभा के प्रेक्षक एम वल्लालर ने शनिवार को सरस्वती शिशु मंदिर के मतदेय स्थल नंबर 217, 218 व विध्य विद्यापीठ इंटर कालेज के मतदेय स्थल नंबर 213, 214, 215 एवं 216 का निरीक्षण किया। स्कूल के अध्यापकों से बूथ पर की जाने वाली तैयारियों की जानकारी ली। प्रेक्षक ने रैंप, शौचालय, पेयजल, मतदेय स्थल तक पहुंच मार्ग, मतदेय स्थल के अंदर खिड़की दरवाजा आदि का निरीक्षण कर आवश्यक निर्देश दिया। इस दौरान लाइजिग आफिसर जिला कृषि अधिकारी पवन कुमार प्रजापति मौजूद थे।

सपा जिलाध्यक्ष ने कहा ए पार्टी के खिलाफ साजीस कि जारही है

(आधुनिक समाचार सेवा)
चिन्ता पान्डेय

सोनभद्र। बीजेपी के व्हाट शॉप ग्रुप में तेजी से वायरल हो रहा पत्र सपा जिलाध्यक्ष ने कहा कि होगी कार्यवाई एक तरफ विधानसभा चुनाव है और ग्रुप में एक पत्र वायरल हो रहा है बिधवते नरेश उत्तम पटेल प्रदेश अध्यक्ष का हो रहा बीजेपी गुरुप में वायरल वही इसकी जानकारी सपा जिलाध्यक्ष विजय यादव से लिया गया तो उन्होंने कहा कि ये सरा सर गलत हैं ऐसा कोई पत्र नही जारी हुआ है ऐसा विपक्षी के लोग किये हैं तो इनके ऊपर एफआईआर दर्ज कराया जाएगा सपा जिलाध्यक्ष ने कहा कि पार्टी को बदनाम करने के लिए विपक्षी के लोग ये सब हथकंडा अपना रहे है

घरेलू कलह में पति ने की पत्नी की हत्या

गुरमा (सोनभद्र)। रविवार की सुबह एक व्यक्ति ने अपनी पत्नी की कुल्हाड़ी से मारकर हत्या कर दी।रविवार की सुबह रामलखन अपनी मां के साथ छोटे भाई के बारे में चुनार बालूघाट पर पूछताछ कर रहा था तभी उन्हें बेदौली गांव के सामने रेत पर एक शव होने की सूचना मिली। आशंकावश जब दोनों वहां गए तो बल्ली का शव पड़ा था। शव पर पड़े कपड़ों से पहचान हुई। शव का करीब 70 फीसदी भाग कुत्ते नोच चुके थे। पास में ही मोबाइल व चाभी पाई गई। नित्य पशु चराने वाले ग्रामीणों ने बताया कि पिछले पांच छह दिनों से यह शव दिखाई दे रहा है। कुछ दिनों तक गंगा में तैरता रहा बाद में कुत्ते उसे बाहर खींच लाए थे। इस संबंध में प्रभारी निरीक्षक गोपाल प्रसाद गुप्ता ने बताया कि प्रथमष्टया मौत डूबने से हुई प्रतीत हो रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत का कारण स्पष्ट हो सकेगा। यह घटना राबट्र्सगंज कोतवाली क्षेत्र के चेरूई ग्राम पंचायत स्थित डिबिया टोले में हुई। घटना के बाद आरोपित पति मौके से फरार हो गया। चेरूई चौकी पुलिस ने महिला के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया। चेरूई के डिबिया टोला निवासी मुनिया देवी (40) का पति राजाराम गोड़ से आए दिन घरेलू मामलों को लेकर विवाद होता रहता था। रविवार की सुबह दोनों में कहासुनी शुरू हो गई। इसके बाद पति ने पास में ही रखे कुल्हाड़ी से अपनी पत्नी पर हमला बोल दिया। राबट्र्सगंज कोतवाली के प्रभारी निरीक्षक एसएन मिश्र ने बताया कि पति ने महिला के सिर के पिछले हिस्से में तीन बार कुल्हाड़ी से हमला किया, जिससे मुनिया की मौके पर ही मौत हो गई।

भाकपा व माकपा की संयुक्त बैठक संपन्न

(आधुनिक समाचार सेवा).
संतोष सिंह

सोनभद्र। शनिवार को भाकपा व माकपा के नेताओं की संयुक्त बैठक राबट्र्सगंज सिविल लाइन रोड स्थित माकपा के कैम्प कार्यालय पर संपन्न हुई। जहां राबट्र्सगंज विधानसभा क्षेत्र से चुनाव लड़ रहे पार्टी के भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (वाम दल) के प्रत्याशी छात्र नेता विजय शंकर यादव को भारी मतों से जीत दिलाने के लिए सभी कामरेड साथियो ने पूँजीवादी ताकतों के खिलाफ जन अभियान में आम जन मानस से भाकपा के पक्ष में मतदान करने की भी अपील किया ।जहां मुख्य रूप से माकपा के जिला मंत्री कामरेड

कम्युनिस्ट पार्टी के प्रत्याशी विजय शंकर यादव के जीत सुनिश्चित कराने को लेकर चुनावी रणनीति तय किया गया।इस बैठक में संयुक्त रुप से तय किया गया कि आगामी 4 मार्च को राबट्र्सगंज विधान सभा क्षेत्र मे ऐतिहासिक जन सन्देश रैली वाम मोर्चा के द्वारा किया जाएगा, जिसमें पार्टी के राष्ट्रीय स्तर के नेताओं का भीआगमन तय किया जाएगा ।बैठक में भारतीय नन्द लाल आर्य, भाकपा के जिला मंत्री कामरेड आर के शर्मा , पूर्व लोकसभा प्रत्याशी (एडवोकेट) अशोक कुमार कनौजिया, अमर नाथ सूर्य, राज नारायण , बच्चा लाल , हनुमान प्रसाद , चुर्क ब्रांच मंत्री राजबली , पुरुषोत्तम व श्याम नारायण आदि वरिष्ठ नेता मौजूद रहे ।बैठक की अध्यक्षता कामरेड महेंद्र सिंह कुशवाहा जी ने किया

10 लीटर अवैध कच्ची शराब के साथ एक गिरफ्तार

(आधुनिक समाचार सेवा)
अनिल कुमार अग्रहरी

डाला सोनभद्र। पुलिस अधीक्षक सोनभद्र के निर्देशन में चलाए जा रहे अभियान के तहत आज रविवार को हाथीनाला पुलिस ने एक अभियुक्त को 10 लीटर कच्ची शराब के साथ गिरफ्तार कर भेजा जेल दिया पकड़े गए अभियुक्त सिकंदर पुत्र मोतीलाल निवासी भवानी कटरिया मुखबीर द्वारा सूचना मिली कि एक युवक रानीताली बैरियर बेलहत्थी के पास कच्ची शराब बेचने के फिराक में जा रहे युवक को हाथी नाला पुलिस ने गिरफ्तार कर भेजा जेल गिरफ्तार करने वाली टिम में हेड कास्टेबल सुरेंद्र सिंह यादव, कांस्टेबल हरि श्याम यादव, मौजूद रहे।

नौ दिन बाद गंगा के किनारे मिला लापता युवक का शव

सीखड़ (मीरजापुर)। घर से मजदूरी करने गए लक्ष्मण उर्फ बल्ली यादव (26) निवासी मुंदीपुर, थाना चुनार का क्षत-विक्षत शव नौवें दिन रविवार को अदलपुरा चैकी क्षेत्र के बेदौली गांव के सामने गंगा किनारे पाया गया। मौके पर पहुंची पुलिस ने तहकीकात के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए चुनार भेज दिया। मृतक के बड़े भाई रामलखन की तहरीर पर मुकदमा पंजीकृत कर पुलिस मामले की विवेचना कर रही है। लक्ष्मण 19 फरवरी को बड़े भाई रामलखन के साथ चुनार नगर में मजदूरी करने गया था। काम से छूटने के बाद दोनों बालूघाट तक आए। वहां कुछ काम बताकर रुक गया, जबकि रामलखन घर चला आया। बल्ली देर रात तक घर नहीं आया। उसके घर न पहुंचने पर स्वजन ने उसकी तलाश शुरू की। मृतक की पतनी रेनू व दो बेटों के साथ में थी। नौ दिनों से स्वजन बल्ली की खोज करने में जुटे रहे, लेकिन पुलिस में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज नहीं कराई गई थी।

मीरजापुर में नरायनपुर व लालगंज की छात्र- छात्राएं भी यूक्रेन में फंसे, लगाई मदद की गुहार

मीरजापुर : यूक्रेन में फंसे जनपद के छात्र-छात्राएं लगातार वहां के हालात को स्वजन से बयां कर रहे हैं। वह सरकार से सुरक्षित घर बुलाने की गुहार कर रहे हैं। चुनार के नरायनपुर के बघेड़ी गांव के शिक्षक की पुत्री व एमबीबीएस की छात्रा श्रेया सिंह यूक्रेन व रोमानिया के बार्डर पर फंसी हुई है। उसके साथ यूपी के वाराणसी, गोंडा समेत देश के दूसरे प्रदेशों के आठ छात्र भी हैं। श्रेया चार वर्ष से यूक्रेन के तरनोपिल शहर में स्थित तरनोपिल मेडिकल यूनिवर्सिटी से एमबीबीएस की पढ़ाई कर रही है। श्रेया वहां पर पढ़ने वाले यूपी व दूसरे प्रदेशों के छात्रों के साथ प्राइवेट वाहन करके किसी प्रकार से यूक्रेन-रोमानिया बार्डर पर शनिवार को पहुंची, लेकिन बंद बार्डर 24 घंटे से अधिक समय से खुलने का इंतजार कर रही है। लालगंज थाना क्षेत्र धसड़ा राजा गांव निवासी सुबेदार शीतला प्रसाद पांडेय व उनकी पतनी एमबीबीएस पुत्र विनय कुमार की सलामती को मनन्त मांग रहे हैं। वह पोलैंड के बार्डर पर पहुंच गए हैं। आर्मी में सूबेदार पिता शीतला प्रसाद पांडेय फैक्स करके उत्तर प्रदेश गवर्नमेंट को अवगत कराया है। शासन से मिली जानकारी के बाद जिलाधिकारी प्रवीण कुमार लक्षकार ने परिजनों से फोन पर बात करके उन्हें सांत्वना दी। विनय कुमार पांडे यूक्रेन विश्वविद्यालय से टैक्सी करके पोलैंड बार्डर पर पहुंच गया है। स्वजन ने बताया कि अब मोबाइल स्विच आफ हो गया है। इससे दोनों परेशान हैं। दिल दहला देने वाली वीडियो की शेयर : नगर के कटरा निवासी सुरेंद्र मौर्या की चार संतानों में सबसे छोटी बेटी सोनम यूक्रेन के सुमी शहर में फंसी हुई है। जागरण संवाददाता से मोबाइल पर बातचीत के दौरान वह काफी सहमी हुई लग रही थी।

कार से 78 किलो 720 ग्राम गांजा के साथ तीन तस्कर गिरफ्तार

डाला सोनभद्र । हाथीनाला पुलिस ने एसएसटी टीम के साथ वाहन चेकिंग के दौरान शनिवार की शाम एक कार से 78 किलो 720 ग्राम अवैध गांजा बरामद हुआ जिसकी अंतरराष्ट्रीय कीमत लगभग आठ लाख बताई जा रही

है मामले में तीन तस्करों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया तीनों आरोपी उड़ीसा के रहने वाले हमें जो वाराणसी चंदौली में गांजा बिक्री के लिए लेकर जा रहे थे कि आज शनिवार शाम हाथीनाला थाना अध्यक्ष रविंद्र प्रसाद व एसीएसटी टीम के साथ हाथीनाला तिराहे पर वाहनों की जांच कर रहे थे तभी कार को रोक लिया गया कार्य की तलाशी लेने पर उसमें 78 किलो 720 ग्राम गांजा बरामद हुआ उड़ीसा के रहने वाले तीनों आरोपियों को पुलिस ने कार सहित गिरफ्तार कर लिया पुलिस के मुताबिक पकड़े गए आरोपी युवक में 27 वर्षीय दुर्गा प्रसाद भूमिया पुत्र जदूमुनि निवासी बेरहामान पुर गंजाम उड़ीसा वे 30 वर्षीय अरुण कुमार दुर्गा पुत्र माकण्ड दुर्गा निवासी मलकानगिरी उड़ीसा इच्छुक नायक पुत्र स्वर्गीय मदन मोहन नायक निवासी गम भरी गजपति उड़ीस शामिल हैं पुलिस की पूछताछ में गांजा तस्करों ने बताया कि उड़ीसा से गांजा लेकर वाराणसी के जिले में सप्लाई करने जा रहे थे पुलिस ने तीनों आरोपी के खिलाफ में मुकदमा पंजीकृत जेल भेज दिया गया इस दौरान गिरफ्तारी करने वाली टीम में उ0नि0 रविंद्र प्रसाद थाना प्रभारी हाथीनाला,उ0नि0 सरोजमा सिंह प्रभारी सर्विलांस जनपद सोनभद्र, उ0नि0 अमित त्रिपाठी प्रभारी स्वाट टीम, हेड कांस्टेबल शैलेंद्र सिंह यादव, हेड कांस्टेबल शंकरलाल, एसएसटी टीम कांस्टेबल कन्हैया लाल, कांस्टेबल जालंधर कुमार, कांस्टेबल तेरसू यादव, शामिल रहे

युवराज सिंह के इमोशनल लेटर का विराट कोहली ने दिया जवाब

नई दिल्ली। भारत के पूर्व आलराउंडर युवराज सिंह ने मंगलवार को पूर्व कप्तान विराट कोहली को एक भावुक पत्र लिखा था। इसमें उन्होंने कहा कि मैंने उन्हें एक क्रिकेटर और एक व्यक्ति के रूप में विकसित होते देखा है। 304 वनडे मैचों के अनुभवी युवराज ने कोहली के साथ मैदान पर और बाहर की कई बातचीत के बारे में बताया। दोनों 2014 में भारतीय टीम और आइपीएल फ्रेंचाइजी रायल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरबीसी) के लिए एक साथ खेले हैं। अब कोहली ने उनके पत्र का जवाब दिया है। 'युवी पा इस प्यार के लिए धन्यवाद। कैंसर से जंग जीतना क्रिकेट ही नहीं जीवन के सभी क्षेत्रों के लोगों के लिए एक प्रेरणा है। आप हमेशा उदार रहे हैं और अपने आस-पास के लोगों की देखभाल करते रहे हैं। मैं आपके लिए खुशियों की कामना करता हूं, भगवान भला करे। युवराज ने बताया कि कैसे कोहली ने अपनी कड़ी मेहनत से देश के कई खिलाड़ियों को प्रेरित किया।युवराज ने ट्वीट किया, 'दिल्ली के छोटे लड़के (विराट कोहली) को मैं अपने विशेष जूते समर्पित करना चाहता हूं। वह कप्तान के रूप में अपने करियर का जशन मना रहे हैं, जिन्होंने दुनियाभर में लाखों प्रशंसकों को मुस्कान दी है।

कोहली के पास मोहाली टेस्ट में वो रिकार्ड बनाने का मौका जो किसी भारतीय बल्लेबाज ने नहीं बनाया

अभिषेक त्रिपाठी, नई दिल्ली। श्रीलंका के खिलाफ दो मैचों की घरेलू टेस्ट सीरीज के चार मार्च से मोहाली में शुरू हो रहे पहले टेस्ट मैच के साथ भारतीय क्रिकेट एक नए युग में प्रवेश करेगा। 34 साल के रोहित शर्मा पहली बार टेस्ट कप्तान के रूप में खेलते नजर आएंगे तो 33 साल के पूर्व कप्तान विराट कोहली सात साल से ज्यादा समय के बाद सिर्फ बतौर बल्लेबाज किसी टेस्ट मैच में उतरेंगे। इस तरह से यह टेस्ट मैच रोहित के लिए तो यादगार होगा, साथ ही विराट के लिए भी यह खास है, क्योंकि यह विराट के करियर का 100वां टेस्ट मैच होगा। ऐसे में विराट मोहाली में शतक जड़कर अपने 100वें टेस्ट को यादगार बनाना चाहेंगे। विराट ने अपना पिछला अंतरराष्ट्रीय शतक नवंबर 2019 में बांग्लादेश के खिलाफ कोलकाता में खेले गए डे-नाइट टेस्ट में बनाया था। उसके बाद से विराट ने 15 टेस्ट की 27 पारियां खेली हैं, लेकिन उनके बल्ले से कोई शतक नहीं निकला। इस दौरान उन्होंने सिर्फ छह अर्धशतक जड़े हैं और उनका सर्वाधिक स्कोर 79 रन रहा है। इस दौरान उनकी बल्लेबाजी औसत भी सिर्फ 28.14 का रहा है। वहीं यदि तीनों प्रारूपों की बात की जाए तो पिछले शतक के बाद से विराट ने कुल 61 मैचों की 70 पारियां खेली हैं, जिनमें उनका सर्वाधिक स्कोर नाबाद 94 रन रहा है। इस दौरान उन्होंने 24 अर्धशतक जड़े और उनकी औसत 38.04 की रही। कमाल की बात यह है कि लंबे समय से इस खराब रिकार्ड के बावजूद विराट के नाम टेस्ट में टेस्ट में 27 शतक और तीनों प्रारूपों में मिलाकर 70 शतक लगाए हैं। आज भी उनकी टेस्ट में बल्लेबाजी औसत 50.39 का है तो तीनों प्रारूपों में यह औसत 54.30 का है। बताते हैं कि वह कितने बड़े बल्लेबाज हैं और अब जब वह अपने 100वें टेस्ट में उतरेंगे तो वह खुद भी अपने शतकों के सूखे को खत्म करना चाहेंगे। उनके लिए फायदे की बात यह होगी कि अब कप्तानी की जिम्मेदारी नहीं होने से वह उन्मुक्त होकर बल्लेबाजी कर सकेंगे।

विराट कोहली के समर्थन में उतरे सुनील गावस्कर, बोले- मत भूलिए अफ्रीका दौरा, फार्म नहीं है खराब

नई दिल्ली। विराट कोहली की फार्म सवालों के घेरे में है। ऐसे में पूर्व दिग्गज क्रिकेटर सुनील गावस्कर ने वेस्टइंडीज के खिलाफ तीसरे वनडे से पहले उनके बचाव में उतर आए हैं। उन्होंने कहा कि उनका फार्म खराब नहीं है। किस्मत उनका साथ नहीं दे रही है। दक्षिण अफ्रीका दौरे के बाद पूर्व भारतीय कप्तान कोहली कीरोन पोलार्ड की अगुवाई वाली वेस्टइंडीज के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज में अच्छा प्रदर्शन करने में नाकाम रहे हैं। कोहली ने वेस्टइंडीज के खिलाफ पहले और दूसरे वनडे में खराब प्रदर्शन किया। पहले मैच में 4 गेंदों में 8 रन बनाने के बाद 33 वर्षीय क्रिकेटर दूसरे वनडे में 30 गेंदों में केवल 18 रन ही बना सका।

ऐसे में गावस्कर ने पूर्व भारतीय कप्तान का बचाव किया है। वेस्टइंडीज और भारत के बीच तीसरे वनडे से पहले स्टार स्पोर्ट्स से बात करते हुए उन्होंने कहा, 'कोहली को रन बनाने के लिए थोड़ी किस्मत की जरूरत है। हर बल्लेबाज को थोड़ी किस्मत की जरूरत होती है। हर बल्लेबाज को एक ऐसी स्थिति की जरूरत होती है जहां वह खेलता है और गेंद बल्ले का किनारा लेने से चूक जाती है। गेंद बल्ले का किनारा ले और कैच छूट जाए या फील्डर से आगे गिर जाए। सुनील गावस्कर ने कोहली के आलोचकों को भी याद दिलाया कि पूर्व कप्तान ने दक्षिण अफ्रीका दौरे में दो अर्धशतक जड़े थे। गावस्कर ने कहा, 'पिछले कई मैचों में उनकी किस्मत अच्छी नहीं रही। मत भूलिए कि उन्होंने दक्षिण अफ्रीका में अर्धशतक जमाया था।' तौरतलब है कि कोहली 2019 के बाद से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में शतक लगाने में विफल रहे हैं। उन्होंने भारत के लिए अपने पिछले 5 एकदिवसीय मैचों में 142 रन बनाए हैं। विंडीज के खिलाफ वनडे सीरीज की बात करें तो रोहित शर्मा की अगुवाई वाली टीम 2-0 से आगे है। सीरीज का आखिरी वनडे मैच आज खेला जाएगा।

फ्लाप रहे इस खिलाड़ी के टैलेंट के कदरदान रोहित शर्मा

नई दिल्ली। भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा ने श्रीलंका के खिलाफ होने वाली टी20 सीरीज से पहले मीडिया के सवालों के जवाब दिए। उन्होंने टीम में शामिल किए गए विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन की जमकर तारीफ की। कहा उनके जैसे शाट्स सभी नहीं लगा सकते हैं। आस्ट्रेलिया में होने वाले टी20 विश्व कप में उनकी जरूरत होने वाली है। संजू सैमसन की क्या बात करूं, उस खिलाड़ी के पास काफी टैलेंट है। जब कभी भी हमने उनके देखा है आइपीएल हो या फिर किसी और क्रिकेट में उन्होंने जो भी पारी खेली है उसके देखकर लोग मंत्रमुग्ध हो जाते हैं। उनके पास वो हुनर है जिससे सफलता मिलती है लेकिन यही वो अहम बात है इस खेल की काफी सारे लोग हैं जिनके पास हुनर होता है, टैलेंट होता है, सबसे जरुरी बात होती है कि आप इसका इस्तेमाल कैसे करते हैं। आगे रोहित ने कहा, देखिए अब यह सबकुछ संजू पर निर्भर करता है कि वह अपने टैलेंट और हुनर का सही इस्तेमाल कैसे करते हैं। क्योंकि एक टीम के तौर पर टीम मैनेजमेंट के तौर पर हम उनके अंदर काफी ज्यादा संभावनाएं देखते हैं। उनके अंदर काफी ज्यादा टैलेंट है उससे सहीं ज्यादा हम उनके अंदर मैच विनर की काबिलियत

देखते हैं। मैं उम्मीद करता हूं कि उनको हम वो आत्मविश्वास जगा पाएं, जहां उनको टीम की तरफ से खेलने का मौका मिले। मैं समझता हूं कि वह इस बात को समझें और वो यकीनन हमारी नजर में हैं उनके उपर चर्चा होती है इसी वजह से वह टीम का हिस्सा भी हैं। उनका बैकफुट का खेल कमाल है, कुछ शाट उनके आपने आइपीएल के दौरान देखे होंगे। पिक अप पुल, कट शाट और खड़े होकर गेंदबाज के सिर के उपर से शाट लगाना। इस तरह से शाट को लगाना कोई आसान काम नहीं होता। विश्व कप में खेलने पर उनका कहना था, मैं मानता हूं कि जब आप आस्ट्रेलिया में जाएंगे तो इस तरह शाट्स की जरूरत पड़ेगी। सैमसन वो खिलाड़ी हैं जिनके पास इस तरह से सारे ही शाट हैं। मैं उम्मीद करता हूं कि उनके लिए सबकुछ अच्छा हो और वो अपनी प्रतिभा का ज्यादा से ज्यादा लाभ उठा पाएं। मेरी तरफ से उनको ढेर सारी शुभकामनाएं हैं।

गुजरात टाइटंस को लगा झटका, इस बल्लेबाज ने अपना नाम टूर्नामेंट से पहले लिया वापस

नई दिल्ली। इंग्लैंड क्रिकेट टीम के ओपनर बल्लेबाज जेयन राय इस महीने से शुरू होने वाले आइपीएल के 15वें सत्र से बाहर हो गए। एक रिपोर्ट में इसका दावा किया गया। सलामी बल्लेबाज जेसन राय ने लीग में लंबे समय तक बायो-बबल (कोरोना से बचाव के लिए बनाया गया सुरक्षित माहौल) में बने रहने की चुनौती का हवाला देते हुए अपना नाम वापस ले लिया। आइपीएल की टीम गुजरात टाइटंस ने हाल ही में मेगा नीलामी में राय को उनके आधार मूल्य दो करोड़ रुपये में खरीदा था। अब फ्रेंचाइजी उनकी जगह दूसरे खिलाड़ी की तलाश कर रही हैं। आइपीएल के 15वें सीजन की शुरुआत 26 मार्च से होगी और इसका फाइनल मुकाबला 29 मई को खेला जाएगा। इस बार सभी 70 लीग मुकाबले महाराष्ट्र में खेले जाएंगे जिसके लिए मुंबई के तीन स्टेडियम तो वहीं पुणे के एक स्टेडियम का इस्तेमाल किया जाएगा। इस बार आइपीएल में 10 टीमें हिस्सा ले रही हैं और गुजरात टाइटंस इसमें पहली बार शामिल होगी। इस टीम का कप्तान भारतीय आलराउंडर हार्दिक पांड्या को बनाया गया है। गुजरात ने नीलामी से पहले हार्दिक पांड्या, राशिद खान और शुभमन गिल को अपनी टीम में शामिल किया था। इसके बाद आइपीएल 2022 के लिए हुई नीलामी में इस टीम ने जेसन राय को दो करोड़ में खरीदा था तो वहीं लाकी फर्ग्यूसन को 10 करोड़, मो. शमी को 6.25 करोड़, राहुल तेवतिया को 9 करोड़ को डेविड वार्नर को 3 करोड़ में खरीदा था। इसके अलावा भी टीम ने कई अन्य खिलाडियों को अपने साथ जोड़ा था।

रिद्धिमान साहा ने पत्रकार को दी चेतावनी, अभी माफ कर दिया लेकिन दोबारा ऐसा मत करना

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के विकेटकीपर बल्लेबाज रिद्धिमान साहा इन दिनों अपने एक ट्वीट की वजह से काफी चर्चा में हैं। दरअसल 19 फरवरी

शनिवार को साहा ने एक पत्रकार द्वारा इंटरव्यू ना दिए जाने पर उनको धमकाने वाला ट्वीट सोशल मीडिया पर साझा किया था। इस ट्वीट को सामने रखने के साथ उन्होंने कहा था कि इतने साल क्रिकेट की सेवा करने के बाद यही सम्मान मिला है। ट्वीट के सामने आने के बाद से ही हर जगह इसकी चर्चा हो रही है। यहां तक की बीसीसीआइ ने भी इस बारे में ठोक कदम उठाने की बात कही। इस बीच साहा ने कहा कि वह नहीं चाहते हैं कि उस पत्रकार का करियर खराब हो इसी वजह से उनका नाम किसी के सामने नहीं लाएंगे लेकिन अगली बार ऐसा कुछ हुआ तो वह चुप नहीं बैठेंगे। साहा ने मंगलवार को ट्वीट करते हुए अपनी बात रखी और लिखा, मुझे तकलीफ पहुंची थी और अपमानित महसूस कर रहा था। मैंने तय किया कि इस तरह के व्यवहार को बर्दाश्त नहीं करूंगा और ना ही चाहता था कि इस तरह से किसी दूसरे को भी तकलीफ पहुंचाया जाए। मैंने इसी वजह से फैसला लिया कि बाहर जाकर सबके सामने इस चैट को रखूंगा जिससे यह हर किसी की नजर में आ जाए लेकिन उनका नाम नहीं लेना चाहा। बीसीसीआइ को अगर लगता है कि पत्रकार की मान्यता और बीसीसीआइ के किसी टूर्नामेंट में उसे प्रवेश को रद करने की है कि किसी को इस हद तक हानि पहुंचाउं कि उसका करियर ही खत्म हो जाए। तो मानवता उसके परिवार का ख्याल रखते हुए फिलहाल तो उसका नाम किसी के सामने नहीं ले रहा हूं। लेकिन ऐसा कुछ दोबारा हुआ तो मैं बिल्कुल भी खुद को नहीं रोकने वाला। मैं सबका आभार जताना चाहूंगा जिन्होंने भी मेरा इस समय समर्थन दिया और उन सभी के बेहतरी की कामना करता हूं।

भारत-पाकिस्तान 6 मार्च को होंगे आमने-सामने, हर बार मुंह की खाई है पाक टीम

नई दिल्ली। भारत और पाकिस्तान की टक्कर चाहे किसी भी खेल में हो दोनों मुल्कों के लोगों में एक अलग रोमांच लेकर ही आता है। जब भी टकराते हैं करोड़ों लोगों के दिल और टीवी दोनों चकनाचूर हो जाते हैं। भारतीय फैंस को ऐसा ही एक मंजर आने वाले 6 मार्च को देखने को मिलेगा जब भारतीय महिला क्रिकेट टीम अपने वर्ल्ड कप का आगाज अपने चिर प्रतिद्वंदी पाकिस्तान के साथ करेगी। हालांकि दुर्भाग्यवश दोनों टीमें वर्ल्ड कप में इससे पहले दो ही बार खेली है और इस बार तीसरा मौका होगा जब वर्ल्ड कप मैच में दोनों टीमें आमने-सामने होंगी। के सामने बेबस नजर आई हैं 100 का आंकड़ा पूरा नहीं कर पाई है। दोनों टीमों के बीच वर्ल्ड कप में आखिरी एनकाउंटर की बात करें तो दोनों टीमें आपस में 2 जुलाई 2017 को इंग्लैंड में भिड़ी थी। इस मैच में भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 9 विकेट खोकर 169 रन बनाए थे। पाकिस्तान की टीम इस मैच में लक्ष्य का पीछा करते हुए केवल 74 रन पर आलआउट हो गई थी और भारतीय टीम ने 95 रनों से ये मैच आसानी से जीत लिया था। भारतीय गेंदबाज एकता बिष्ट ने शानदार गेंदबाजी करते हुए 5 विकेट लिया था। वहीं पाकिस्तान की तरफ से गेंदबाज नशरा संधू ने 4 विकेट हासिल किया था। भारत की तरफ से पूनम रावत ने 47 और सुषमा वर्मा ने 33 रनों की पारी जबकि पाकिस्तान की तरफ से कप्तान सना मीर ने 29 रन की पारी खेली थी। भारतीय टीम की बात करें तो टीम की कमान एक बार फिर से मिताली राज के हाथों में है जबकि इस बार पाकिस्तान की कप्तान बिस्माह मारूफ हैं। सना मीर जो तब कप्तान थीं अब वो टीम में भी नहीं हैं। भारतीय टीम को गेंदबाज नशरा संधू से बचना होगा जिन्होंने पिछले मुकाबले में 4 बल्लेबाजों को पवेलियन भेजा था।

मिताली राज (कप्तान), हरमनप्रीत कौर (उप कप्तान), स्मृति मंधाना, शैफाली वर्मा, यास्तिका भाटिया, दीप्ति शर्मा, ऋचा घोष (विकेटकीपर), सन्हे राणा, झूलन गोस्वामी, पूजा वस्त्राकर, मेघना सिंह, रेणुका सिंह ठाकुर, तानिया भाटिया (विकेटकीपर), राजेश्वरी गायकवाड़ और पूनम यादव

बिस्माह मारूफ (कप्तान), निदा डार (उप कप्तान), ऐमन अनवर, आलिया रियाज, अनम अमीन, डायना बेग, फातिमा सना, गुलाम फातिमा, जावेरिया खान, मुनीबा अली, नाहिदा खान, नशरा संधू, ओमैमा सोहेल, सिदरा अमीन, सिदरा नवाज़(विकेटकीपर)

होने वाली है 500 अरब रुपये की कमाई, बड़ी-बड़ी टीमें रेस में

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआइ) के सचिव जय शाह ने कहा कि इंडियन प्रीमियर लीग (आइपीएल) के मीडिया अधिकार की राशि लीग के विकास पर असर डालेगी। खासकर दो नई टीमों के आने से आइपीएल के डिजिटल विकास में भी मदद मिलेगी। आइपीएल 2022 में लखनऊ सुपरजाइंट्स और गुजरात टाइटंस दो नई टीमें खेलेंगी। शाह ने कहा कि आइपीएल के आकांक्षी मूल्य ने सभी की अपेक्षाओं को पार कर लिया है। उन्होंने किसी भी राशि पर चर्चा करने से इन्कार किया, लेकिन कहा कि जो भी राशि होगी वह लीग के विकास पर असर डालेगी। शाह ने कहा कि बीसीसीआइ आगामी सप्ताह की शुरुआत में 2023-27 चक्र के लिए लीग के मीडिया अधिकारों के लिए निविदाएं जारी करेगा और दो महीने में ई-नीलामी पूरी करेगा। उम्मीद है कि इससे 500 अरब रुपये मिलेंगे। उन्होंने कहा कि बोर्ड ने विभिन्न प्रस्तावों का अध्ययन किया है और साथ ही अलग टीवी और डिजिटल बोलियों पर भी विचार किया जाएगा। इसका मतलब है कि अमेजन डाट काम इंक और रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड, सोनी गरुप कार्प और वाल्ट डिजने कंपनी से टीवी और डिजिटल ब्राडकास्ट के अधिकार को लेकर मुकाबला करेंगे। अधिकार के लिए रिकार्ड राशि 500 अरब रुपये तक जा सकती है। डिर्जन के स्वामित्व वाली स्टार इंडिया भारत में शीर्ष प्रसारणकर्ताओं में शामिल है। उसने और सोनी ने 2022 तक डिजिटल और टेलिविजन अधिकार के लिए 163.48 अरब रुपये का भुगतान किया है। में लखनऊ और अहमदाबाद की टीमें भी शामिल हुई हैं और उनके आने से भी लीग को फायदा हुआ है। सिर्फ 14 सत्र में हमने अभूतपूर्व आंकड़े दर्ज कर लिए और हम अन्य लोकप्रिय लीगों तक पहुंच गए। हम सिर्फ टेलीविजन ही नहीं, बल्कि डिजिटल पर भी देखे जा रहे हैं।' 10 टीमों की लीग मार्च के आखिरी सप्ताह में शुरू हो सकती है।

मो. शमी को नेट पर कोहली या रोहित नहीं कौन बल्लेबाज करता है सबसे ज्यादा परेशान, खुद बताया नाम

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के तेज गेंदबाज मो. शमी को आधुनिक क्रिकेट की बेहतरीन प्रतिभाओं में से एक माना जाता है। 31 साल का ये गेंदबाज भारत के लिए क्रिकेट के तीनों प्रारूपों में लगभग नौ साल से देश का प्रतिनिधित्व कर रहा है। शमी ने पिछले 9 साल में भारत के लिए 57 टेस्ट, 71 वनडे और 17 टी20 इंटरनेशनल मैच खेले हैं। शमी ने द इंडियन एक्सप्रेस के एक शो आइडिया एक्सचेंज पर गेस्ट के तौर पर पहुंचे और वहां पर अपने क्रिकेट करियर से जुड़ी कई पहलूओं पर बात की। इस बातचीत

के दौरान शमी ने टीम इंडिया के उस बल्लेबाज के नाम का खुलासा किया जिसे नेट्स पर वो गेंदबाजी नहीं करना चाहते हैं। उन्होंने ये साफ किया कि बीसीसीआइ उन्हें गेंदबाजी करने के लिए ही पैसे देती है और ये उनका काम है। शमी ने कहा कि मुझे हर किसी को गेंदबाजी करने मे मजा आता है, लेकिन चेतेश्वर पुजारा की तरह आपको कोई परेशान नहीं कर सकता। जैसा कि सभी जानते हैं वो जब तक 100 से 200 गेंद नहीं मारते तब तक उन्हें नींद नहीं आती। पुजारा को श्रीलंका के खिलाफ आगामी टेस्ट के लिए भारत की टीम में शामिल नहीं किया गया है, लेकिन ज्यादातर लोग लाल गेंद के प्रारूप में गेंदबाजों को निराश करने की उनकी क्षमताओं से वाकिफ हैं। सौराष्ट्र के 34 वर्षीय इस बल्लेबाज ने 95 टेस्ट में भारत का प्रतिनिधित्व किया है, जिसमें उन्होंने 43.88 की औसत से 6713 रन बनाए हैं। उनके नाम तीन दोहरे शतकों के अलावा 18 शतक और 32 अर्धशतक भी हैं। वहीं शमी ने बुमराह से अपनी मुलाकात के बारे में कहा कि मैंने उन्हें पहली बार आइपीएल के दौरान देखा था। उनके गेंदबाजी एक्शन की वजह से उन्हें देखकर थोड़ा अजीब लगा।

राशिफल

मेष-: आज आप बौद्धिक कार्यों से धन अर्जित करेंगे. भौतिक संसाधनों की ओर अधिक झुकाव के कारण इनमें वृद्धि हो सकती है। यात्रा की स्थिति सुखद और लाभकारी रहेगी।

वृष-: आज आपका किसी से तीखा झगड़ा हो सकता है. इस झगड़े से बचने की पूरी कोशिश करें, आपको बाद में पछताना पड़ सकता है। इस दौरान किया गया कोई भी झगड़ा भयानक रूप ले सकता है।

मिथुन-: आज आपका दिन पहले से बेहतर रहेगा. आप अपने भविष्य के बारे में थोड़ा सोच सकते हैं। संबंध बेहतर रहेंगे। कार्यस्थल पर आपको सहयोग मिल सकता है।

कर्क-: आज ही भविष्य के लिए अपनी आर्थिक योजना बनाएं और अपनी योजना और लक्ष्य तय करने का प्रयास करें. कार्यस्थल पर विवाद खत्म होने से सुख शांति में वृद्धि होगी।

सिंह-: आज आपके परिवार में खुशियों की वृद्धि होगी. संतान की शिक्षा में उन्नति संभव है। माता-पिता का स्वास्थ्य आज बहुत अच्छा रहेगा। उनसे भी आपको पूरा सहयोग मिलने की उम्मीद है

कन्या-: आज का दिन आपके लिए अच्छा रहेगा। आप अपनी सूझबूझ से सारे काम संभाल लेंगे। नौकरीपेशा लोगों को साथ काम करने वालों से मदद मिलेगी।

तुला-: आज आपको आर्थिक और पारिवारिक क्षेत्र में भी लाभ होने की संभावना है। आज मनपसंद खाना खाकर आपको आनंद मिलेगा।नौकरी में अधिक मेहनत करें।

वृश्चिक-: आज आपको व्यापार में सफलता मिलेगी. जो आपको गर्व और जोश से भर देगा। इस तरक्की को हासिल करने से आपको एहसास होगा कि आपने सही समय पर सही कदम उठाए है।

धनु-: आज अधिकारी आपकी प्रशंसा करेंगे. छात्रों को किसी भी प्रतियोगी परीक्षा में अच्छे अंक मिलेंगे। वैवाहिक जीवन में आप अच्छा महसूस करेंगे। समाज में आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी।

मकर-: आज आपको शुभ समाचार मिलेगा. सुबह व्यायाम करें, अतिरिक्त लाभ मिलेगा। आपका पार्टनर काफी नाराज़ रहेगा फिर भी अपने जीवन की सभी समस्याओं को नज़रअंदाज करते हुए।

कुंभ-: आज आपको कारोबार में सफलता मिलेगी. जो आपको गर्व और जोश से भर देगा। इस तरक्की को हासिल करने से आपको एहसास होगा कि आपने सही समय पर सही कदम उठाए

मीन-: आज का दिन आपके लिए अच्छा रहेगा। परिवार वालों की सलाह आपके लिए अहम रहेगी। साथ ही आप उनकी हर संभव मदद भी करेंगे। आपके भौतिक सुखों में वृद्धि होगी।

सम्पादकीय

वैश्विक व्यवस्था को लोकतांत्रिक बनाए रखने के लिए संयुक्त राष्ट्र में सुधारों को टालना वैश्विक शांति के हित में नहीं है

रूस-यूक्रेन के बीच चल रहे संघर्ष के दौरान एक बार फिर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) अपनी भूमिका को निभा पाने में असफल प्रतीत हो रहा है। विगत वर्षों में ऐसी कई अंतरराष्ट्रीय घटनाएं हुईं जिसने इस वैश्विक संस्था की प्रासंगिकता पर प्रशनचिन्ह खड़ा किया है। इस वैश्विक संकट में सुरक्षा परिषद की असफलता 'विश्व सरकार' की संकल्पना को लगातार कमजोर कर रही है, जहां महाशक्तियां स्वयं नियम आधारित अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था को चुनौती दे रही हैं। वर्तमान परिस्थितियों में यह भी त्रुटिपूर्ण है कि 77 वर्ष पूर्व हुए विश्व युद्ध के विजेता देशों को सुरक्षा परिषद में वीटो जैसी विशेष शक्तियां प्राप्त हैं, जिसका उपयोग कम और दुरुपयोग अधिक हुआ है। आज भी संयुक्त राष्ट्र विश्व युद्ध के बाद की भू-राजनीतिक संकीर्णताओं से बाहर नहीं निकल पाया है। सुरक्षा परिषद 21वीं सदी में भी 'शीत-युद्ध सिंड्रोम' से ग्रस्त दिख रहा है। यही वजह है कि पिछले कई दशकों से संयुक्त राष्ट्र की संरचना में बदलाव की मांग की जा रही है, परंतु चीन तथा अमेरिका के परस्पर टकराव के कारण सुरक्षा परिषद का सुधार वर्षों से लंबित है। विगत वर्षों में देखा जाए तो वीटो प्राप्त महाशक्तियों ने ही नियम आधारित अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था को सर्वाधिक नुकसान पहुंचाया है। चीन एक तरफ यूक्रेन के मामले में क्षेत्रीय अखंडता तथा संप्रभुता के मुद्दे पर संयुक्त राष्ट्र के चार्टर के अनुसार व्यवस्था को चलाने की बात करता है, दूसरी तरफ सामुद्रिक कानून पर संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन के अनुबंध-सात के तहत गठित मध्यस्थता न्यायाधिकरण को ही मान्यता नहीं देता। दक्षिण चीन सागर में चीन की विस्तारवादी नीति ने हिंद-प्रशांत क्षेत्र में युद्ध के हालात पैदा कर दिए हैं। आतंकवाद और मानवाधिकार हनन जैसे विषयों पर भी सुरक्षा परिषद के स्थायी सदस्यों की आपसी खींचतान ने इन वैश्विक चिंताओं को बढ़ा दिया है। विदित है कि आतंकी मसूद अजहर के मामले में सुरक्षा परिषद के चार स्थायी सदस्य उसे वैश्विक आतंकवादी घोषित करने के समर्थन में थे, लेकिन चीन इस फैसले के विरोध में था और उसने वीटो लगा दिया। हालांकि बाद में चीन द्वारा मसूद अजहर को वैश्विक आतंकवादी घोषित किया गया। चीन और पाकिस्तान द्वारा अपने अल्पसंख्यक नागरिकों पर लगातार अत्याचार किया जा रहा है। चीन में दमन का शिकार होने वालों में तिब्बती, ईसाई, उइगर मुस्लिम तथा हांगकांग में नागरिक अधिकारों के लिए लड? वाले लोग शामिल हैं। वहीं पाकिस्तान में भी हिंदुओं तथा सिखों पर लगातार अत्याचार हो रहे हैं। गिलगित-बाल्टिस्तान एवं बलूचिस्तान प्रांत में मानवाधिकार हनन का मामला तो अब अंतरराष्ट्रीय चिंता का विषय बन चुका है। पाकिस्तान में हो रहे अल्पसंख्यकों के उत्पीड? को ह्युमन राइट्स वाच के अनुसार 'महामारी' की संज्ञा दी गई है। ऐसी स्थिति में भी चीन और पकिस्तान का संयुक्त राष्ट्र के मानवाधिकार परिषद में निर्वाचित होना तथा सुरक्षा परिषद की चुप्पी संयुक्त राष्ट्र के भविष्य के लिए चिंताजनक है। जाहिर है संयुक्त राष्ट्र में कई स्तरों पर सुधार की आवश्यकता है। सदस्य देशों की बढ़ती संख्या के अनुसार इसके सुरक्षा परिषद का विस्तार न करना इसके व्यापक उद्देश्यों को प्रभावित कर रहा है। संयुक्त राष्ट्र के प्रारंभिक वर्षों में इसकी सदस्य संख्या 113 थी, जो आज बढ़कर 193 हो चुकी है, परंतु आज भी सुरक्षा परिषद में स्थायी सदस्य सिर्फ पांच हैं जिससे विश्व व्यवस्था असंतुलित हो चुकी है। एक तरफ जहां यूरोप के दो देशों को सुरक्षा परिषद में स्थान मिला है, वहीं न तो भारत जैसे प्रमुख देश को स्थान मिला है, जिसने संयुक्त राष्ट्र के शांति अभियानों में सर्वाधिक योगदान दिया है, न ही अफ्रीका का कोई भी देश सुरक्षा परिषद का स्थायी सदस्य है। जबकि संयुक्त राष्ट्र का 50 प्रतिशत से अधिक कार्य अकेले अफ्रीकी देशों से संबंधित है। वर्तमान वैश्विक व्यवस्था में भारत, जापान, जर्मनी, ब्राजील, दक्षिण अफ्रीका तथा आस्ट्रेलिया जैसे देशों की भूमिका महत्वपूर्ण है। आवश्यक है कि इन देशों को सुरक्षा परिषद का स्थायी सदस्य बनाया जाए। भारत आतंकवाद, क्षेत्रीय शांति, जलवायु परिवर्तन, हरित ऊर्जा एवं आर्थिक सहयोग जैसे वैश्विक मुद्दे पर भारत प्रमुख रूप से नेतृत्वकारी भूमिका में है। साथ ही बहुपक्षवाद में सक्रिय भागीदारी करते हुए विश्व व्यवस्था को बहुध्रुवीय नेतृत्व के अंतर्गत बनाए रखना चाहता है।

संघीय ढांचे का राग अलापने वाले ही उसे सबसे ज्यादा क्षति पहुंचाकर संवैधानिक व्यवस्था का मखौल उड़ाते हैं............

भारत में संविधान की सत्ता है। संविधान सर्वोच्च विधि है, लेकिन तेलंगाना के मुख्यमंत्री चंद्रशेखर राव ने कहा है कि वह संविधान को फिर से लिखने के लिए संघर्ष चलाएंगे। उनके अनुसार भारत में नए संविधान का मसौदा तैयार करने की जरूरत है। कल्पना करें कि यही बयान भाजपा की ओर से आया होता तो सभी दल आसमान सिर पर उठा लेते। वस्तुतः नए संविधान की मांग आपत्तिजनक है। राव ने संघीय ढांचे को मजबूत बनाने की बात भी कही है, लेकिन उन जैसे नेताओं ने ही संघीय ढांचे का उल्लंघन किया है। कई राज्यों ने केंद्र की जनहितकारी योजनाओं को भी लागू नहीं किया है। उन्होंने आयुष्मान भारत से लेकर 'वन नेशन वन कार्ड' के सिद्धांत को लागू करने में हीलाहवाली की। राव ने रामानुजाचार्य की स्मृति में निर्मित 'स्टेचू आफ इक्वालिटी' के लोकार्पण अवसर पर प्रधानमंत्री की उपस्थिति के बावजूद समारोह में हिस्सा नहीं लिया। प्रधानमंत्री ने चक्रवात से निपटने के लिए बैठक की, लेकिन बंगाल के मुख्य सचिव उसमें आए ही नहीं। यह संघीय ढांचे का सरासर उल्लंघन है। कई राज्यों ने कृषि कानूनों का विरोध किया है। दिल्ली के मुख्यमंत्री ने विधानसभा में तीनों कानूनों की प्रतियां फाड़ दी थीं। यह कृत्य सदन के विशेषाधिकार का उल्लंघन है। इसी प्रकार पंजाब, राजस्थान और छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्रियों ने केंद्रीय कानूनों के विरोध में विधानसभाओं से प्रस्ताव पारित कराए, जबकि संविधान के अनुसार राज्य केंद्रीय कानून मानने के लिए विवश हैं। नागरिकता संशोधन कानून के विरोध में बंगाल, राजस्थान, केरल और पंजाब ने विधानसभा में प्रस्ताव

पारित कराए थे। ऐसे कृत्य संविधान के संघीय ढांचे का उल्लंघन है। संविधान मुख्यमंत्रियों को केंद्रीय कानूनों की अवहेलना का अधिकार नहीं देता। संसद द्वारा अधिनियमित कानून को मानने से इन्कार संविधान का उल्लंघन है। संसद द्वारा अधिनियमित विधि और राज्य विधानमंडल द्वारा पारित विधि में विसंगति संभव है। अनुच्छेद 254 में उल्लिखित है कि 'किसी राज्य विधानमंडल द्वारा पारित विधि का कोई हिस्सा संसद द्वारा बनाई गई विधि के विरोध में है तो संसद द्वारा बनाई गई विधि प्रभावी होगी। फिर भी राज्यों ने इस व्यवस्था का उल्लंघन किया। नागरिकता जैसा विषय किसी भी दृष्टि से राज्यों के क्षेत्राधिकार में नहीं, लेकिन राजनीतिक कारणों से विधानसभाओं में नागरिकता संशोधन कानून विरोधी प्रस्ताव पारित कराए गए। ऐसे ही दल संघीय ढांचे और लोकतंत्र की रक्षा की गुहार लगाते हैं, लेकिन स्वयं उस पर हमलावर रहते हैं। वे संघीय ढांचे से अलग संप्रभु देश की तरह आचरण करते हैं। बांग्लादेश से तीस्ता जल विवाद ममता बनर्जी के हठ के चलते हल नहीं हो पाया। तमिलनाडु की सरकार के कारण श्रीलंका संबंधी विवाद भी अनसुलझा है। ये विषय विशुद्ध रूप से केंद्र सरकार के क्षेत्राधिकार वाले हैं, किंतु इन मुख्यमंत्रियों ने विदेश नीति के मसलों पर भी हस्तक्षेप जारी रखा है। प्रधानमंत्री के पंजाब दौरे पर राज्य सरकार ने उनका सुरक्षा का दायित्व तक नहीं निभाया। देश की संप्रभुता एकता के लिए मजबूत केंद्र जरूरी है। संविधान हड़बड़ी में नहीं बना। संविधान निर्माण के पूर्व भारत लगभग 560 रियासतों व समूहों में विभाजित था। देश विभाजन के भी परिणाम भयावह थे। इन परिस्थितियों से अवगत संविधान सभा ने मजबूत केंद्र और व्यवस्थित संघवाद की व्यवस्था की। वास्तव में संघीय ढांचे और लोकतंत्र को बचाने की कुछ नेताओं की गुहार राजनीति से प्रेरित है। ऐसे दलों का चरित्र मूल रूप से सामंतवादी व परिवारवादी है। सामंतवाद और लोकतंत्र परस्पर विरोधी हैं। लोकतंत्र और परिवारवाद भी साथ-साथ नहीं चल सकते। परिवारवादी दलों में आंतरिक लोकतंत्र नहीं होता। ऐसे दलों और नेताओं के मुंह से लोकतंत्र की रक्षा की बातें अच्छी नहीं लगतीं। चन्द्रशेखर राव नया संविधान चाहते हैं, जबकि वर्तमान संवैधानिक व्यवस्था से ही वह मुख्यमंत्री बने हैं। संविधान के ही विचार अभिव्यक्ति के अधिकार का लाभ उठाकर अनर्गल प्रलाप करते हैं। आखिरकार यह कैसी राजनीति है? संघीय ढांचे की मजबूती के लिए संविधान और लोकतंत्र का संरक्षण जरूरी है, लेकिन इसका राग अलापने वाले ही संविधान का आदर नहीं करते। संविधान सभा के अंतिम भाषण में डा. आंबेडकर ने कहा था, 'संविधान बन गया है, असहमत लोगों को आक्रामक आंदोलनों का सहारा नहीं लेना चाहिए। संविधान संशोधन की विधि सरल है। बस उन्हें जनप्रतिनिधियों की एक निश्चित संख्या की आवश्यकता होगी।' ऐसे में राव को चाहिए कि वह अपेक्षित संविधान संशोधन के लिए बहुमत जुटाएं। वर्तमान संविधान का सम्मान करें और संविधान के अनुरूप व्यवहार करें। संविधान में संघीय ढांचा स्पष्ट है। केंद्र और राज्य के अधिकार सुपरिभाषित हैं, लेकिन संघीय ढांचे का हंगामा मचाने वाले दल और नेता ही उसके उल्लंघन में आगे हैं। ममता बनर्जी ने तो यहां तक कह दिया कि 'आप (केंद्र) कानून बना सकते हैं लेकिन उन्हें लागू करने का काम राज्य सरकार का है और हम उन्हें लागू नहीं करेंगे।' यह घोर अराजकता है। कई बार ऐसे नेता अपने राज्यों को भारत से पृथक देश मानते हुए दिखाई पड़ते हैं। अटल जी के नेतृत्व वाली राजग सरकार के समय संविधान समीक्षा का आयोग बना था। तब राव जैसे सोच वाले नेता भाजपा पर संविधान के खात्मे का आरोप लगा रहे थे, जबकि समीक्षा आयोग एक विशेष प्रकार का अध्ययन कर रहा था। वैसे भी केंद्र पर बेतुके आरोप लगाने वाले राज्य जान लें कि भारतीय राज्य स्वतंत्र देश नहीं हैं। यहां के राज्य अमेरिकी राज्य जैसे नहीं हैं। अमेरिकी राज्यों ने स्युक्त राज्य अमेरिका परिसंघ बनाया था। अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने इसे अविनाशी राज्यों का अविनाशी संघ कहा था। भारत नाशवान राज्य इकाइयों का अनाशवान संघ हैं। यहां राज्य बनाए जाते हैं। छोटे और बड़े भी किए जाते हैं। राज्य और मुख्यमंत्री स्वायत्त संस्था नहीं हैं, लेकिन कुछ राज्यों के मुख्यमंत्री संवैधानिक संघ से ही टकरा रहे हैं। उनका दुस्साहस बढ़ा है। अब वे पूरे संविधान को खारिज करने की मांग कर रहे हैं। पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी द्वारा लगाए आपातकाल के दौरान 42वें संविधान संशोधन में उद्देशिका सहित 53 अनुच्छेदों व सातवीं अनुसूची में भी संशोधन हुए थे। यह संविधान पर बड़ा हमला था। अब उसी तर्ज पर नए संविधान की मांग उठी है।

डिजिटल विश्वविद्यालय से संभव होगा उच्च शिक्षा को सभी तक पहुंचाना

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पिछले दिनों शिक्षा क्षेत्र से संबंधित आयोजित एक वेबिनार में कहा कि नेशनल डिजिटल यूनिवर्सिटी भारत की शिक्षा व्यवस्था में अपनी तरह का एक अनोखा एवं अभूतपूर्व कदम है। कोविड महामारी के दौरान डिजिटल या वर्चुअल शिक्षा दुनिया भर में सीखने-सिखाने के सबसे शक्तिशाली माध्यम के रूप में उभर रही है। ऐसे में यह आवश्यकता महसूस की जा रही थी कि देश में डिजिटल एजुकेशन के लिए एक बेहतर ढांचा तैयार किया जाए। इस दिशा में डिजिटल विश्वविद्यालय मील का पत्थर साबित होने वाला एक जरूरी और स्वाभाविक कदम है। यह कदम भारतीय शिक्षा पद्धति पर अमिट प्रभाव डालेगा। इससे एक ओर कक्षा में आने की बाध्यता खत्म होगी, वहीं दूसरी तरफ विश्वविद्यालयों और शैक्षिक संस्थाओं पर इंफ्रास्ट्रक्चर लोड बढ़ाने के दबाव से भी निजात मिलेगी। यह एक ऐसा विश्वविद्यालय होगा जो छात्रों को कई तरह के कोर्स और डिग्रियों की शिक्षा पूरी तरह आनलाइन उपलब्ध कराएगा। जरूरी डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर और ट्रेनिंग उपलब्ध कराने के लिए यह देश के अन्य केंद्रीय विश्वविद्यालयों के साथ मिलकर काम करेगा। यह विश्वविद्यालय एसईडीजी में नामांकन, संकाय विकास, रोजगार क्षमता बढ़ाने वाले कौशल, क्षेत्रीय भाषाओं में गुणवत्तापूर्ण शिक्षण सामग्री, औपचारिक और गैर-औपचारिक (पूर्व शिक्षा को मान्यता देना) शिक्षण आदि में मौजूद अंतर को समाप्त कर सकता है। डिजिटल विश्वविद्यालय शिक्षा और अर्थव्यवस्था दोनों के लिए लाभप्रद साबित होगा। इससे देश के नामी गिरामी विश्वविद्यालय और कालेजों को आनलाइन पढ़ाई करवाने की अनुमति से उन छात्रों को अध्ययन का मौका मिलेगा, जिन्हें कालेजों की उच्च कटआफ के कारण एडमिशन नहीं मिलता था। मालूम हो कि दिल्ली विश्वविद्यालय के विभिन्न कालेजों में नामांकन पैमाना 99 प्रतिशत से भी ऊपर चला जाता है। देश के अन्य प्रतिष्ठित महाविद्यालयों की भी कमोबेश यही स्थिति है। ऐसे में आर्थिक और सामाजिक रूप से पिछड़े समाज के बच्चों के लिए 90 प्रतिशत का स्तर पाना ही मुश्किल होता है। पर्यावरण

और यातायात की समस्या का समाधान : डिजिटल विश्वविद्यालय से पढ़ाई का सारा काम पेपरलेस होने से पर्यावरण प्रदूषण कम होगा। सबसे बड़ा लाभ यह होगा कि गुणवत्तायुक्त शिक्षा को कहीं भी और कभी भी पहुंचाया जा सकेगा। इससे रोजगार के मौके भी बढ़ेंगे। डिजिटल विश्वविद्यालय से छात्र उन तमाम जानकारी और ज्ञान को घर बैठे हासिल कर सकेंगे जिसे जानने-समझने के लिए उन्हें बड़े शहरों में जाना पड़ता है। यह विश्वविद्यालय छात्रों को डिजिटल तरीकों से सीखने में सक्षम बनाएगा। इसमें फिजिकल क्लासेज की जगह वर्चुअल या आनलाइन क्लासेज होंगी। सभी प्रमुख भाषाओं में ई-कंटेंट तैयार करने, पढ़ाई व परीक्षा तथा परिणाम आनलाइन जारी होने से शिक्षा सस्ती और सुलभ हो जाएगी। इस पहल के जरिये देश भर में छात्रों की पढ़ाई के दौरान रहने व खाने पर आने वाले खर्चे में भारी कमी आएगी। सबसे बड़ी बात कि भविष्य में कोरोना जैसी महामारी या किसी भी संकट के चलते पढ़ाई को जारी रखा जा सकेगा और पढ़ाई में व्यवधान नहीं आएगा। शिक्षा कैलेंडर में छेड़छाड़ करने की आवश्यकता नहीं रहेगी। डिजिटल यूनिवर्सिटी स्पोक एंड हब फार्मेट पर काम करेगी। हब के तौर पर इसका डिजिटल प्लेटफार्म होगा, जबकि इससे जुड़े विश्वविद्यालय स्पोक कहलाएंगे। इसमें आइआइटी, आइआइएम, केंद्रीय विश्वविद्यालयों से लेकर दुनिया के टाप रैंकिंग वाले विदेशी विश्वविद्यालय भी आकर डिजिटल पढ़ाई करवाएंगे। अब अहम प्रशन ये है कि देश में पहले से दूरस्थ शिक्षा उपलब्ध कराने वाले संस्थान इंदिरा गांधी नेशनल ओपन यूनिवर्सिटी (इग्नू) जैसे संस्थानों और डिजिटल विश्वविद्यालय में क्या अंतर होगा? दरअसल डिस्टेंस लर्निंग/ दूरस्थ शिक्षा उपलब्ध कराने वाले संस्थान आनलाइन कक्षाएं संचालित नहीं करते, बल्कि वे संबंधित पाठ्यक्रम का स्टडी मैटेरियल छात्र को डाक के माध्यम से उनके घर पर भेज देते हैं। वहीं डिजिटल लर्निंग या से छात्र घर बैठे ही आनलाइन पढ़ाई कर पाएंगे। यहां यह उल्लेख करना जरूरी है कि देश में पहली डिजिटल यूनिवर्सिटी की शुरुआत केरल में हो चुकी है। इंडियन इंस्टीट्यूट आफ इंफार्मेशन टेकनेलाजी एंड मैनेजमेंट केरल को अपग्रेड करके ही डिजिटल यूनिवर्सिटी में तब्दील किया गया था। यहां पोस्ट ग्रेजुएट प्रोग्राम से लेकर अलग-अलग तरह के कई कोर्सेज संचालित किए जा रहे हैं। पारंपरिक शिक्षा के मुकाबले आनलाइन शिक्षा व्यवस्था के कुछ स्पष्ट फायदे और समस्याएं भी हैं, जिन्हें समझना जरूरी है। आनलाइन पढ़ाई स्कूल-कालेज की कक्षाओं में जाकर किए जाने वाले अध्ययन का जगह नहीं ले सकती।

ओडिशा में पंचायत चुनाव के दौरान एक गांव के मतदाताओं ने अपनाई प्रत्याशी चयन की अनूठी प्रक्रिया

ओडिशा में त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव हो रहे हैं। इसी क्रम में यहां के सुंदरगढ़ जिले के मालूपाड़ा गांव में ग्रामीणों ने पंचायत चुनाव

प्रतिनिधियों से मौखिक और लिखित परीक्षा लेकर उसमें उत्तीर्ण हुए उम्मीदवारों को ही पंचायत चुनावों में दावेदारी प्रस्तुत करने का अभिनव प्रयोग किया है। इससे लोकतंत्र का एक नया चेहरा देखने को मिला है। कानूनी और संवैधानिक प्रविधानों से इतर इस कदम को ग्रामीण अपने विकास के प्रति जागरूकता, अपने वोट की अहमियत और उम्मीदवारों का राजनीतिक दायित्व सुनिश्चित करने के क्रम में महत्वपूर्ण मानते हैं। उनके द्वारा उम्मीदवारों से पूछे गए सवाल वर्तमान दौर के राजनीतिक चलन, उपेक्षा और कुव्यवस्था से उपजी व्यावहारिक समस्याओं पर आधारित हैं। चुनाव से पहले ही हार-जीत का निणर्य भले ही असंवैधानिक और नियमों के उलट हो, पर चुनाव से पहले ही अपने प्रतिनिधियों की मंशा और सेवा भावना को जानकर ही अपने लिए योग्य प्रतिनिधि को चुनना गलत नहीं माना जाना चाहिए। ऐसे में एक सवाल यह उठता है कि क्या यह वर्तमान राजनीतिक भागीदारी, व्यवस्था और दायित्व के प्रति असंतोष एवं प्रतिनिधियों के चुनावी वादों के प्रति अविश्वास का परिणाम है या मतदाताओं की जागरूकता, वोट का महत्व, राजनीतिक समझ और विकास के प्रति सकारात्मक सोच का असर है। या फिर उम्मीदवारों की सभी मंशाओं को भांपकर, उत्तीर्ण उम्मीदवारों को ही चुनाव में उम्मीदवारी पेश करने की संवैधानिक और कानूनी दायरों से इतर रास्ता अपनाया है? दरअसल पंचायतों की राजनीति और उनके चुनाव के मतदान व्यवहार की प्रकृति अलग किस्म की होती है जहां प्रत्येक व्यक्ति की सहभागिता, दलीय राजनीति से इतर व्यक्तिगत तौर पर उम्मीदवारी, जिम्मेदारी और विकास कार्यों में भागीदारी की रही है, परंतु बदलते ट्रेंड में अन्य राज्यों की तरह ओडिशा के पंचायत चुनावों में भी बड़े मात्रा में धन का इस्तेमाल कर मतदाताओं को अपने पक्ष में लुभाने की कोशिशों में बढ़ोतरी हुई है। दरअसल नव-धनाढ्य वर्ग के लिए पंचायत चुनाव राजनीति के द्वार खोलती है जिसको साधने के लिए जाति, धर्म, पैसा, बड़े स्तर पर हिंसा, गुटबाजी, भाई-भतीजावाद और अनेक प्रलोभनों का दबदबा रहा है जिसने बड़े स्तर पर मतदान व्यवहार को नकारात्मक रूप में प्रभावित किया है। यही कारण है कि पंचायतों में सामूहिक विमर्श एवं भागीदारी का अभाव, नियमित ग्राम सभा के बैठक न होना, एकतरफा निणर्य और संवादहीनता, प्रशासनिक-राजनीतिक साठगांठ एवं दलीय राजनीति का प्रभाव निरंतर बढ़ता जा रहा है। समग्र तौर पर देखा जाए तो देश के सभी राज्यों के पंचायत चुनावों में एक नए ट्रेंड के रूप में स्थानीय स्तर पर चुनाव उम्मीदवारों, प्राक्सी उम्मीदवारों और मतदाताओं के बीच एक 'डील' के रूप में उभरा है जिसमें ताकतवर लोग किसी न किसी तरह से सत्ता पर पकड़ बनाए रखने के लिए तमाम हथकंडों को अपनाकर मतदाताओं को प्रभावित कर चुनावी प्रक्रिया को बाधित किया है। साथ ही, चुनाव बाद वादाखिलाफी, भ्रष्टाचार, उपेक्षा एवं विकास कार्यों के अभाव ने गंभीर समस्या को खड़ा किया है जो प्रचलित राजनीतिक चलन बनता जा रहा है। इससे ग्रामीण मतदाताओं में राजनीति के प्रति नकारात्मक सोच, अविश्वास और असंतोष बढ़ रहा है। ऐसे में ओडिशा के मालूपाड़ा आदिवासी बहुल गांव के लोगों द्वारा प्रत्याशियों की परीक्षा द्वारा उनकी मंशा, सेवा भावना, विकास का रोडमैप एवं अपनी समस्याओं को दूर करने के प्रति गंभीरता को जानने की अनूठी पहल ने पंचायती राज की इन व्यावहारिक समस्याओं के लिए समाधान का नया मार्ग प्रस्तुत किया है, जिसमें पार्टी आधारित एवं शक्ति-केंद्रित राजनीति से इतर विकास-केंद्रित राजनीति को सामुदायिक सहभागिता, दायित्व निर्वहन, निणर्य स्वतंत्रता और सेवा-भावना के द्वारा साधने को महत्व दिया गया है। आने वाले समय में कुछ संशोधन के साथ एक सकारात्मक माडल के रूप में देश के सभी राज्यों की पंचायतों की ऐसी व्यावहारिक समस्याओं को सुधारने के लिए प्रयोग किया जा सकता है। अपने त्रिस्तरीय पंचायती राज के सफर में ओडिशा ने एससी, एसटी, महिला प्रतिनिधित्व को सुनिश्चित करने, विकास संबंधी गतिविधियों, कल्याणकारी योजनाओं, गरीबी-निवारण कार्यक्रमों और आपदा आदि में पंचायतों को शामिल कर सीधे तौर पर उन्हें अधिकार, फंड और दायित्वों को प्रदान किया है। ओडिशा की पंचायती राज की सभी त्रिस्तरीय संरचना में चेयरमैन या वाइस-चैयरमैन के पदों पर महिलाओं के लिए आरक्षण इसे खास बनाती है। कोविड महामारी के दौरान भी ओडिशा ने पंचायत प्रतिनिधियों को जिला कलेक्टर का अधिकार दिया हुआ था जिससे महामारी प्रबंधन और रोकथाम में राज्य ने बेहतरीन प्रदर्शन किया। ऐसे में ओडिशा ने पंचायतों को सुदृढ़ करने के लिए प्रभावकारी और अभिनव कदम उठाए हैं जो परिणाम आधारित पंचायत शासन को जमीनी स्तर पर लागू करने के लिए प्रयोग एवं व्यावहारिकता पर आधारित है। इसमें नई सामाजिक व्यवस्था के निर्माण की सभी संभावनाएं हैं। ग्राम-पंचायत वास्तव में राजनीतिक भागीदारी, सहभागितापूर्ण लोकतंत्र और समतामूलक समाज की स्थापना में महत्वपूर्ण कदम हैं जो अभी भी पूर्ण अवस्था को न प्राप्त कर अभी भी प्रायोगिक चरण में है। हर प्रयोग में समस्याओं का आना लाजमी है, पर हमें यह ज्ञात होना चाहिए कि पंचायती राज जैसी संस्थाओं में भविष्य के भारत को समृद्धि बनाने, उसे आकार देने और विकसित करने की ताकत है। इसके लिए पंचायतों में प्रशिक्षित, समर्पित, ईमानदार एवं जवाबदेह प्रतिनिधित्व एवं नेतृत्व की जरूरत होगी जो राजनीतिक दायित्व एवं लोकतंत्र के जमीनी स्तर पर जरूरतों के मुताबिक कार्य कर सके।

कालेज जाने वाले छात्र केवल पठन-पाठन के उपयुक्त माहौल से ही दो-चार नहीं होते

जो घर-परिवार में रहकर हासिल नहीं किए जा सकते। अब यह जाहिर हो चुका है कि आनलाइन अध्ययन परंपरागत पठन-पाठन का विकल्प नहीं बन सकता और अधिक से अधिक उसमें सहायक ही बन सकता है। एक बात और, डिजिटल विश्वविद्यालय का सपना तभी साकार होगा, जब संसाधनों के अभाव को दूर किया जाएगा। देश में कितने बच्चों और युवाओं के पास आनलाइन पढ़ाई के लिए मोबाइल या टीवी की सुविधा उपलब्ध है, इसका उत्तर केंद्र सरकार के पास भी नहीं है। हालांकि साल 2017-18 के नेशनल सेंपल सर्वेक्षण के आंकड़ों के मुताबिक, देश के केवल 15 प्रतिशत ग्रामीण घरों में इंटरनेट की सुविधा उपलब्ध थी, जबकि शहरी घरों के मामले में यह दर 42 प्रतिशत थी। पिछले कुछ वर्षों में ई-लर्निंग प्रणाली की ओर हुए बदलाव ने एक नई बहस को जन्म दिया है कि क्या इस बदलाव से छात्रों को सीखने में मदद मिली है या इससे उनके विकास, सामाजिक और भावनात्मक कल्याण में बाधा उत्पन्न हुई है तथा इससे भी अहम सवाल यह है कि क्या यह नया माध्यम सचमुच में शिक्षा के सभी आयामों की पूर्ति करता है या नहीं। समावेशी शिक्षा : सवाल यह भी कि क्या डिजिटल प्रारूप ने शिक्षा को अधिक समावेशी बनाया है या फिर डिजिटल डिवाइड को और गहरा किया है? शहरी क्षेत्रों और उच्च एवं उच्च मध्यम वर्ग के परिवारों में छात्र एवं शिक्षक डिजिटल शिक्षा से भलीभांति परिचित हैं और तुलनात्मक रूप से अधिक आय की वजह से परिवार शिक्षा के लिए ई-लर्निंग उपकरणों को आसानी से खरीद सकते हैं तथा विभिन्न आनलाइन प्लेटफार्म का खर्च भी वहन कर सकते हैं। लेकिन दूसरी ओर ग्रामीण इलाकों और गरीब परिवारों में यह स्थिति लगभग विपरीत है। ज्यादातर मामलों में परिवार में केवल एक ही सदस्य के पास स्मार्टफोन होता है, इस प्रकार छात्रों को आनलाइन कक्षा में भाग लेने में बहुत कठिनाई आ रही है। अच्छी बात यह है कि केंद्र सरकार ने इस चिंता को दूर करने के लिए वर्ष 2026 तक देश भर के विभिन्न विश्वविद्यालयों में पढ? वाले लगभग 4.06 करोड़ छात्रों (देश की कुल छात्र संख्या का लगभग 40 प्रतिशत) को लैपटाप और टैबलेट प्रदान करने की भी योजना बनाई है तथा इस कार्य के लिए कुल 60,900 करोड़ रुपये का बजट निर्धारित किया गया है। इसी तरह राज्य सरकारों को भी ये प्रतिबद्धता दिखानी चाहिए कि वे आगे चलकर सभी शिक्षण संस्थानों को ब्राडबैंड सेवा और आनलाइन शिक्षा के लिए उचित यंत्र मुहैया कराएं। इसमें कोई दो राय नहीं कि डिजिटल शिक्षा का भविष्य बहुत आशाजनक लग रहा है और आबादी के बड़े हिस्से तक इसकी पहुंच भी है। गूगल और केपीएमजी की एक रिपोर्ट बताती है कि देश में आनलाइन शिक्षा बाजार 52 प्रतिशत सालाना की दर से तेजी से विस्तार कर रहा है। अंत में कोरोना महामारी के दौर में वर्तमान परिस्थितियों को देखते हुए डिजिटल विश्वविद्यालय के विचार को एक क्रांतिकारी कदम कहा जा सकता है। अब वक्त आ गया है कि सरकार आनलाइन शिक्षा के माध्यम से वर्तमान आवश्यकता को पूरा करने और महामारी से उत्पन्न शिक्षा अंतर को पाटने के लिए सार्वजनिक संस्थानों को मजबूत करने के लिए और बड़े कदम उठाए। डिजिटल शिक्षा की राह में आने वाली चुनौतियां : डिजिटल शिक्षा के कई लाभ को देखते हुए इसे बेहतर बनाने के लिए सरकार ने कई प्रयास किए गए हैं, इसके बावजूद इसकी राह में अभी भी कई चुनौतियां विद्यमान हैं। पहली चुनौती तो इंटरनेट तक पहुंच की है। यूनिफाइड डिस्ट्रिक्ट इंफार्मेशन सिस्टम फार एजुकेशन 2019-20 की रिपोर्ट में बताया गया है कि देश के 15 लाख स्कूलों में से केवल 38.54 प्रतिशत स्कूलों में ही कंप्यूटर उपलब्ध हैं। रिपोर्ट के मुताबिक देश के केवल डेढ़ लाख सरकारी स्कूलों के पास ही इंटरनेट की सुविधा है। वहीं कंप्यूटर केलव तीन लाख स्कूलों के पास है। इससे भी बड़ी बात यह है कि देश के करीब ढाई लाख सरकारी स्कूल ऐसे हैं, जहां अब तक बिजली नहीं है। आनलाइन शिक्षा के सामने एक बड़ी चुनौती इंटरनेट स्पीड की भी है। ब्राडबैंड स्पीड विश्लेषण करने वाली कंपनी ऊकला की एक रिपोर्ट के अनुसार, इंटरनेट स्पीड वाली लिस्ट में 138 देशों में से भारत 115वें स्थान पर रहा है। इस दौरान भारत की औसत मोबाइल इंटरनेट स्पीड 14.17 एमबीपीएस रही। ऐसे में वीडियो क्लासेज लेते समय इंटरनेट स्पीड का कम ज्यादा होना समस्या पैदा करता है।

संक्षिप्त समाचार

24 घंटे के भीतर लोगों को महंगाई का दूसरा झटका, जानिये कितने बढ़े दूध और सिलेंडर के दाम

नई दिल्ली। दिल्ली-एनसीआर के लोगों को 24 घंटे के दौरान महंगाई के दो बड़े झटके लगे हैं, जिससे लोगों के किचन का बजट सीधे तौर पर प्रभावित होगा। दरअसल, नामी दुग्ध उत्पादक कंपनी अमूल ने मंगलवार से दूध की कीमत में 2 रुपये प्रति लीटर का इजाफा किया है तो वेरका ने भी दो रुपये प्रति लीटर दूध के दाम बढ़ा दिए हैं। इसके साथ ही सरकारी आयल मार्केटिंग कंपनी इंडियन ऑयल कार्पोरेशन ने भी मंगलवार को बड़ा झटका देते हुए रसोई गैस सिलेंडर की कीमतों में इजाफा दिया है। इंडियन आयल कार्पोरेशन के अनुसार, 19 किलोग्राम वाला व्यावसायिक गैस सिलेंडर को 105 रुपये से ज्यादा महंगा कर दिया है, जबकि 5 किलो वाले व्यावसायिक गैस सिलेंडर के दाम में 27 रुपये की बढ़ोतरी की गई है। इस बढ़ोतरी के बाद राजधानी दिल्ली में 19 किलोग्राम वाला व्यावसायिक गैस सिलेंडर अब 1907 रुपये के बजाय अब 2012 रुपये में सलेंडर मिलेगा। इसी तरह अब दिल्ली में 5 किलो वाले सिलेंडर की कीमत 569 रुपये हो गई है। यह अलग बात है कि घरेलू रसोई गैस की कीमतों में किसी भी तरह का कोई बदलाव नहीं किया गया है।अमूल कंपनी द्वारा दाम में इजाफा करने के बाद उपभोक्ताओं को एक किलोलीटर अमूल गोल्ड दूध के 500 मिली वाले पैकेट के लिए 30 रुपये चुकाने होंगे। इसके अलावा, अमूल ताजा 24 रुपये और अमूल शक्ति 27 रुपये में बिक रह है। वहीं, वेरका का डबल टोंड दूध 42 के बजाय 44 रुपये, फुल क्रीम 58 के बजाय 60 और ग्रीन पैकेट 52 के बजाय 54 रुपये प्रति लीटर की दर से मिल रहा है।

नोएडा हाट में हस्त निर्मित उत्पाद बन रहे हैं नोएडा वासियों की पसंद

(आधुनिक समाचार सेवा)
देव मणि शुक्ल

नोएडा। नोएडा हाट स्थित सरस आजीविका मेला में विभिन्न राज्यों के हस्त निर्मित उत्पाद लोगों की पहली पसंद व आकर्षण का केंद्र बने हुए हैं। मेले में जहां एक और गुजरात के हैंडीक्राफ्ट उत्पाद लोगों की पसंद बन रहे है वहीं दूसरी ओर मध्य प्रदेश की हैंडलूम ने भी धूम मचा रखी है। कंद्रीय ग्रामीण विकास के तत्वाधान मैं आयोजित मेले में महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने पर जोर दिया गया है। इसी कड़ी में यहां देशभर के विभिन्न राज्यों की 300 से अधिक महिलाओं ने अपने उत्पादों के माध्यम से मेले में प्रतिभाग किया है। सोमवार को मेले में हैंडीक्राफ्ट एवं हैंडलूम उत्पादों की धूम रही। गुजरात के सुरेंद्र नगर के श्री कृष्णा स्वयं सहायता समूह की सदस्य पूनमबेन ने बताया कि उनके समूह में 15 महिलाएं काम करती हैं सभी को सरकार के प्रोत्साहन के द्वारा आजीविका चलाने का यह अवसर मिला है । उनके उत्पादों में बेडशीट पिलो कवर तथा बैग आदि शामिल है। उन्होंने बताया कि इसके लिए सरकार हमें निरंतर बढ़ावा दे रही है जो सरकार द्वारा एक सराहनीय प्रयास है। नोएडा में खरीददारी पर संतुष्टि जताते हुए उन्होंने कहा कि जहां हमारी बेडशीट की सर्वाधिक डिमांड है उधर मध्य प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन द्वारा संचालित स्वयं सहायता समूह की सदस्य सीमा हारे ने बताया कि उनके समूह में 125 महिलाएं हैं पहले यह घर में ही काम करती थी मगर सरकार के प्रयास से अब 4 गांव

में 50 से अधिक हैंडलूम चलाए जा रहे हैं। आगे उन्होंने बताया कि केंद्र सरकार द्वारा उनको 25 हजार तौलिया लिए तैयार करने का ऑर्डर भी मिला था।अपने अच्छे उत्पादों के लिए 2018-19 में उन्हें राष्ट्रीय अवार्ड मिला था सरस आजीविका मेले के आयोजन के लिए हैंडीक्राफ्ट एम हैंडलूम के सभी सदस्यों और समूहों ने उन्हें आत्मनिर्भर बनाने के लिए सरकार के निरंतर प्रयासों और सहयोग को सराहा है। सरस आजीविका मेला के दौरान देश भर के 25 से अधिक राज्यों के हजारों उत्पादों की प्रदर्शनी और बिक्री होगी। ग्रामीण विकास मंत्रालय द्वारा यह एक मुहिम की शुरुआत की गई है जिससे कि हस्तशिल्पियों और हस्तकारों को कोरोना के बाद एक बार फिर से अपनी रोजगारी शुरु करने का मौका मिल सके। इसके साथ ही इससे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा शुरू किया गया अभियान वोकल फॉर लोकल को बढ़ावा मिल सके। 25 फरवरी से लेकर 13 मार्च 2022 तक प्रसिद्ध सरस आजीविका मेला 2022 का आयोजन सेक्टर 33 के नोएडा हाट में किया जा रहा है।

शिव मंदिर सेक्टर 82 (पाकेट 7) में महाशिवरात्रि का महापर्व मनाया गया

(आधुनिक समाचार सेवा)
देव मणि शुक्ल

नोएडा।सेक्टर 82 पाकेट 7 के शिव मंदिर पर विगत वर्षो की भाँति इस वर्ष भी महाशिवरात्रि का पर्व बडे धूम-धाम से मनाया जाएगा । शिव मंदिर परिसर का गुब्बारों एवं फूलों से सजाया जाएगा । इस शिव मंदिर पर सुबह से ही बाबा भोलेनाथ को जल चढाने के लिये भक्तों का ताता लगा रहता है । यह सभी कार्यक्रम समस्त पाकेट वासियों के सहयोग से किया जा रहा है । मंदिर पर शाम 6 बजे से भजन कीर्तन का भी आयोजन किया गया है । और महाशिवरात्रि

के पावन पर्व पर रात्रि के चारो पहर का अभिषेक भी किया जाएगा । आप सभी सम्मानित भक्त गण सपरिवार सम्मिलित होकर धर्म लाभ अर्जित करें।

यूक्रेन भारत का हितैषी कभी नही रहा- रमेश चंद्र दूबे

(आधुनिक समाचार सेवा)
देव मणि शुक्ल

नोएडा। यूक्रेन भारत का हितैषी कभी नही रहा है ।भारत की पीठ पर छूरा भोपने का काम हरदम किया है इसलिए भारत यूक्रेन का साथ नही दे रहा है उक्त विचार एक वरिष्ठ समाज सेवी रमेश चंद्र दूबे ने हमारे ब्यूरो प्रभारी देव मणि शुक्ल से एक बातचीत में कही।उन्होंने आगे यूक्रेन की गद्दारी का इतिहास बताते हुये कहा कि यूक्रेन ने कश्मीर मुद्दे पर में भारत के खिलाफ वोट दिया था। यूक्रेन ने परमाणु परीक्षण मुद्दे पर में भारत के खिलाफ वोट दिया था। यूक्रेन ने ळ्ध् की सिक्योरिटी कौंसिल में भारत की स्थायी सदस्यता के खिलाफ वोट किया था। यूक्रेन पाकिस्तान को हथियार सप्पलाई करता है। यूक्रेन अल कायदा को समर्थन देता है। यूक्रेन से भारतीय होने के नाते मुझे कोई भी सहानुभूति नही है। और उसका कारण भी है। युक्रेन ने भारत का कभी भी साथ नही दिया। जब हमारे उपर प्रतिबन्ध लगा तो मे उसने प्रतिबन्ध के पक्ष मे वोट किया। इसके पास यूरेनियम का भंडार था फिर भी बार बार मांगे जाने पर भी इसने कभी भी देना तो दूर हमारे तत्कालीन प्रधानमंत्री को दूरदूरा दिया। सीधे मुँह बात तक नही किया, जबकि भारत अपनी ऊर्जा के लिए यूरेनियम खोज रहा था। अब उसका क्या होता है इसपर मेरा कोई भी मत नही है। हां उसके नागरिको के साथ सहानुभूति अवश्य है। कमज़ोर युक्रेन के साथ वही हो रहा है तो नेहरू जी के समय 1947 से पहले और उसके बाद हुआ। अर्थात विभाजन और देश के सीमा पर अतिक्रमण। इसलिए जो लोग यूक्रेन के समर्थन में दुबले हो रहे है उनको समझना चाहिए कि युक्रेन हमारा एक दुश्मन है जिसने कभी भारत का साथ नही दिया ।

कोरोना की चौथी लहर को लेकर वैज्ञानिकों की ओर से आई चेतावनी, दिल्ली मेट्रो में लोग अभी से रखें इन बातों का ध्यान

नई दिल्ली। कोरोना के मामलों में तेजी से कमी आने के बाद दिल्ली मेट्रो ने सोमवार से पूरी क्षमता के साथ रफ्तार भरनी शुरू कर दी है। कोरोना के मामले घटे हैं और आइआइटी कानपुर के वैज्ञानिक मणींद्र अग्रवाल के मुताबिक, अगले कुछ महीनों में कोरोना की चौथी लहर भी आ सकती है। ऐसे में दिल्ली मेट्रो में सफर करने के दौरान कोरोना प्रोटोकाल को पालन करना जरूरी होगा। यही वजह है कि दिल्ली मेट्रो रेल निगम लगातार ट्वीट कर अपने यात्रियों से कोरोना प्रोटोकाल का पालन करने के लिए कहता रहता है। आइये हम बताते हैं कि दिल्ली मेट्रो में सफर के दौरान आपको बतौर यात्री किन-किन बातों का ध्यान रखना होगा दिल्ली आपदा प्रबंधन प्राधिकरण की अनुमति के बाद सोमवार से दिल्ली मेट्रो में यात्रा आसान हो गई है। इसके तहत सफर करने के लिए लोगों के लिए किसी भी तरह का कोई प्रतिबंध नहीं है। सोमवार से ही यात्री अब खड़े होकर या बैठ कर, दोनों तरीके से यात्रा कर रहे हैं। ऐसे में कोरोना के मद्देनजर आपको हर हाल मास्क लगाना जरूरी है। इससे आप से बच पाएंगे और दूसरा आपका इसके उलुंघन पर 200 रुपये का चालान भी नहीं होगा। दरअसल, कोरोना प्रोटोकाल के उलुंघन पर डीएमआरसी 200 रुपये का चालान करता है। दिल्ली मेट्रो स्टेशन के तकरीबन सभी गेट खुल गए हैं। ऐसे में भीड़ स्वाभाविक है। ऐसे में आप टोकन की बजाय मेट्रो का स्मार्ट कार्ड इस्तेमाल करें। कोरौना से बचाव के साथ आपका समय भी बचेगा।

पंच कल्याणक के पांचवें दिन शोभायात्रा निकाली

(आधुनिक समाचार सेवा)
देव मणि शुक्ल

नोएडा। सेक्टर-27 स्थित श्री दिगंबर जैन मंदिर में पंच कल्याणक के पांचवां दिन भगवान आदिनाथ के मोक्ष कल्याणक के रूप में मनाया गया। इस अवसर पर जैन समाज के लोगों ने धूमधाम से शोभायात्रा निकाली। भागवान की पूजा समेत अन्य कार्यक्रम मुनी श्री 108 दया सागर के सानिध्य में संपनन्‍ हुआ। शोभायात्रा मंदिर से शुरू होकर इंदिरा मार्केट होते हुए टेलीफोन एक्सचेंज से होकर कैलाश अस्पताल के सामने से मंदिर पर पहुंची। उसके बाद नवनिर्मित बेदी में भगवान को विराजमान किया। यात्रा के दौरान जैन समाज के लोग जमकर ढ़ोल नगाड़ों पर थिरके। इस दौरान अध्यक्ष पवन जैन, सुबोध जैन, अजय जैन, सुभाष जैन आदि मौजूद रहे।

फेज-3 में पकडी गयी शराब नष्ट कराई गयी

(आधुनिक समाचार सेवा)
देव मणि शुक्ल

नोएडा।फेस-3 थाना पुलिस ने रविवार को न्यायालय के आदेश पर तस्करों से बरामद शराब को बुलडोजर चलाकर नष्ट कर जमीन गई अवैध शराब पर बुलडोजर चलवाया। पुलिस के अनुसार इस दौरान लाखों 14644.8 लीटर हरियाणा और यूपी मार्का शराब, 60 लीटर बीयर और 120 लीटर कच्ची अपमिश्रित शराब की बोतलों

में दबा दिया। फेज-3 थाने के अनुसार पुलिस टीम ने न्यायालय मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट नोएडा के आदेशा पर आबकारी अधिनियम से संबंधित वर्ष 2017 से 2021 तक दर्ज कुल 428 मुकदमे में पकड़ी को बुलडोजर से तुड़वा कर नष्ट कराया गया और जमीन में दबाया गया। इस अभियान के दौरान सहायक पुलिस आयुक्त-1 सेंट्रल नोएडा और प्रभारी निरीक्षक थाना फेस-3 मौजूद रहे।

डोडा में चाचा-भतीजे में होगी सियासी जमीन की खींचतान, भाजपा का दावा जनता उनकी पार्टी की तरफ रुख करेगा

किश्तवाड़। डोडा के मुबशिर आजाद के भाजपा में शामिल होने से सियासी हलचल शुरू हो गई है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व मुख्यमंत्री गुलाम नबी आजाद के भतीजे मुबशिर डोडा के गंदोह बलेस में सियासी पैठ और ताकत रखते हैं। अलबत्ता, कांग्रेसी नेताओं का

मानना है कि मुबशिर से पार्टी को कोई फर्क नहीं पड़ता, जबकि भाजपा खेमे का दावा है कि गंदोह बलेस, सोती और जंगा क्षेत्र की जनता भाजपा की तरफ रुख करेगी। इतना तय है कि आने वाले समय में डोडा में आजाद और मुबशिर के बीच सियासी जमीन के लिए खींचतान मचेगी। मुबशिर बलेस के सबसे दूरदराज इलाका सोती गांव के हैं। गुलाम नबी आजाद के सबसे छोटे भाई लियाकत अली के बेटे मुबशिर पेशे से ठेकेदार हैं। उनकी इलाके के लोगों में काफी पैठ है। बलेस का इलाका भद्रवाह विधानसभा क्षेत्र में आता है। यहां आजाद के चचेरे भाई मोहम्मद शरीफ नियाज दो बार विधायक रहे हैं। एक बार उन्होंने अपने विधायक पद से त्यागपत्र दिया था जब आजाद को जम्मू कश्मीर का मुख्यमंत्री बनाया गया। मोहम्मद शरीफ नियाज ने उनके लिए सीट छोड़ दी थी। उसके बाद 2014 में दिलीप सिंह भाजपा की तरफ से विधानसभा सीट से विधायक बने। मोहम्मद शरीफ नियाज चुनाव में उनसे हार गए। नियाज की वर्ष 2020 में मौत हो गई। मुबशिर कांग्रेस में किसी बड़े पद पर नहीं थे। आने वाले विधानसभा चुनाव में चाचा-भतीजा एक-दूसरे के खिलाफ मैदान में होंगे। इस सीट पर भाजपा से दिलीप सिंह परिहार विधायक थे। उन्होंने ही मुबशिर को भाजपा में शामिल किया है। वह मुबशिर के काफी समय से दोस्त हैं। आजाद अपने क्षेत्र में जितने भी काम करवाते थे मुबशिर ही उस पर निगरानी रखते। कांग्रेस के नेताओं का कहना है कि आजाद को झटका तब माना जाता है जब पार्टी के दिग्गज नेता छोड़ दें। मुबशिर का कोई जनाधार नहीं।

ब्लॉक कांग्रेस कमेटी ब्योहारी के घर चलो अभियान से कांग्रेस को मिलेगी मजबूती

(आधुनिक समाचार सेवा)
दुर्गेश कुमार गुप्ता

.ब्योहारी। मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी भोपाल के अध्यक्ष श्री कमलनाथ के निर्देश अनुसार जिला कांग्रेस कमेटी शहडोल के अध्यक्ष श्री आजाद बहादुर सिंह के आवाहन पर संगठन प्रभारी श्री राजेन्द्र मिश्रा के मार्गदर्शन में ब्लाक कांग्रेस कमेटी ब्योहारी द्वारा 1 फरवरी से लगातार चलाए जा रहे घर चलो घर घर चलो अभियान के अंतर्गत सोमवार को 23वें दिन ब्योहारी नगर के वार्ड क्रमांक 5 पोलिंग बूथ क्रमांक 186-187 में डोर टू डोर जनसंपर्क कर वार्ड में व्याप्त समास्याओं को जाना और तत्काल प्रशासनिक अधिकारियों को निराकरण का निर्देश दिया एवं वार्ड वासियों से सम्पर्क कर भाजपा की जनविरोधी नीतियों को उजागर करते हुए कहा कि प्रदेश में भाजपा कुशासन के खिलाफ आम आदमी के साथ हर स्तर पर कांग्रेस पार्टी लड़ाई लड़ने को तैयार हैं और जिस प्रकार दिन प्रतिदिन बढ़ती मंहगाई बेरोजगारी महिला उत्पीडन बाल आपराध माफिया राज किसानों की समस्या व भ्रष्टाचार से पुरे प्रदेश में जंगलराज कायम कर रखा है अभियान का नेतृत्व कर रहे ब्लाक कांग्रेस कमेटी ब्योहारी के अध्यक्ष विनोद ताम्रकार ने आम जन मानस से संवाद कर भाजपा की कुनिति व तनाशाही रवैये ने जनता को त्रस्त

कर रखा है अभियान के दौरान आमजन मानस को 15 महिनों में कांग्रेस की कमलनाथ सरकार के जन हितैषी कार्यो का उल्लेख किया गया अभियान के दौरान कांग्रेस पार्टी द्वारा चालाए जा रहे सदस्यता अभियान व कमलनाथ के निर्देश अनुसार हर बूथ में एक महिला व एक पुरूष को डिजिटल सदस्यता दिलाई गई व 18 वर्षी के भाजपा कुशासन को उजागर करने हेतु कमलनाथ द्वारा जारी पम्पलेट का वितरण किया गया अभियान के दौरान मुख्य रूप से यह रहें उपस्थित संगठन महामंत्री हरिशंकर कोरी नरेंद्र पांडे महिला कांग्रेस अध्यक्ष जरीना खातुन जिला युवा कांग्रेस महासचिव सतेन्द्र त्रिपाठी पिंटू युवा कांग्रेस नगर अध्यक्ष पुष्पेंद्र पटेल लक्ष्मीकांत तिवारी आईटीसेल कांग्रेस अध्यक्ष आयुष ताम्रकार कमला कोरी पटेल मुकेश तिवारी बिहारी कोरी बच्चू बसोर प्रिती पटेल विजय द्धवेदी मुनन बसोर सुनीता बर्मन अनवतीया बसोर गीता बसोर सहित सैकड़ों कार्यकर्ता व वार्ड वासी उपास्थित रहे।

सपा नोएडा महानगर की मासिक बैठक में नोएडा में किया गया जीत का दावा

(आधुनिक समाचार सेवा)
देव मणि शुक्ल

नोएडा। सपा महानगर की मासिक बैठक महानगर कार्यालय सेक्टर 9 में महानगर अध्यक्ष दीपक विग के नेतृत्व में संपन्न हुई । महानगर अध्यक्ष दीपक विग ने तमाम नेताओं कार्यकर्ताओं को चुनाव में दिए गए उनके योगदान वह उनके किए गए मेहनत के लिए धन्यवाद दिया , दीपक विग ने कहा की पिछले चुनाव में शहरी क्षेत्र (सेक्टर, ग्रुप हाउसिंग, झुग्गी) से समाजवादी पार्टी को लगभग 15 से 16000 वोट मिले थे लेकिन इस बार हम भारी वोटों से यहां बढ़त हासिल कर रहे है, वहीं ग्रामीण क्षेत्र (गांव व कच्ची कॉलोनी) से समाजवादी पार्टी को लगभग 42 से 43000 वोट मिले थे यहां पर भी जनता का पूरा समर्थन हमें इस बार मिला है और यहां पर भी हम भारी वोटों से बढ़त हासिल करने में सफल होंगे, पूरे प्रदेश में समाजवादी पार्टी की लहर है और समाजवादी पार्टी की सरकार भारी बहुमत के साथ बनने जा रही है नोएडा की सीट हम भारी बहुमत से जीतने जा रहे हैं जो कि एक ऐतिहासिक रिजल्ट होगा, मंच का संचालन मीडिया प्रभारी व प्रवक्ता गौरव कुमार यादव ने किया व सभा

को प्रमुख लोगों ने भी संबोधित किया,मासिक बैठक में उपस्थित मुख्य लोगों में दीपक विग, उपाध्यक्ष शकील सैफी गौरव चाचरा, विपिन अग्रवाल, शैलेंद्र बरनवाल, मीडिया प्रभारी व प्रवक्ता गौरव कुमार यादव, प्रदीप बोहरा, अरविंद चौहान,मुफ्ती मुबारक,सुनीता शारदा, बाबूलाल बंसल,अतुल यादव, कौशल्या भट्ट,मुनन आलम ,अजीम अली जैदी, परवेज, नदीम, अभिषेक यादव, रोजी लांबा ,शबनम गुप्ता, राजबाला, सोनिया शर्मा, सज्जाद, अशफाक, बाबू मानसी, नूर हसन ,इरशाद अहमद ,आशीफ नूरानी, मुख्य रूप से मौजूद रहे।

के बावजूद बिहार में शराब पीने वाले नहीं जाएंगे जेल, पर पूरी करनी होगी ये शर्त, नीतीश सरकार का फैसला

पटना। राज्य में शराब पीते हुए पकड़े जाने पर जेल नहीं जाना पड़ेगा। बशर्ते, शराब पीने वाला व्यक्ति शराब के स्रोत की जानकारी दे दे। यानी यह बता दे कि उसे शराब कहां और किससे शराब मिली। इसके बाद अगर पुलिस या उत्पाद विभाग की कार्रवाई में बताई गई जगह से शराब बरामद हो जाती है या शराब बेचने वाला पकड़ा जाता है, तो शराब पीने वाले को जेल नहीं भेजा जाएगा। मद्य निषेध, उत्पाद एवं निबंधन विभाग के अपर मुख्य सचिव केके पाठक के निर्देश पर सभी जिलों के उत्पाद अधीक्षकों को भी इस बाबत निर्देश जारी कर दिया गया है। उत्पाद आयुक्त बी कार्तिकेय धनजी ने सोमवार को सचिवालय स्थित विभागीय सभागार में आयोजित प्रेसवार्ता में बताया कि शराब बेचने वालों का पता बताने वालों की कानूनी प्रक्रिया के तहत पूरी मदद की

जाएगी। इसका उद्देश्य शराब के अवैध कारोबार की जड़ तक पहुंचना है। दरअसल, शराब के विरुद्ध अभियान में जेल जाने वालों में शराब पीने वालों की संख्या अधिक थी। नए निर्देश का मकसद शराब बेचने वालों को जेल भेजना है। शराब पीने वालों की निशानदेही पर गिरफ्तारी होने पर तस्करों में भी खौफ बढ़ेगा। होली को देखते हुए विशेष छापेमारी अभियान भी चलाया जा रहा है। खासकर रात के दौरान ड्रोन से छापेमारी की जा रही है। उत्पाद आयुक्त ने बताया कि अभी तक ड्रोन, हेलीकाप्टर आदि की मदद से आपरेशन सर्च एंड डिस्ट्राय यानी शराब खोजो और नष्ट करो अभियान चल रहा था।

गोलियों की तड़तड़ाहट से गूंजा दिल्ली, पुलिस और बदमाशों के बीच चली 22 राउंड गोलियां

नई दिल्ली। दिल्ली के उत्तरी जिले में सोमवार देर रात पुलिस व बदमाशों के बीच फायरिंग हुई। यहां गैंगस्टर गोल्डी बरार और काला जठेड़ी के इशारे पर शार्प शूटर आए थे और दोनो तरफ से चली 22 राउंड गोलियां चलने से दिल्ली तड़तड़ाहट से गूंज उठा। पुलिस ने दो शार्पशूटर के गिरफ्तार करते हुए उनके पास से दो पिस्टल, चार जिंदा कारतूस, 8 खाली और एक चोरी की बाइक बरामद की है। दरअसल, बाहरी उत्तरी जिला के ऊए स्टाफ ने एक बहुत बड़ी कामयाबी हासिल करते हुए काला जठेड़ी और गोल्डी बरार के 2 ऐसे शार्पशूटेरो को गिरफ्तार किया है जो एक बड़ी साजिश को अंजाम देने की फिराक में दिल्ली आए थे। पुलिस को सूचना मिली थी कि दिल्ली, हरियाणा में हुई लूट और बेंगलुरु में हुई हत्या के अपराध में वांछित बदमाश रात करीब ढाई बजे के आसपास शार्पशूटर परमिंदर उर्फ काला अपने सहयोगी के साथ अलीपुर इलाके में हथियारों के साथ पहुंचेगा। वह अपने साथियों के साथ मिलकर काला जठेड़ी के इशारे पर गैंगस्टर सुनील उर्फ टिल्लू ताजपुरिया और दिल्ली पुलिस में तैनात एक सिपाही की हत्या को अंजाम देगा । सूचना मिलते ही बाहरी उत्तरी जिला की पुलिस तुरंत हरकत में आई और एटीटीएस इंस्पेक्टर संदीप यादव ने अपनी टीम के साथ अलीपुर -बूढ़पुर रोड, टिवोली गार्डन के पास अपना जाल बिछा दिया। उसी दौरान स्वरूप नगर नाला रोड की तरफ से एक मोटरसाइकिल आती दिखाई दी।

एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में 108.50 रुपये की वृद्धि, आपकी जेब पर कितना पड़ेगा इसका असर

पटना। सरकारी तेल एवं गैस कंपनियों ने कामर्शियल एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में बड़ी वृद्धि कर दी है। 19 किलो वाला कामर्शियल सिलेंडर 108.50 रुपये जबकि 47 किलो वाला सिलेंडर 271 रुपये महंगा हो गया है। हालांकि घरेलू रसोई गैस की कीमतें यथावत रखीं गई हैं। इससे घरेलू उपभोक्ताओं पर असर नहीं पड़ेगा। लेकिन इससे रेस्टोरेंट व होटलों की परेशानी बढ़ेगी। नई दरें एक मार्च से प्रभावी हो जाएंगी। 19 किलो वाले कामर्शियल सिलेंडर की कीमत 2127.50 रुपये से बढ़कर 2236.00 रुपये पर पहुंच गई है। इसकी कीमत 108.50 रुपये बढ़ाई गई है। इसी तरह से 47 किलो वाले कामर्शियल सिलेंडर की कीमत 5313.00 रुपये से बढ़ाकर 5584.00 रुपये कर दी गई है। इस बाबत बिहार एलपीजी डिस्ट्रीब्यूटर्स एसोसिएशन के महासचिव डाक्टर रामनरेश सिन्हा ने कहा कि इसकी कीमत में 271

रुपये की वृद्धि की गई है। घरेलू रसोई गैस की कीमतें यथावत रखी गई हैं। 14.2 किलो वाले रसोई गैस सिलेंडर 998.00 रुपये, और पांच किलो वाले छोटे सिलेंडर की कीमत 368.00 रुपये ही रखी गई है। 10 किलो वाले कंपोजिट सिलेंडर की कीमत 702.50 रुपये और पांच किलो वाले कंपोजिट सिलेंडर की कीमत 368.00 रुपये पर यथावत रखी गई है। बता दें कि रूस एवं यूक्रेन के बीच चल रहे युद्ध का असर उपभोक्ताओं पर सीधा पड़ने के आसार हैं। भले घरेलू गैस की कीमतों में वृद्धि नहीं हुई है लेकिन खाद्य तेलों की कीमतों पर इसका असर पड़ा है। क्रूड एडिबल आयल के लिए भारत करीब 70 फीसद जरूरतों को इंपोर्ट से पूरा करता है। रूस और यूक्रेन सनफ्लावर आयल की 90 फीसदी जरूरतें पूरा करते हैं। ऐसे में वहां की स्थिति के कारण उपभोक्ताओं की जेब ढीली हो सकती है।

'गंदी बात' की एक्ट्रेस ने की यूक्रेन के राष्ट्रपति की तारीफ, वोलोदिमीर जेलेंस्की को बताया असली नेता

नई दिल्ली। रूस और यूक्रेन के बीच लगातार जंग जारी है। जिसमें हर दिन कई जिंदगियां अपनी जान गंवा रही हैं और लाखों लोग पलायन करने को मजबूर हैं। यूक्रेन में हर दिन लाखों लोग घर और देश छोड़कर जा रहे हैं। वहीं राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की अपने देश यूक्रेन को बचाने के लिए हरसंभव कोशिश कर रहे हैं। यही वजह है, जो उन्होंने देश छोड़ने से मना कर दिया है। रूस के साथ डट कर सामना कर रहे राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की की बॉलीवुड अभिनेत्री नतालिया कोजीनोवा ने तारीफ की है। नतालिया कोजीनोवा एक यूक्रेनियन हैं और वह एकता कपूर की बोल्ड वेब सीरीज गंदी

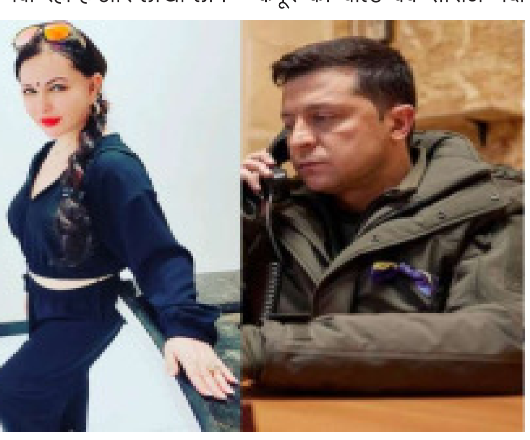

बात में एक्टिंग कर चुकी हैं। नतालिया कोजीनोवा ने सोशल मीडिया पर वोलोदिमीर जेलेंस्की की तस्वीर शेयर कर उनकी तारीफ की है नतालिया कोजीनोवा सोशल मीडिया पर काफी सक्रिय रहती हैं। वह अपने फैंस से रूबरू होने के लिए अक्सर खास तस्वीरें और वीडियो शेयर करती रहती हैं। नतालिया कोजीनोवा ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट की स्टोरी पर वोलोदिमीर जेलेंस्की की एक तस्वीर शेयर की है। इस तस्वीर में वोलोदिमीर जेलेंस्की यूक्रेन आर्मी की ड्रेस में दिखाई दे रहे हैं। उनकी यह तस्वीर जंग के मैदान की है। इस तस्वीर को शेयर करते हुए नतालिया कोजीनोवा ने खास कैप्शन लिखा है। उन्होंने कैप्शन में वोलोदिमीर जेलेंस्की की तारीफ करते हुए लिखा, 'यह असली नेता हैं, जो बंकर में नहीं बैठे। यूक्रेन की महिमा, राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की की महिमा।' सोशल मीडिया पर नतालिया कोजीनोवा का यह पोस्ट तेजी से वायरल हो रहा है। अभिनेत्री के फैंस उनके पोस्ट पर अपनी प्रतिक्रिया दे रहे हैं। आपको बता दें कि नतालिया कोजीनोवा साल 2019 में एकता कपूर की वेब सीरीज गंदी बात के चौथे सीजन के चौथे एपिसोड में नजर आई थीं। सीरीज में उनका काफी बोल्ड अंदाज देखने को मिला था। इसके अलावा नतालिया कोजीनोवा फिल्म अंजुना बीच, सुपर मॉडल, लव वर्सेस गैंगस्टर और द बैटल ऑफ भीमा कोरेगांव सहित कई फिल्मों में नजर आ चुकी हैं।

रिलीज हुआ टाइगर श्रॉफ का सिंगल पंजाबी म्यूजिक वीडियो, मौनी रॉय के साथ दिखी सिजलिंग केमिस्ट्री

नई दिल्ली। कैसनोवा की जबरदस्त सफलता के बाद टाइगर श्रॉफ का पंजाबी सिंगल पूरी गल बात सोमवार को रिलीज हो चुका है। इस को खुद टाइगर ने पंजाबी और अंग्रेजी में गाया है। इस वीडियो सॉन्ग में मौनी रॉय और टाइगर रोमांस करते हुए दिख रहे हैं। इस वीडियो सॉन्ग में मौनी

और टाइगर पंजाबी बीट्स पर थिरकते हुए रोमांस करते हुए दिख रहे हैं। सॉन्ग के रिलीज होने की जानकारी अभिनेता ने अपने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर कर दी है। इस वीडियो को इंस्टाग्राम पर शेयर कर उन्होंने लिखा, 'अब तक की सबसे चुनौतीपूर्ण चीजों में से एक। मेरा पहला पंजाबी सिंगल सॉन्ग पूरी गल बात, मुझे बताओं कि तुम लोग इस गाने के बारे में क्या सोचते हो।' टाइगर द्वारा गाए इस गाने को राहुल शेट्टी ने कोरियोग्राफ और निर्देशित किया है। आपको बता दें, साल 2020 में टाइगर का म्यूजिक वीडियो अनबिलीवेबल आया था। इसके बाद कैसेनोवा और वंदे मातरम जैसों गानों से अपनी सिंगिग के टैलेंट को दिखा चुके हैं। अब फैंस उनके इस सिंगल सॉन्ग पूरी गल बात को लेकर बेहद उत्साहित दिख रहे हैं और गाने के रिलीज होने का इंतजार कर रहे हैं। बता अगर उनके वर्कफ्रंट की करें तो वो जल्द ही फिल्म टाइगर श्रॉफ हीरोपंती 2 में अभिनेत्री तारा सुतारिया और नवाजुद्दीन सिद्दीकी के साथ नजर आने वाले हैं। इस फिल्म में अभिनेता अलग अंदाज में दिखाई देंगे। इस दिनों अभिनेता फिल्म के आखिरी शेड्यूल की शूटिंग कर रहे हैं। अहमद खान के निर्देशत में बनी इस फिल्म का निर्मात साजिद नाडियाडवाला के बैनर तेल किया जा रहा है। ये फिल्म 29 अप्रैल, 2022 को ईद के मौके पर सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इसके अलावा अभिनेता गणपत पार्ट वन में नजर आने वाले हैं। टाइगर की ये फिल्म इस साल क्रिसमस के मौकै पर सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

औज़ार के 25 साल पूरे होने पर शिल्पा शेट्टी ने जाहिर की खुशी, शेयर किया खास वीडिया

नई दिल्ली। एक्ट्रेस शिल्पा शेट्टी सोशल मीडिया पर जबरदस्त एक्टिव रहती हैं। वो अक्सर अपने परिवार के सदस्यों के साथ फोटोज वीडियो साझा करती रहती हैं। अब उन्होंने साल, 1997 में रिलीज हुई फिल्म औज़ार के 25 साल पूरे होने

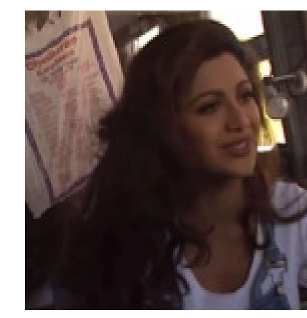

पर खुशी जाहिर की है। इस मौके पर उन्होंने अपने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया है, जिसमें मूवी के कुछ सीन्स दिख रहे हैं और बैकग्राउंड में गाने भी सुनाई दे रहे हैं। इस वीडियो को इंस्टाग्राम पर शेयर कर उन्होंने लिखा, 'उस वक्त भी दोस्तों के साथ काम करना कभी काम जैसा नहीं लगा था। औज़ार की शूटिंग में हमने क्या खूब धमाल मचाया था हम सब एक घर में आग की तरह एक साथ हो रहा थे। विश्वास नहीं हो रहा कि हम औज़ार के 25 साल पहले से ही मना रहे हैं। उन्होंने आगे लिखा, सोहेल खान के निर्देशन में शुरुआत बेहद खास थी। अनु मलिक जी का संगीत आज भी बेहद उम्दा और ताजा है, जितना ढाई दशक पहले था। कुछ यादें सच में अनमोल होती हैं। कुछ यादें सच में अनमोल होती हैं। इस फिल्म में सलमान खान, संजय कपूर और शिल्पा शेट्टी ने मुख्य किरदार निभाया है। वहीं, फिल्म में परेश रावल, किरण कुमार, जॉनी लिवर ने भी अहम किरदार निभाया है। इस फिल्म से सोहेल खान निर्देशन के क्षेत्र में डेब्यू किया था। बात अगर उनके वर्कफ्रंट की करें तो वो इन दिनों टीवी शो इंडियाज गॉट टैलेंट सीजन 9 को रैपर बादशाह और किरण खेर के साथ मिल कर जज कर रही हैं। इससे पहले उन्हें टीवी सुपर डांस 3 में बौतर जज के रूप में देखा गया था। आपको बता दें, कि शिल्पा शेट्टी को आखिरी बार प्रियदर्शन के निर्देशन में बनी फिल्म 'हांगामा 2' में देखा गया था। इस फिल्म में शिल्पा शेट्टी, परेश रावल, मीजान जाफरी और प्रणिता सुभाष ने अहम किरदार निभाएं हैं।

बॉक्स ऑफिस पर मार्च में लगेगा इन फिल्मों का 'झुंड' हर हफ्ते एक मेगा फिल्म

नई दिल्ली। फरवरी में संजय लीला भंसाली की फिल्म गंगूबाई काठियावाड़ी के साथ बहुप्रतीक्षित और मेगा फिल्मों की रिलीज का सिलसिला मार्च से जोर पकड़ेगा, जिसके तहत 2022 के तीसरे महीने में बॉक्स ऑफिस पर अमिताभ बच्चन, अजय देवगन और प्रभास जैसे सितारे अपना दमखम दिखाते

हुए नजर आएंगे। मार्च में हर शुक्रवार को एक बड़े स्टार की फिल्म बॉक्स ऑफिस पर उतरेगी। सिनेमाघर बिजनेस के लिए निश्चित तौर पर यह किसी जशन का मौका है, मगर इसका दूसरा पहलू यह भी है कि सिनेमाघरों में इन फिल्मों को लगातार एक-दूसरे के प्रतिस्पर्द्धा भी करनी होगी। हालांकि, होली का त्योहार होने की वजह से बॉक्स ऑफिस पर ज्यादा दर्शकों के जुटने की सम्भावना भी है। मार्च के पहले शुक्रवार को अमिताभ बच्चन अपने झुंड के साथ बॉक्स ऑफिस पर लौटेंगे। नागराज मंजुले निर्देशित यह स्पोर्ट्स फिल्म एक ऐसे प्रोफेसर के बारे में है, जो झुग्गी-बस्ती के बच्चों को लेकर एक फुटबाल टीम बनाता है। सैराट जैसी बहुप्रशंसित और चर्चित मराठी फिल्म बना चुके नागराज इस झुंड के जरिए नागराज हिंदी फिल्मों में अपनी पारी शुरू कर रहे हैं। लीड रोल में अगर अमिताभ बच्चन की फिल्मों की बात करें तो सिनेमाघरों में उनकी आखिरी रिलीज चेहरे है, जो 2021 में आयी थी। हालांकि, पैनडेमिक की दूसरी लहर के बीच रिलीज होने के कारण बॉक्स ऑफिस कलेक्शंस काफी कम रहे। महामारी के बाद झुंड अमिताभ की पहली फिल्म है, जो सिनेमाघरों में बड़े पैमाने पर रिलीज हो रही है। झुंड के साथ इस शुक्रवार को एक और फिल्म तुलसीदास जूनियर रिलीज होगी। मृदुल लिखित निर्देशित इस स्पोर्ट्स फिल्म में स्वर्गीय राजीव कपूर लीड रोल में हैं, जबकि संजय दत्त विशेष भूमिका में दिखेंगे। बॉलीवुड फिल्मों को टक्कर देने हॉलीवुड फिल्म द बैटमैन भी इस शुक्रवार सिनेमाघरों में पहुंचेगी। यह फिल्म हिंदी, अंग्रजी, तमिल और तेलुगु में रिलीज की जाएगी। यह डीसी कॉमिक्स के कैरेक्टर बैटमैन की फिल्मों की रीबूट है। इस बार सुपरहीरो के किरदार में रॉबर्ट पैटिंसन नजर आएंगे। फिल्म का निर्देशन मैट रीवेस ने किया है। पैनडेमिक की वजह से इस फिल्म की रिलीज भी स्थगित होती रही है।

ओपनिंग वीकेंड में आलिया भट्ट की फिल्म ने की धमाकेदार कमाई जानिए तीन दिनों का कलेक्शन

नई दिल्ली। संजय लीला भंसाली की फिल्म गंगूबाई काठियावाड़ी ने ओपनिंग वीकेंड में वाकई धमाल मचा दिया है। फिल्म

ने बॉक्स ऑफिस पर बेहतरीन शुरुआत करते हुए करीब 40 करोड़ का नेट कलेक्शन रिलीज के तीन दिनों में किया है। रविवार को गंगूबाई काठियावाड़ी ने सबसे अधिक रकम जोड़ी। गंगूबाई काठियावाड़ी के ओपनिंग वीकेंड की कमाई फिल्म कारोबार और महमारी में पस्त हुए सिनेमाघरों के लिए एक शुभ संकेत है कि दर्शक अपने घरों से सिनेमा हॉल तक की दूरी तय करने में कोई संकोच नहीं दिखा रहे। बशर्ते फिल्म उनके मतलब की हो। हालांकि, दर्शकों के मूड का अंदाजा तो अक्षय कुमार की फिल्म सूर्यवंशी से ही हो गया था, जो पिछले साल नवम्बर में रिलीज हुई थी। इसके बाद दिसम्बर और जनवरी में पैनडेमिक की तीसरी लहर की आशंका चलते फिल्म कारोबार ठप रहा। गंगूबाई काठियावाड़ी सिनेमाघरों में 25 फरवरी को रिलीज हुई थी और इसने 10.50 करोड़ धमाकेदार ओपनिंग ली। ज्यादातर समीक्षकों ने फिल्म को लेकर सकारात्मक प्रतिक्रिया दी, जिसके चलते माउथ पब्लिसिटी के दम पर शनिवार और रविवार को फिल्म के कलेक्शंस ने उछाल लिया। शनिवार को फिल्म ने 13.2 करोड़ और रविवार को 15.30 करोड़ जुटाये। इस तरह रिलीज के तीन दिनों में गंगूबाई काठियावाड़ी का ओपनिंग वीकेंड कलेक्शन 39.12 करोड़ पर पहुंच चुका है। खास बात यह है कि ट्रेड विश्लेषकों को फिल्म ऐसी ओपनिंग की उम्मीद नहीं थी। गंगूबाई काठियावाड़ी बॉक्स ऑफिस पर सोलो लीड में आलिया भट्ट के करियर की बेस्ट परफॉर्मेंस है। 2018 में आयी राजी आलिया की पहली फिल्म है, जिसमें उन्होंने मुख्य भूमिका निभायी थी और फिल्म ने 100 करोड़ क्लब में एंट्री ली थी। अगर राजी के कलेक्शंस से तुलना करें तो मेघना गुलजार निर्देशित फिल्म ने 7.53 करोड़ की ओपनिंग ली थी, जबकि ओपनिंग वीकेंड में 32.94 करोड़ बटोरे थे। गंगूबाई काठियावाड़ी राजी से बेहतर ट्रेंड कर रही है। राजी का लाइफ टाइम कलेक्शन 123.84 करोड़ रहा था। अब देखना यह है कि गंगूबाई काठियावाड़ी इस कलेक्शन को पार कर पाती है या नहीं। गंगूबाई काठियावाड़ी के सामने पहले हफ्ते में कोई चुनौती नहीं है, मगर उसके बाद दूसरे शुक्रवार से फिल्म को अमिताभ बच्चन की झुंड से टकराना होगा।

रकुल प्रीत सिंह इस तस्वीर में पहचनना हुआ मुश्किल, मालदीव वेकेशन पर यूं किया एंजॉय

नई दिल्ली। बॉलीवुड एक्ट्रेस रकुल प्रीत सिंह अपनी पर्सनल और प्रोफेशनल लाइफ को लेकर काफी चर्चा में रहती हैं। वो अक्सर अपने सोशल मीडिया हैंडल पर तस्वीरें शेयर करती रहती हैं। अब उन्होंने अपने इंस्टाग्राम पर वेकेशन की तस्वीर शेयर की हैं, जिसमें वो समुंदर किनारे चिल करती हुई दिख रही हैं। इस तस्वीर को अभिनेत्री ने अपने इंस्टाग्राम पर शेयर की है, जिसमें रकुल प्रीत सिंह स्काई

ब्लू एंड व्हाइट ब्रैक लेस ड्रेस में रोमांटिक पोज देती हुई दिख रही हैं। वहीं, तस्वीर में रकुल प्रीत सिंह को पहचनान मुश्किल हो रहा है। इस तस्वीर को इंस्टाग्राम पर शेयर कर उन्होंने लिखा, 'कभी-कभी परिवर्तन की लहरों में हमें सही दिशा मिल जाती है।' इससे पहले भी उन्होंने अपने इंस्टाग्राम पर वेकेशन की कई तस्वीरें शेयर की थी, जिसमें एंजॉय करती हुई दिख रही थी। कलर फुल श्रग में पहने हुए समुंदर किनारे बने एक प्वाइंट पर बैठ कर पोज देती दिख रही हैं। वहीं, हाल ही में अपने ब्वॉयफ्रेंड जैकी भागनानी के साथ ताज महल के दीदार के लिए पहुंचे थी। जिसकी एक वीडियो सोशल मीडिया पर काफी वायरल हुई थी, जिसमें दोनों ताज महल को देखने के बाद ताज महल परिसर से बाहर आते हुए दिख रहे हैं। बात अगर उनके वर्कफ्रंट की करें तो रकुल बैक-टू-बैक कई फिल्मों में नजर आने वाली हैं। अभिनेत्री 'प्रोडक्शन 41', 'थैंक गॉड' के अलावा जंगली पिक्चर्स की फिल्म 'डॉक्टर जी' में अभिनेता आयुषमान खुराना के साथ मुख्य किरदार में नजर आने वाली हैं। इस फिल्म में वो एक डॉक्टर की भूमिका में दिखाई देंगी। इसके अलावा वो जॉन अब्राहम की अटैक और अजय देवगन की 'रन-वे 34' में अहम भूमिका में नजर आएंगी। वही रकुल प्रीत सिंह ने फिल्म छतरीवाली की भी शूटिंग को पूरा कर लिया है। इस फिल्म में वो एक कंडोम टेस्टर की भूमिका ने नजर आने वाली हैं।

बचपन से ही स्टाइलिश हैं बिग बॉस की एक्स कंटेस्टेंट शहनाज गिल सोशल मीडिया पर वायरल हुई तस्वीर

नई दिल्ली। बिग बॉस 13 में पंजाब की कटरीना कैफ बनकर घर में एंट्री लेने वाली शहनाज गिल आज के समय में हिंदुस्तान की शहनाज गिल बन गई हैं। उनकी जर्नी को बिग बॉस के घर में काफी पसंद किया गया। उनके लाखों फैंस हैं। उनकी और सिद्धार्थ शुक्ला की जोड़ी आज भी लोगों की सबसे पसंदीदा जोड़ियों में से एक है।

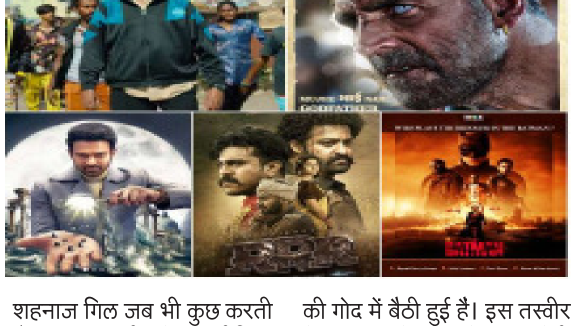

शहनाज गिल जब भी कुछ करती हैं, वह तुरंत ही सोशल मीडिया पर वायरल होने लगता है। अब हाल ही में शहनाज गिल की एक बचपन की तस्वीर सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रही है और फैंस जमकर शहनाज पर प्यार लुटा रहे हैं। बिग बॉस की चुलबुली गर्ल शहनाज गिल इंडियन हो या वेस्टर्न हर लुक में कहर ढाती हैं, उनका हर लुक फैंस का दिल जीत लेता है। लेकिन आपको बता दें कि शहनाज गिल में ये स्टाइल आज से नहीं बल्कि बचपन से ही है। शहनाज गिल के बचपन की एक तस्वीर उनकी फैन ने ट्विटर पर शेयर की। इस तस्वीर में शहनाज गिल के साथ उनके भाई शाहबाज और माता-पिता भी हैं। तस्वीर में शहनाज बड़े ही प्यार से अपने पिता की गोद में बैठी हुई हैं। इस तस्वीर में शहनाज ने जींस के साथ नेवी ब्लू रंग का स्वैटर पहना हुआ है और बॉब कट में उनकी बीच की मांग निकली हुई है। पोज करती हुई शहनाज गिल की ये बचपन की तस्वीर उनके फैंस को खूब पसंद आ रही है और वायरल हो रही है। हमेशा की तरह शहनाज गिल के फैंस उनकी ये तस्वीर देखने के बाद अभिनेत्री को जमकर प्यार दे रहे हैं। इस तस्वीर पर फैंस कमेंट करते हुए उन्हें एशिया की सबसे खूबसूरत लड़की बता रहे हैं। एक यूजर ने कमेंट करते हुए लिखा, 'शहनाज गिल की बाहरी सुंदरता लोगों को आकर्षित करती है, लेकिन उनकी आतंरिक खूबसूरती लोगों को मंत्रमुग्ध कर देती है'। दूसरे यूजर ने लिखा, 'शहनाज एक प्योर सोल है और नैचुरल ब्यूटी है। भगवान उन्हें हमेशा दुष्टता की नजर से बचाकर रखे'। अन्य यूजर ने लिखा, 'शहनाज गिल एशिया की सबसे खूबसूरत लड़की है'। आपको बता दें कि शहनाज गिल बिग बॉस में आने से पहले कई पंजाबी फिल्मों का हिस्सा रह चुकी हैं। उन्होंने साल 2015 में अपनी शुरुआत 'शिव दी किताब' म्यूजिक वीडियो से की थी। इसके बाद शहनाज गिल ने कई फिल्मों और म्यूजिक वीडियो में काम किया। बिग बॉस में आने से पहले शहनाज गिल पंजाबी ऐक्ट्रेस अपने झगड़े को लेकर खूब चर्चा में आई थीं। हालांकि जब ये दोनों बिग बॉस 13 में आए तो दोनों ने अपने बीच की सभी दूरियों को मिटा दिया। बिग बॉस 13 से शहनाज गिल सिर्फ एक नाम ही नहीं बनी बल्कि आज शहनाज गिल के पास कई फिल्मों के साथ-साथ कई बड़े ब्रांड्स भी है।

श्रीदेवी संग 'जुदाई' में अनिल कपूर नहीं करना चाहते थे काम, पारिवारिक दबाव के कारण भरी थी हामी

नई दिल्ली। बॉलीवुड अभिनेता अनिल कपूर और दिवांगत अभिनेत्री श्रीदेवी ने 90 के दशक में कई सुपर हिट फिल्में दी थी। इनमें से एक थी पती, पतनी और वो की कहानी कहती फिल्म 'जुदाई'। जिसने आज अपनी रिलीज के 25 साल पूरे कर लिए हैं। फिल्म में दोनों की जोड़ी को दर्शकों ने खूब पसंद किया था और फिल्म सुपरहिट रही थी, लेकिन अनिल कपूर उस वक्त फिल्म का हिस्सा नहीं बनना चाहते थे और उन्होंने काम करने से इनकार कर दिया था। 'जुदाई' साल 1997 में आज ही के दिन रिलीज हुई थी। फिल्म में अनिल कपूर और श्रीदेवी के साथ उर्मिला मातोंडकर भी मुख्य भूमिका में नजर

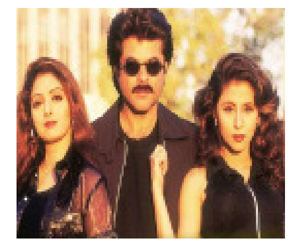

आई थीं। इस फिल्म के बारे में हिंदुस्तान टाइम्स से बात करते हुए अनिल कपूर ने बताया कि वह इस फिल्म को नहीं करना चाहते थे क्योंकि उन्हें इसमें अपना किरदार पसंद नहीं आया था। अनिल ने कहा, 'मैं इस फिल्म को करने से इनकार करता रहा क्योंकि मैं इसमें अपने किरदार से कनेक्ट नहीं कर पा रहा था। मेरे ऊपर मेरे परिवार और परिवार की प्रॉडक्शन कंपनी का बहुत दबाव था जो बुरे दौर से गुजर रही थी क्योंकि इससे पहले 'रूप की रानी चोरों का राजा' बुरी तरह फ्लॉप हुई थी।' बता दें कि 1993 में आई फिल्म 'रूप की रानी चोरों का राजा' में भी अनिल कपूर और श्रीदेवी की जोड़ी थीं। जिसे सतीश कौशिक ने निर्देशित किया था और बड़े बजट पर बनी थी।

मार्च में इन बॉलीवुड, हॉलीवुड फिल्मों और वेब सीरीज से गुलजार होंगे ओटीटी प्लेटफॉर्म्स..........

नई दिल्ली। मार्च के महीने में एक तरफ सिनेमाघरों में रौनक लौट रही है, वहीं ओटीटी प्लेटफॉर्म्स भी अलग-अलग तरह के कंटेंट से गुलजार रहेंगे। बॉलीवुड से लेकर हॉलीवुड तक की कई जानदार और बहुप्रतीक्षित फिल्में और वेब सीरीज मार्च में रिलीज होने वाली हैं। इस महीने अजय देवगन का भी डिजिटल डेब्यू होने जा रहा है। चलिए, आपको पूरी लिस्ट बताते हैं, ताकि वेब सीरीज के शौकीन अपना वीकेंड प्लान बना सकें। पहली मार्च को नेटफ्लिक्स पर हॉलीवुड सुपरहीरो फिल्म वेनम- लेट देयर बी कारनेज भी स्ट्रीम हो जाएगी। यह फिल्म पिछले साल सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है और अब ओटीटी पर आ रही है। यह सोनी के स्पाइडरमैन यूनिवर्स की दूसरी फिल्म है और 2018 में आयी वेनम का सीक्वल है। टॉम हार्डी फिल्म में मुख्य किरदार निभा रहे हैं। 4 मार्च को अलग-अलग प्लेटफॉर्म्स पर वेब सीरीज की लम्बी लाइन है। अजय देवगन की डेब्यू वेब सीरीज रूद्र- द ऐज ऑफ डार्कनेस डिजनी प्लस हॉटस्टार पर आएगी। ब्रिटिश सीरीज लूथर के इस अडेप्टेशन का निर्देशन राजेश मापूसकर ने किया है। सीरीज में राशि खनन, अतुल कुलकर्णी, आशीष विद्यार्थी और एशा देओल अहम किरदारों में नजर आएंगे। जी5 पर सुतलियां वेब सीरीज रिलीज होगी, जिसका निर्देशन श्री नारायण सिंह ने किया है। यह एक इमोशनल पारिवारिक ड्रामा है। सुतलियां एक ऐसे परिवार की कहानी है, जहां दिवाली से कुछ हफ्ते पहले बच्चे अपने पारिवारिक घर भोपाल लौटते हैं। उनकी मुलाकात कुछ सालों बाद होती है, इसलिए बदले हुए हालात में वो एक-दूसरे तालमेल बैठाने की कोशिश करते हैं। आयशा रजा चंदेल परिवार की विधवा मां के किरदार में हैं, जबकि शिव पंडित, विवान शाह और प्लाबिता बोरठाकुर भाई-बहनों का रोल निभा रहे हैं। सोनी लिव पर बेहद चर्चित वेब सीरीज अनदेखी का दूसरा सीजन स्ट्रीम किया जा रहा है। दूसरे सीजन में अटवाल और उनके विरोधी पूरी ताकत के साथ बदला लेने के लिए लौट आये हैं। दूसरे सीजन का निर्देशन आशीष आर शुक्ला ने किया है, जबकि निर्माता अप्लॉज एंटरटेनमेंट और बनिजय एशिया हैं। अनदेखी का पहला सीजन 2020 में आया था और इसका निर्देशन भी आशीष आर शुक्ला ने ही किया था। पहले सीजन में 10 एपिसोड्स थे और क्लाइमैक्स एक अहम प्वाइंट पर पहुंच गयी थी।

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक डा0 दीपक अरोरा द्वारा रामा प्रिन्टर्स 53/25/1 ए बेली रोड न्यू कटरा प्रयागराज (उ.प्र.) 211002 से मुद्रित एवं सी-41 यूपी एसआईडीसी औद्योगिक क्षेत्र नैनी प्रयागराज। (उ.प्र.) 211010 से प्रकाशित।
सम्पादक/प्रकाशक
डा0 पुनीत अरोरा
मो0न0 09415608710
RNI No. UPHIN/2015/63398
website:www.adhuniksamachar.com

नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगे।